रजिस्ट्री सं. डी एल—33001/2000

REGISTERED No. DL—33001/ 2000

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 27] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 1, 2000 (आषाढ़ 10, 1922)

No. 27] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 1, 2000 (ASADHA 10, 1922)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a aeparate compilation)

विषय-सूची

	पृष्ठ
भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालयों द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं	693
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	495
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	3
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	809
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*
भाग II—खण्ड 1 क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*
भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किये गये सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किये गये सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किये गये सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	*
भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश	*
भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	523
भाग III—खण्ड 2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से संबन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस	488
भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन प्रथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	—
भाग III—खण्ड 4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनायें, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	1931
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस	1671
भाग [illegible]—[illegible] और [illegible] जन्म और मृत्यु के आकड़ों [illegible]	*

*आकड़े प्राप्त नहीं हुए ।

CONTENTS

	PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	603
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	495
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence . .	3
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	809
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi languages of Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills . .	*
PART II—SECTION 3—Sub-section (i)—General Statutory Rules including Orders, Bye-laws, etc. of general character issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—Sub-Section (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 of Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories) .	*
PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence .	*
PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India .	523
PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	489
PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	—
PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	1931
PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	1671
PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Follow not received

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधिसम्मत नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 जनवरी, 2000

सं062-प्रेज /2000 राष्ट्रपति "आपरेशन विजय" के दौरान उत्कृष्ट वीरतापूर्ण कार्य के लिए 2 नागा के सिपाही इमलीअकूम को महावीर चक्र प्रदान किए जाने का सहर्ष अनुमोदन करते है –

14702937 सिपाही इमलीअकूम, 2 नागा

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 08 जुलाई, 1999)

8 जुलाई 1999 को सिपाही इमलीअकूम जम्मू और कश्मीर की मश्कोह घाटी में 15000 फुट की ऊँचाई पर स्थित शत्रु के एक मोर्टार ठिकाने पर धावा बोलने के लिए स्वेच्छा से शामिल हुए।

सिपाही इमलीअकूम आक्रमण दल में शामिल थे तथा उन्हे शत्रु के मोर्टार ठिकाने की बाह्य परिधि मे तैनात शत्रु के सतरी को चुपके से ठिकाने लगाने का कार्य सौपा गया। सिपाही इमलीअकूम दिन दहाडे शत्रु सतरी के समीप पहुंचे तथा उसे मार गिराया। इसके बाद भी वे आगे बढते रहे तथा एक और शत्रु संतरी को मार गिराया और फिर आक्रमण दल के साथ शत्रु के मोर्टार ठिकाने पर टूट पड़े।

सिपाही इमलीअकूम ने अनुकरणीय साहस और अडिग संकल्पशक्ति का प्रदर्शन करते हुए अकेले ही दो शत्रु सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया। इस समस्त कार्रवाई के दौरान शत्रु के सामने उनका दृढ निश्चय, धैर्य, अडिग आत्मविश्वास तथा प्रचंड साहस ही था जिसके कारण एक लगभग दुर्दमनीय मोर्टार ठिकाने से शत्रु का सफाया किया जा सका।

सिपाही इमलीअकूम द्वारा शत्रु कार्मिको का सफाया किया जाना एक बडी सफलता थी जिसमें गोला-

गया। एक सुदृढ आड लेकर जमे शत्रु के सामने सिपाही इमलीअकूम का यह पराक्रम-पूर्ण कार्य बहादुरी का एक वास्तविक प्रदर्शन था, जिसके कारण शत्रु के मोर्टार ठिकाने पर सफलतापूर्वक धावा बोलने का मार्ग प्रशस्त हो सका और शत्रु का विनाश किया गया।

इस प्रकार सिपाही इमलीअकूम ने शत्रु के समक्ष अनुकरणीय साहस, शत्रु के मोर्टार ठिकाने को नष्ट करने और दो शत्रु सैनिकों को मार गिराने में निरंतर व सफल कार्रवाई का प्रदर्शन किया।

बरुण मित्रा

बरुण मित्रा
राष्ट्रपति का उप सचिव

सं063-पेज/2000 राष्ट्रपति "आपरेशन विजय" के दौरान वीरतापूर्ण कार्यों के लिए निम्नलिखित कार्मिकों को "वीर चक्र" प्रदान किए जाने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :—

आई सी — 57301 कैप्टन रूपेश प्रधान
2 इंजीनियर रेजिमेंट

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 08 मई, 1999)

कैप्टन रूपेश प्रधान उस इंजीनियर प्लाटून के प्लाटून कमांडर थे जिसे नकी ढाल्लो के उत्तर में नियंत्रण रेखा के पास शत्रु की बारूदी सुरंगों को साफ करने का कार्य सौंपा गया था ताकि सैन्य टुकड़ियों की शीघ्र तैनाती की जा सके।

जब दो दिन तक लगातार बारूदी सुरंगे हटाये जाने के अत्यत जोखिम भरे कार्य से उनकी प्लाटून थक गई थी तो कैप्टन रूपेश प्रधान शत्रु द्वारा बिछाई गई बारूदी सुरंगों को हटाने के लिए स्वेच्छा से आगे आए। अपने थके हुए सैनिको को सुरक्षा प्रदान करने के एकमात्र उद्देश्य से कैप्टन रूपेश प्रधान बारूदी सुरंगे हटाते समय सबसे आगे रहे तथा इस प्रकार अपने को बारूदी सुरंग फटने के खतरे के सामने किए रहे।

कैप्टन रूपेश प्रधान ने बारूदी सुरगों को निष्क्रय करते हुए 125 बारूदी सुरंगो मे से आधे से अधिक का पता लगाकर उन्हे नष्ट कर दिया तथा अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना शत्रु के समक्ष सच्ची नेतृत्व योग्यता का परिचय दिया। जब कैप्टन रूपेश प्रधान बारूदी सुरगों को हटा रहे थे तभी एक सुरंग उनके चेहरे पर फट गई और वे बुरी तरह से जख्मी हो गए।

कैप्टन रूपेश प्रधान ने व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए शत्रु के समक्ष अति उच्च कोटि की वीरता, अनुकरणीय साहस तथा कर्त्तव्य से बढ़कर समर्पण भाव का प्रदर्शन किया।

2. आई सी–39610 मेजर प्रभु नाथ प्रसाद, सेना मेडल, सेना एवियेशन, 32 टोही और निगरानी उडान

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 13 मई 1999)

हेलिकॉप्टर के कैप्टन के रूप मे मेजर प्रभु नाथ प्रसाद 13 मई 99 को द्रास सब–सैक्टर मे घुसपैठियों का पता लगाने के लिए एक हवाई टोही मिशन पर थे कि तभी उन्हें नियंत्रण रेखा के पास से हमारी तरफ आते हुए बर्फ पर बने पैरों के निशान दिखलाई पडे। एक अत्यत साहसिक कदम उठाते हुए उन्होने तोलोलिंग चोटी के पास 14700 फुट की ऊँचाई पर ब्लैक रॉक चोटी की ओर शत्रु द्वारा मशीनगन से की जा रही सघन गोलीबारी के बीच इन पैरों के निशानो का पीछा किया। परिक्रमा लगाते हुए ज्योंही वे नजदीक आए, कि 15–20 घुसपैठियो की नजर उन पर पड गई और जब ये घुसपैठियों से मुश्किल से 300 मीटर की दूरी पर थे तभी घुसपैठियों ने हेलिकॉप्टर पर राकेट से फायर कर दिया।

मेजर प्रभु नाथ प्रसाद ने अतुलनीय जवाबी कार्रवाई करते हुए निर्भीक साहस तथा शौर्य के साथ तुरंत हेलिकॉप्टर को नीचे की तरफ गोता लगवाया तथा उसकी गति को बढ़ाते हुए शत्रु द्वारा दागे गए राकेट के वार को विफल कर दिया और राकेट हेलिकॉप्टर के पिछले भाग से मात्र 10–15 मीटर की दूरी से निकल गया।

असाधारण सूझ–बूझ तथा कुशल उडान कौशल का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने जोखिमपूर्ण ग्राऊण्ड/वायु क्षेत्र से निकलने के लिए वापसी दिशा में हेलिकॉप्टर को एकदम पीछे की ओर घुमाया तथा उडकर वापस आ गए ताकि तोपखाना से गोलाबारी के लिए तुरंत कहा जा सके।

तोलोलिंग चोटी पर स्थित शत्रु के ठिकाने से की जा रही लगातार मशीनगन फायर तथा शत्रु के सशस्त्र प्यूमा हेलिकॉप्टर द्वारा, जो कि हमारे हेलिकॉप्टर पर आकाश में हुए आक्रमण के दौरान घुसकर ऊपर मडरा रहा था, गोलीबारी के बावजूद मेजर प्रभु नाथ प्रसाद ने बोफार्स तोप से 40 चक्र अचूक गोले गिरवाए जिस से रॉकेट हमले के 20–25 मिनट के अंदर ही 7–10 घुसपैठियो को मारते हुए शत्रु ठिकाने को निष्क्रिय/नष्ट कर दिया गया। अत्यधिक नुकसान होने के कारण घुसपैठियो को अगले ही दिन इस स्थान को खाली करना पडा।

इस प्रकार मेजर प्रभु नाथ प्रसाद ने शत्रु के समक्ष अनुकरणीय साहस तथा कर्त्तव्य से बढकर समर्पण भावना का प्रदर्शन किया।

3. 4268525 नायक शत्रुघ्न सिंह, 1 बिहार

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख – 29 मई, 1999)

नायक शत्रुघ्न सिंह 29 मई, 99 को जम्मू और कश्मीर के बटालिक उप सैक्टर मे प्वाइंट 4268 पर कब्जा करने के लिए आक्रमण दल में शामिल थे।

आक्रमण के दौरान नायक शत्रुघ्न सिंह अग्रणी मोर्चे पर थे तथा शत्रु द्वारा सघन गोलीबारी के मध्य उन्होंने लड़ना जारी रखा। अपने जख्मों के कारण जब उनके दो साथी वीरगति को प्राप्त हो गए तो उन्होंने व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना अपने साथियों के पार्थिव शरीरों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया। इस प्रक्रिया में उन्हे दाहिनी टांग में गोली लग गई तथा वे चलने मे असमर्थ हो गए।

अपने अन्य घायल साथियों के सुरक्षित स्थान पर पहुँच जाने के लिए नायक शत्रुघ्न सिंह उन्हें कवरिंग फायर उपलब्ध करवाते रहे। उन्होने अपने जवानो पर निर्बाध रूप से गोलीबारी कर रहे दो भाडे के विदेशी सैनिकों को मार गिराया। नायक शत्रुघ्न ने यह सोचकर कि उनकी चलने में असमर्थता की वजह से उनके साथियों की सुरक्षा को उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुँचाने में खतरा उत्पन्न होगा, अपने साथियों के साथ जाने से इन्कार कर दिया।

शत्रुओ की चौकी की 100 मीटर की परिधि मे नायक शत्रुघ्न सिह 11 दिन तक बिना पानी और भोजन के रहे और जब यह स्पष्ट हो गया कि सम्पर्क साधना अब संभव नहीं रहा तो इस नॉन कमीशन अफसर ने रेंगते हुए एक आड से दूसरी आड़ तथा इसी तरह, आड़ से बचते हुए तीन किलोमीटर से भी ज्यादा दूरी पार की और इस तरह अपने व्यक्तिगत हथियारो, मशीनगन के गोलो–बारूद और एक शत्रु सिपाही से जिसे उन्होने मार गिराया था, प्राप्त कागजात को लेकर सुरक्षित रूप से एक पुख्ता आधार पर पहुँच गए।

नायक शत्रुघ्न सिंह ने शत्रु के समक्ष दुर्लभ साहस, उत्कृष्ट बहादुरी तथा असाधारण प्रेरणा शक्ति का प्रदर्शन किया।

---

4. आई सी–54977 कैप्टन बालेयादा मुथन्ना करियप्पा सेना मैडल 5 पैरा

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख – 21 जून, 1999)

20 जून 1999 की रात को कैप्टन बालेयादा मुथन्ना करियप्पा तथा उनकी टुकडी बटालियन ग्रुप में शामिल थे जिसे प्वाइंट 5203 पर कब्जा करने का कार्य सौंपा गया था जो कि एक ऐसा ठिकाना था जिस पर शत्रु बडी दृढता से टिके हुए थे और उस पर कब्जा करने के लिए पहले कई प्रयास असफल रहे थे।

कैप्टन करियप्पा की टुकडी नौ घंटे तक एकदम खड़ी तथा खतरनाक चढाई चढने के बाद रात तक सफलतापूर्वक उस क्षेत्र में जा घुसी। शत्रु ने इस टुकडी पर स्वचालित हथियारो से सघन गोलीबारी कर दी। कैप्टन करियप्पा ने स्वयं आक्रमण का नेतृत्व किया तथा शत्रु समूह में हथगोले फेके और तुरंत दो शत्रुओं को मार गिराया। शत्रु द्वारा भारी विरोध के बावजूद उनकी असाधारण बहादुरी तथा योग्य नेतृत्व की सहायता से प्वाइंट 5203 पर 21 जून 1999 को पौ फटते ही सफलतापूर्वक कब्जा कर लिया गया। 22–23 जुलाई 99 की रात को फिर कैप्टन करियप्पा को नियंत्रण रेखा पर ऐरिया कोनिकल पर कब्जा करने का कार्य सौंपा गया। एक खतरनाक चढ़ाई के बाद इनकी टुकडी अपने गंतव्य के नजदीक पहुंच गई जिसमे इस अधिकारी की गर्दन पर घाव लग गए। घायल होने के बावजूद यह अधिकारी रेंग कर एक अनुकूल स्थान पर पहुंचे तथा दो शत्रु

कार्मिकों को मार गिराया। जिससे शत्रु ठिकाने को निष्क्रिय कर दिया गया तथा एरिया कोनिकल पर कब्जा करना सरल हो गया। इसके बाद दो प्रति आक्रमणों का सफलतापूर्वक मुहतोड़ जवाब दिया गया।

कैप्टन बालेयादा मुथन्ना करियप्पा ने निरतर बहादुरी के कार्यों, निडर नेतृत्व, अतुलनीय साहस, आगे–आगे रहकर नेतृत्व प्रदान करने के गुण तथा शत्रु का सामना करते हुए कर्त्तव्य से बढकर समर्पण भावना का प्रदर्शन किया।

---

5. 9924742 सिपाही सेवांग मोरूप
लद्दाख स्काऊट्स, काराकोरम विंग

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख – 27 जून, 1999)

जम्मू कश्मीर में 18930 फुट की ऊंचाई वाली प्वांइट 5770 पर कब्जा किए बैठा शत्रु वहा से हमारे सैन्य बलों पर निगरानी तथा छोटे हथियारों से गोलीबारी करके लगातार हमारी सैन्य टुकडियों को परेशानी में डाले हुए था।

सिपाही सेवाग मोरूप एक अधिकारी के नेतृत्व में इस चोटी पर जाने के लिए रास्ता खोलने के लिए स्वेच्छा से आगे आए। रास्ता खोलने के लिए 1800 फुट की दरारदार तथा एकदम सीधी चढाई पार करने के अतिरिक्त लगभग 125 डिग्री के ढाल पर आगे को उभरे हुए 50 मीटर के चट्टानी हिस्से को भी पार करना था। लम्बवत् चट्टान, बर्फ से बने कगारों, लटकते बर्फ के ढालों तथा हिमस्खलन संभावित क्षेत्रों पर सामने से चढ़ने के लिए तथा चोटी की तरफ चढाई करने के लिए रस्से को लगाने मे ही तीन दिन से अधिक का समय लगा था और रस्सा लगाने का अतिम चरण 27 जून को 1400 बजे तक पूर्ण हो पाया।

शत्रु के तोपखाने तथा छोटे हथियारों द्वारा की गई विनाशक गोलीबारी से बिना घबराए तथा अपने जीवन को जोखिम में डालकर धावा दल के साथ सिपाही सेवाग मोरूप ने अपने कमर मे लटके शस्त्र से फायर करके तथा हथगोले फेंकते हुए तीव्रगति तथा अच्छी तरह किए गए अभ्यासो का सदुपयोग करते हुए सगरों का सफाया कर दिया। इस धावा दल के साहसिक कार्य तथा निडर आक्रमण से शत्रु पूर्णतया भौचक्के रह गए तथा इधर–उधर भागने लगे। सिपाही सेवाग मोरुप ने अपने हथियार से घातक गोलीबारी कर दो शत्रु कार्मिकों को उडा दिया। तथापि अग्रणी दो संगरो से चार शत्रु कार्मिक अपने स्वचालित हथियारो के साथ धावा दल से जूझते रहे।

व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह किए बिना सिपाही सेवांग मोरुप अपनी टीम के दो सदस्यो के साथ शत्रु पर टूट पड़े तथा गुत्थमगुत्था की लड़ाई मे शत्रु के आक्रमण को शांत कर दिया। दोपहर बाद 4 बजे धावा दल के सदस्यों ने सामरिक महत्व की इस चौकी को अपने कब्जे मे ले लिया। चार मृत शरीरो के साथ हथियार और गोलाबारूद भी बरामद किया गया।

सिपाही सेवाग मोरुप ने व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह न करते हुए बहादुरी, प्रेरणादायक अनुकरणीय वीरता, उत्कृष्ट कार्य, अडिग समर्पण तथा मानसिक दृढता का प्रदर्शन किया।

6. 9085536 हवलदार सतीश चन्दर
12 जम्मू और कश्मीर लाईट इन्फैंट्री

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 30 जून, 1999)

30 जून/01 जुलाई 99 की रात को बटालिक सैक्टर में सामरिक दृष्टि से अत्यत महत्त्वपूर्ण चोटी प्वाइंट 4812 पर कब्जा करने का कार्य 12 जम्मू और कश्मीर लाईट इन्फैंट्री की चार्ली कंपनी को सौपा गया।

हवलदार सतीश चन्दर एक दस्ते के अग्रणी सैक्शन कमाण्डर थे। यह दस्ता शत्रु के पीछे से अचानक इस चोटी पर पहुँचा। हवलदार सतीश चन्दर के नेतृत्व में यह सैक्शन आगे बढा तथा चोटी पर अपना आधार स्थापित कर लिया। सचेत हुए शत्रु ने छोटे हथियारो से तथा तोपखाने से इस दस्ते पर भारी गोलीबारी कर दी।

बिना भयभीत हुए हवलदार सतीश चन्दर शत्रु के नजदीक बढे और उनके संगर पर हथगोले फेंके तथा दो शत्रु सैनिकों को मार गिराया। उनकी टाग मे स्पलिंटर के [illegible] लग गए। उन्होंने वहा से हटाये जाने से मना कर दिया तथा सैक्शन की रण नीतियों के अनुकूल शानदार प्रदर्शन करते हुए व्यक्तिगत रूप से एक संगर से दूसरे संगर तक अपने जवानों का नेतृत्व किया तथा शत्रु के कडे विरोध का सफाया कर दिया। इसके परिणामस्वरूप शत्रु के चार और सैनिक मारे गए तथा अन्य भागने पर मजबूर हो गए। जिससे प्वाइंट 4812 पर कब्जा हो गया।

हवलदार सतीश चन्दर ने शत्रु के समक्ष अत्यत असाधारण कोटि के अनुकरणीय नेतृत्व, दृढ निश्चय तथा साहस का प्रदर्शन किया।

---

7 5045510 नायक बृजमोहन सिंह, 9 पैराशूट (एस एफ)
(मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 30 जून, 1999)

नायक बृजमोहन सिंह एक दल के स्क्वाड [illegible] 30 जून – 01 जुलाई 99 की रात को कारगिल (जम्मू और कश्मीर) के मश्कोह सब–सैक्टर में एक लक्ष्य पर कब्जा करने का कार्य सौंपा गया था।

30 सदस्यीय इस दल को 5250 मीटर ऊँचे लक्ष्य पर कब्जा करने तथा शत्रु के मुख्य संभारिकी आधार की ओर बढने का कार्य सौंपा गया था। उत्कृष्ट पर्वतारोहण [illegible] युद्धकला कौशल का प्रयोग करते हुए नायक बृजमोहन सिंह ने लगभग लंबवत् सैण्ड्स टॉप पर चढना आरंभ किया। 01 जुलाई 1999 को प्रात: 05 30 बजे इस स्क्वाड ने सैण्ड्स टॉप के नजदीक अपना आधार स्थापित कर लिया। परन्तु बाद मे आने वाले सैनिक दल शत्रु द्वारा निरंतर तथा कारगर गोलीबारी के कारण खतरे में आ गये।

स्थिति की गंभीरता को भापते हुए नायक बृजमोहन सिह ने अपने साथियो को बचाने के लिए एक

आत्मघाती मिशन के तहत अपने दस्ते का नेतृत्व करते हुए सैण्ड्रा टॉप की बर्फ से ढकी खड़ी चट्टानों पर धावा बोल दिया। शत्रु द्वारा स्वचालित हथियारों से सघन गोलीबारी की बौछारों के बीच नायक बृजमोहन सिंह ने व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना स्वयं आगे–आगे रहकर दल का नेतृत्व किया तथा चोटी पर स्थित शत्रु ठिकाने पर आक्रमण कर दिया। नायक बृजमोहन सिंह के भीषण आक्रमण से शत्रु भौंचक्का रह गया परन्तु नायक सिह को भी गंभीर घाव लग गए।

अपने घावों की परवाह किए बिना नायक बृजमोहन सिंह एक बार फिर शत्रु सैनिकों पर टूट पड़े तथा दो को आमने सामने की भिडंत में अपने कमांडो चाकू से मौत के घाट उतार दिया। इस सम्पूर्ण कार्रवाई के फलस्वरूप पांच शत्रु कार्मिकों को मार गिराया गया तथा अपने साथियों का जीवन भी बचा लिया गया। वे अपने घावों के कारण वीरगति को प्राप्त हुए।

नायक बृजमोहन सिह ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना विलक्षण नेतृत्व, उत्कृष्ट वीरता तथा अगाध शारीरिक साहस का प्रदर्शन करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया।

---

8. 9415981 हवलदार भीम बहादुर देवान
1/11 गोरखा राइफल्स
(मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 3 जुलाई, 1999)

हवलदार भीम बहादुर देवान उस सेक्शन के अग्रणी सैक्शन कमाण्डर थे जिसे 03, जुलाई, 1999 को जम्मू–कश्मीर में खालुबर साऊथ पर कब्जा करने का कार्य सौंपा गया था।

सात घंटो की लम्बी तथा थका देने वाली चढाई चढ़कर यह दस्ता अपने गंतव्य स्थल पर पहुंचा तो आसपास की चोटियों तथा एरिया सगरो से उन पर गोलीबारी होने लगी। शत्रु के ठिकाने पर कुल छह संगर थे। हवलदार भीम बहादुर देवान के सैक्सन को दायीं ओर के दो संगरों पर आक्रमण करने का कार्य सौंपा गया। हवलदार भीम बहादुर देवान ने गोलियों तथा हथगोलों से पहले संगर पर आक्रमण कर दिया तथा अंदर बैठे दो शत्रु कार्मिको को मार गिराया। इसके बाद उन्होंने दूसरे सगर पर आक्रमण का नेतृत्व किया और दोनो ओर से हुई एक घंटे से अधिक गोलीबारी के बाद दो शत्रुओं को मार कर अंततः संगर पर कब्जा कर लिया।

दूसरे संगर का सफाया करते हुए हवलदार भीम बहादुर देवान घायल हो गए किन्तु अपने गंभीर घाव की चिंता किए बगैर अपने सैक्शन को आदेश दे कर संगर का सफाया करने के लिए प्रोत्साहित करते रहे। अंततः वे अपने घावों के कारण युद्धस्थल में वीरगति को प्राप्त हो गए।

इस कार्रवाई के दौरान शत्रुओं के ग्यारह आदमी मारे गए और वे अपने पीछे काफी संख्या में हथियार तथा गोलाबारूद छोड़ गए।

घातक रूप से घायल हो जाने के बावजूद हवलदार भीम बहादुर देवान ने शत्रु के समक्ष उच्चतम कोटि के साहस और वीरता का प्रदर्शन किया और सर्वोच्च बलिदान दिया।

---

9. 9418968 लॉंस नायक ज्ञानेन्द्र कुमार राई 1/11 गोरखा राइफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 3 जुलाई, 1999)

लॉंस नायक ज्ञानेन्द्र कुमार राई 03 जुलाई 99 को जम्मू–कश्मीर में खालुबार टॉप की ओर बढ रहे कमान अफसर के दल में शामिल थे।

खालुबार टॉप पर स्थित संगरों से आर पी जी फायर तथा मशीन गन से की जा रही सघन व कारगर गोलीबारी के बीच यह टुकड़ी आगे बढी। कमान अफसर के दल ने शत्रु की रक्षा पंक्तियों के बीच एक छोटा–सा आधार बना लिया। कमान अफसर ने तीन अन्य रैंकों के साथ नायक ज्ञानेन्द्र कुमार राई को एक ओर से आगे बढने और शत्रु के संगरों पर गोलीबारी करने का निर्देश दिया। शत्रु के अत्यंत समीप होने तथा उसके द्वारा की जा रही सघन गोलीबारी से सर्वथा अविचलित नायक ज्ञानेन्द्र कुमार राई ने संगर की ओर बढते हुए शत्रु पर आक्रमण कर दिया और एक शत्रु को मार गिराया। फिर उन्होने संगर मे दो हथगोले फेंके जिससे दो शत्रु मारे गए। जब वे ग्रेनेड फेंक रहे थे तो शत्रुओं ने उन्हें दबोच लिया और पकड लिया। उन्हे यातनाएं दी गईं तथा गर्दन मे गोली मारी गई और उनका बाईं भुजा तोड दी गई। फिर भी उन्होने अपनी आक्रामकता नहीं छोडी और वहा से निकल भागने के लिए मौके की तलाश करने लगे। कमान अफसर की टुकड़ी द्वारा सगर पर आक्रमण के दौरान लॉंस नायक ज्ञानेन्द्र कुमार राई ने मौके का फायदा उठाया और बच निकलने में कामयाब हो गये तथा कमान अफसर के दस्ते में जा मिले।

लॉंस नायक ज्ञानेन्द्र कुमार राई ने गंभीर रूप से जख्मी होने के बावजूद अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना शत्रु के समक्ष अत्यंत उच्चकोटि के उत्कृष्ट साहस तथा आक्रामकता का प्रदर्शन किया।

---

10. जे सी–208096 सूबेदार निर्मल सिंह, 8 सिख (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 05 जुलाई, 1999)

05 जुलाई 1999 को आपरेशन विजय के दौरान सूबेदार निर्मल सिंह टास सैक्टर में एक सदेशित ठिकाने पर आधार स्थापित करने के लिए एक छोटे दल का नेतृत्व कर रहे थे। आक्रमण के दौरान सूबेदार निर्मल सिंह ने शत्रुओं की हलचल देखी। परन्तु इससे पहले कि शत्रु प्रतिक्रियात्मक कार्रवाई करता उन्होंने अपने स्वचालित हथियारों से शत्रु पर गोलीबारी का आदेश दे दिया तथा काफी संख्या में शत्रुओं को हताहत कर दिया। शत्रु पीछे हटने पर मजबूर हो गए। सूबेदार निर्मल सिंह तुरंत ठिकाने की ओर बढे तथा उस पर कब्जा कर लिया। कम्पनी के शेष सैनिक अगले दिन वहां पहुंचे तथा रक्षा पंक्ति को पुनर्गठित किया गया। सूबेदार

निर्मल सिंह ने अपनी प्लाटून को एक अग्रणी ढाल पर तैनात कर दिया। सुबह छह बजे शत्रु ने गोलीबारी शुरू कर दी तथा साथ ही 15–16 घुसपैठियों ने सूबेदार निर्मल सिंह के आदमियों पर प्रत्याक्रमण कर दिया। आमने–सामने की भारी लड़ाई हुई।

सूबेदार निर्मल सिह तथा उनके आदमी गंभीर रूप से घायल हो जाने के बावजूद अत्यंत बहादुरी और साहस के साथ शत्रु से लड़ते रहे और आखिरी आदमी आखिरी गोली तक लड़ता रहा। अपने घावों के कारण वीरगति को प्राप्त हो जाने तक उन्होंने शत्रु को अपने कब्जे वाले ठिकाने से दूर रखा।

इस कार्रवाई के दौरान सूबेदार निर्मल सिंह ने शत्रु से आमने–सामने की नजदीक लड़ाई मे अकेले ही लोहा लिया, अपनी सैन्य टुकड़ियों को प्रेरणा देते रहे और शत्रु के प्रत्याक्रमण का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए किए गए आक्रमण का नेतृत्व करते हुए भारतीय सेना की उच्च परम्पराओं के अनुरूप सर्वोच्च बलिदान दिया।

---

11. जे सी–226210 नायब सूबेदार ताशी सैपल इन्डस विंग, लद्दाख स्काऊट

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 05 जुलाई, 1999)

5/6 जुलाई, 99 को नायब सूबेदार ताशी सैपल ने बटालिक सैक्टर के डॉग हिल पर आक्रमण के दौरान शत्रु की सघन गोलीबारी के मध्य एक खड़ी चट्टान पर सैन्य टुकड़ी का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया तथा भरी दोपहर मे भी आमने–सामने की लड़ाई मे दो शत्रुओं को मारकर शत्रु ठिकाने को साफ कर दिया और काफी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद किए।

शत्रु की गोलीबारी से आहत हो जाने के बावजूद नायब सूबेदार ताशी सैपल शत्रु से तब तक जूझते रहे जब तक कि शत्रु अपने मृत साथियो, हथियारों, अन्य सामान और गोला बारूद को छोड़कर भाग नहीं गए। नेतृत्व का उत्कृष्ट उदाहरण पेश करते हुए उन्होंने घटना स्थल से हटने से इन्कार कर दिया और शत्रुओं को आक्रमण की प्रगति में दखल देने से रोके रखा। उनकी कार्रवाई से शत्रुओं द्वारा आक्रमण का विरोध नाकाम रहा तथा हमारी सैन्य टुकड़ियों को इस ठिकाने पर कब्जा करने के मिशन में सहायता मिली।

नायब सूबेदार ताशी सैपल ने शत्रु का सामना करने में नेतृत्व क्षमता एवं उत्कृष्ट वीरता का कर्त्तव्य से बढ़कर प्रदर्शन किया।

---

12. आई सी – 40798 मेजर के पी आर हरी, 1 बिहार

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 06 जुलाई, 1999)

06 जुलाई 1999 को मेजर के पी आर हरी ने जम्मू कश्मीर में जबार चोटी पर जो कि बटालिक सैक्टर में 16800 फुट की ऊँचाई पर शत्रु द्वारा काबिज एक मजबूत ठिकाना था, आक्रमण किया।

छोटे क्षेत्र में सघन फायर तथा शत्रु द्वारा तोपखाने की भारी गोलाबारी के मध्य मेजर के पी आर हरी ने शत्रु पर दो तरफा आक्रमण कर दिया। शत्रु के फायर से बचते हुए वे खड़ी चट्टानों पर स्थित शिलाखण्डों के बीच से रेंगकर जबार चोटी की ओर बढ़े। वे शत्रु संगर से 50 मीटर की दूरी पर पहुँचे और निरंतर फायर करते तथा गोले फेंकते अपने छह साथियों सहित वे फुर्ती व साहस के साथ शत्रु के नजदीक बढ़ने लगे।

व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना मेजर के पी आर हरी ने शत्रु का हैवी मशीनगन संगर नष्ट कर दिया तथा उन दो शत्रु कार्मिकों को मार गिराया जो हमारी आगे की ओर बढ़ती सैन्य टुकड़ी पर गोलीबारी कर रहे थे। परन्तु पकड़े जाने के भावी खतरे को भांप कर शत्रु बड़ी मात्रा में हथियार, गोलाबारूद तथा अन्य उपस्कर छोड़ कर भाग गए तथा बिना किसी के हताहत हुए सुबह 05 बजे इस चौकी पर कब्जा कर लिया गया। एक अन्य अधिकारी के साथ मेजर के पी आर हरी ने आक्रमण जारी रखा तथा जबार पहाड़ी की मुख्य चौकी को सायं 6 बजे तक अपने कब्जे में ले लिया।

मेजर के पी आर हरी ने शत्रु के अत्यधिक खतरे के समक्ष अनुकरणीय पहल शक्ति, निर्भीक कार्रवाई, अदम्य साहस, दृढ़ निश्चय तथा असाधारण नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन किया।

---

13. आई सी–56633 कैप्टन शशि भूषण घिल्डियाल आर्टिलरी, 318 फील्ड रेजिमेंट

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 07 जुलाई, 1999)

कैप्टन शशि भूषण घिल्डियाल 07 जुलाई, 1999 को 17 जाट की सी कंपनी के साथ जम्मू-कश्मीर में पिंपल 1 पर आक्रमण के दौरान आर्टिलरी ऑब्जरवेशन पोस्ट अफसर की ड्यूटी कर रहे थे। अपने गन्तव्य की संपन्न परिस्थिति के दौरान इस आक्रमक कम्पनी के कम्पनी कमाण्डर बुरी तरह से घायल हो गए और उन्हें पीछे छोड़ना पड़ा। जब यह सैन्य टुकड़ी अपने गंतव्य से केवल 400 मीटर की दूरी पर थी तो शत्रु द्वारा छोटे हथियारों से अचूक व कारगर गोलीबारी के कारण कम्पनी के उपकमाण्डर भी मारे गए।

इस नाजुक स्थिति में कैप्टन शशि भूषण घिल्डियाल ने स्वेच्छा से कम्पनी की कमान अपने हाथ में ले ली तथा सैनिकों को निर्देश देने लगे। उन्होंने मोर्चे पर आगे-आगे रहकर अपने आदमियों का नेतृत्व किया तथा इस दौरान उनको बंदूक द्वारा गोली के घाव लग गए। अपने घावों के बावजूद शत्रुओं पर तोपखाने तथा मोर्टार से कारगर फायर करवाकर उद्देश्य की ओर बढ़ते अपने आदमियों का नेतृत्व किया तथा शत्रुओं की प्रत्याक्रमण की योजना को विफल कर दिया।

कैप्टन शशि भूषण घिल्डियाल ने शत्रु के समक्ष नेतृत्व क्षमता, बहादुरी तथा अदम्य साहस का प्रदर्शन किया।

---

14. आई सी–57502 लेफ्टिनेंट दीपांकर कपूर सिंह शेरावत
2 नागा

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 08 जुलाई, 1999)

08 जुलाई 1999 को लेफ्टिनेंट दीपांकर कपूर सिंह शेरावत की कमानाधीन ए कम्पनी को ट्विन बम्प के पश्चिम में एक मोर्टार ठिकाने पर, जो हमारी सैन्य टुकड़ियों पर कहर ढा रहा था, पर धावा बोलने का कार्य सौंपा गया।

लेफ्टिनेंट शेरावत अपने सेवा अनुभव से भी आगे जाकर चुपचाप रणनीतिक कुशाग्रता का उपयोग करते हुए अपनी कंपनी के साथ मोर्टार ठिकाने की ओर बढ़े। निर्भीक साहस का प्रदर्शन करते हुए तथा स्वयं के जीवन की परवाह न करते हुए उन्होंने मोर्टार ठिकाने पर आक्रमण कर दिया तथा आमने–सामने की लड़ाई में एक शत्रु सैनिक को स्वयं मार गिराया। उनकी धैर्यपूर्ण तथा अति साहसिक कार्रवाई के फलस्वरूप तीन 120 एम एम मोर्टार, दो 81 एम एम मोर्टार तथा तीन जी–3 राइफलों के अतिरिक्त कई महत्वपूर्ण कागजात तथा उपस्कर भी बरामद हुए। इस आक्रमण ने मश्कोह घाटी में शत्रु की घुसपैठ की कमर तोड़ दी और उन्हें मश्कोह घाटी से चले जाने पर मजबूर कर दिया।

इस अधिकारी की वीरता, नेतृत्व प्रदान करने के गुण तथा दर्शाये गये व्यक्तिगत उदाहरण से प्रेरणा लेकर एवं उत्साहित होकर उनके सैनिकों ने तीन अन्य शत्रु कार्मिकों को मार डाला तथा बिना किसी प्रकार का नुकसान उठाए मोर्टार ठिकाने को अपने कब्जे में ले लिया जिससे शत्रुओं को भारी धक्का लगा।

लेफ्टिनेंट दीपांकर कपूर सिंह शेरावत ने शत्रु के समक्ष अपना सर्वस्व दाव पर लगाकर निरंतर अडिग साहस, अनुकरणीय पेशेवर सक्षमता तथा कर्त्तव्य से बढकर निःस्वार्थ सेवाभाव का प्रदर्शन किया।

---

15. आई सी – 47707 मेजर गौतम शशीकुमार खोट
सेना एवियेशन
23 टोही तथा निगरानी बेड़ा

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 09 जुलाई, 1999)

मेजर गौतम शशीकुमार खोट ने 05 जुलाई 99 को "आपरेशन विजय" एरिया के लिए प्रस्थान किया। थोड़े से समय में ही मेजर गौतम शशीकुमार खोट ने लगभग 70 घंटों की उडान भरी जिसमें उन्होंने हेलिकॉप्टर को खराब मौसम में विकट ऊंची चोटियों वाले क्षेत्रों में उड़ाया, बिना हेलिपेड वाले स्थानों पर उतारा तथा अपने अनेक साथी सैनिकों की जाने बचाईं। शत्रु द्वारा सघन गोलीबारी के बीच शत्रु के आमने–सामने लड़ रही हमारी सैनिक टुकड़ियों को उन्होंने सफलतापूर्वक गोलाबारूद तथा अन्य आवश्यक समान की आपूर्ति की। इस प्रकार उन्होंने अपनी सैन्य टुकडियों का मनोबल ऊँचा किया तथा शत्रु को और जोरदार ढंग से करारा जवाब देने में सहायता प्रदान की।

19 जून 1999 को शत्रु द्वारा नजदीकी क्षेत्रों से तोपों से की जा रही भारी गोलाबारी तथा हथियारों से सीधी गोलीबारी के बीच 14500 ए एम एस एल की ऊँचाई पर 2X2 मीटर आकर के कामचलाऊ हैलिपेड पर तोलोलिंग चोटी पर इन्होंने अन्य अधिकारी के साथ आवश्यक सामान उतारा तथा छह हताहतों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया।

05 जुलाई 1999 को वे स्वेच्छा से हेलिकॉप्टर उड़ाने के लिए आगे आए तथा उन्हे बकरवाल क्षेत्र में हवाई अनुरक्षण का कार्य सौंपा गया। उन्होने दो हवाई अनुरक्षण उड़ाने भरी तथा मश्कोह घाटी से, जिस पर शत्रु भारी गोलाबारी कर रहे थे, चार कार्मिकों को निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया।

09 जुलाई 1999 को उन्होंने नौ हवाई अनुरक्षण उड़ानें भरीं। इस दौरान उन्होंने शत्रु की नजरों के सामने तथा घनघोर तोपखाना गोलाबारी के मध्य पैरा ब्रिगेड को मश्कोह घाटी मे सैन्य कार्रवाइयों को जारी रखने के लिए अति आवश्यक गोलाबारूद उपलब्ध करवाया। इस अधिकारी ने इस खतरनाक मिशन को पूरा करने मे पेशेवर कौशल तथा नितान्त बहादुरी का परिचय दिया। उन्होने मश्कोह में हो रही भारी गोलीबारी के बीच दो हताहतों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया तथा दो अन्य लोगों को बचाया।

इन अभियानो को पूरा करने के लिए इस अधिकारी ने विषम मौसम की परवाह नहीं की और अपने साथियो के जीवन बचाने के लिए अपने जीवन की भी परवाह नहीं की।

मेजर गौतम शशीकुमार खोट ने शत्रु की भारी गोलीबारी के समक्ष इस खतरनाक कार्य को पूरा करने मे वीरता और शौर्य का प्रदर्शन किया।

---

16. आई सी—57455 लेफ्टिनेंट प्रवीण कुमार
14 सिख रेजिमेंट

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख . 22 जुलाई, 1999)

लेफ्टिनेंट प्रवीण कुमार को घातक प्लाटून के साथ आपरेशन विजय के दौरान 15 जुलाई 1999 को चोरबाटला सैक्टर में स्थित प्वाइंट 5310 को कब्जे मे लेने का आदेश दिया गया।

लेफ्टिनेंट प्रवीण कुमार ने अपनी घातक प्लाटून को तीन टुकड़ियो में बाटा तथा उन्हें नकली चोटियों पर कई बार युद्धाभ्यास करवाया तथा घातक प्लाटून को बर्फीले क्षेत्र पर कार्रवाइयाँ करने की तकनीकियों का प्रशिक्षण दिया।

20 जुलाई 1999 को उन्होंने अन्य दो साथियों के साथ इन बर्फीली चोटियों की व्यापक टोह ली तथा अचानक आक्रमण करने के लिए तीन विभिन्न रास्तों को चयन किया।

22 जुलाई 1999 को अतिम अभ्यासो के बाद 2100 बजे घातकों ने प्वाइंट 5310 की ओर बढना शुरू किया। लेफ्टिनेंट प्रवीण कुमार के नेतृत्व मे पहले दल ने लगभग 300 मीटर ऊँची बर्फ की दीवार को पार किया और एक बर्फानी खड्ड तथा काफी संख्या में दरारों को पार करते हुए प्वाइंट 5310 के आधार तक पहुंच गए।

अपने लक्ष्य पर पहुँचने के बाद उन्होंने घातक प्लाटून के लिए आधार सुनिश्चित किया। इसके बाद योजनानुसार तीनों घातक दलों ने तीन चुनिंदा दिशाओं से चुपचाप आक्रमण कर दिया। लेफ्टिनेट प्रवीण कुमार के नेतृत्व वाला दल 250 मीटर लम्बा रस्सा डालने के बाद खडी चट्टान पर चढ गया तथा चोटी पर पहुँच कर शत्रु को पूरी तरह चौंका दिया।

इसके बाद लेफ्टिनेंट प्रवीण कुमार ने अपनी रक्षा पंक्ति को गठित किया, स्वचालित हथियार लगवाए और प्वाइंट 5310 को एक अत्यंत रक्षात्मक ठिकाने में संगठित कर लिया। इसके बाद उन्होंने शत्रु के चार सगरों और छोटे से ईंधन तथा बारूद भण्डार को ध्वस्त कर दिया तथा तुरतुक सैक्टर के सामने अपने रसद मार्ग के आस पास छोटे हथियारों तथा तोपखाने व मोर्टारों से फायर का आदेश देकर शत्रु के 15 आदमियों को मार गिराया।

लेफ्टिनेट प्रवीण कुमार ने पेशेवर सक्षमता, अतुलनीय तथा अभिनव युक्ति का प्रदर्शन किया जिसकी वजह से बिना किसी के हताहत हुए लक्ष्य को प्राप्त कर लिया गया।

---

17. 13618411 नायक कौशल यादव, 9 पैराशूट (एस एफ) (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 25 जुलाई, 1999)

आपरेशन विजय के दौरान नायक कौशल यादव 25 जुलाई 1999 को एक दल के स्क्वाड कमांडर थे जिसे जुलु टोप पर कब्जा करने का कार्य सौंपा गया था।

यह ठिकाना 5100 मीटर की ऊँचाई पर था जिस पर चढने के लिए हमारी तरफ से कोई रास्ता नहीं था। बिल्कुल लम्बवत् ढलान के कारण खडी चढ़ाई चढ़ना बहुत मुश्किल था जिसे –15 डिग्री तापमान तथा शत्रु द्वारा लगाई गई व्यापक बारूदी सुरंगों ने और भी अधिक जटिल बना दिया। इन प्रतिकूल परिस्थितियों के चलते नायक कौशल यादव के स्क्वाड को जुलु टॉप के पश्चिम की ओर से चढकर वहां अपना आधार बनाने का कार्य सौंपा गया। अपने असाधारण पर्वतारोहण कौशल का प्रयोग करते हुए उन्होंने अपने दस्ते का नेतृत्व किया तथा अपने साथियों के आगे बढ़ने हेतु रास्ता सुगम बना दिया।

सुबह 5 बजे के आस–पास नायक कौशल यादव का दस्ता जुलु टॉप काम्पलेक्स पर था तभी जुलु टॉप काम्पलेक्स के उत्तरी हिस्से में आगे की ओर उभरे एक चट्टानी हिस्से से शत्रु ने स्वचालित हथियारों द्वारा उनके इस दस्ते पर भारी गोलीबारी कर दी। नायक कौशल यादव ने यह भांपते हुए कि शत्रु उनको यहां से हटाना चाहता है, सुरक्षित ठिकाने पर जमे बैठे शत्रु पर धावा बोलने के लिए आगे–आगे रहकर अपने दस्ते का नेतृत्व किया।

शत्रु के गोलीबारी के ठिकाने पर पहुंचने पर वे अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना, शत्रु के संगर में हथगोले फेंकते हुए और हिप पोजीशन से गोली चलाते हुए शत्रु पर झपटे। इस भीषण आक्रमण से शत्रु स्तब्ध

रह गए तथा दोनों ओर से नजदीक की भीषण गोलीबारी के मध्य नायक कौशल यादव ने स्वयं पांच शत्रु सैनिकों को धराशायी कर दिया। इसी लड़ाई में वे भी गंभीर रूप से घायल हो गए और अंततः वीरगति को प्राप्त हुए, परन्तु इनके द्वारा वीरतापूर्ण कार्य से जुलु टॉप पर कब्जा सुनिश्चित हो गया।

नायक कौशल यादव ने उच्चतम कोटि के साहस, वीरता और बहादुरी का प्रदर्शन किया और सर्वोच्च बलिदान दिया।

बरुण मित्रा
(बरुण मित्रा)
राष्ट्रपति का उप सचिव

सं 064-प्रेज/2000 राष्ट्रपति लेफ्टिनेंट जनरल हरि मोहन खन्ना (आई सी–12315) प वि से मे, अ वि से मे, इंफैंट्री को 'आपरेशन विजय' के दौरान अति असाधारण कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए **"सर्वोत्तम युद्ध सेवा मेडल"** प्रदान किए जाने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :

बरुण मित्रा
(बरुण मित्रा)
राष्ट्रपति का उप सचिव

सं 065-प्रेज/2000 राष्ट्रपति लेफ्टिनेंट जनरल निर्मल चंद्र विज (आई सी–13710) प वि से मे, अ वि से मे, इंफैंट्री को 'आपरेशन विजय' के दौरान असाधारण कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए **"उत्तम युद्ध सेवा मेडल"** प्रदान किए जाने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :

बरुण मित्रा
(बरुण मित्रा)
राष्ट्रपति का उप सचिव

सं066-प्रेज /2000—राष्ट्रपति निम्न सैन्य कार्मिकों को 'आपरेशन विजय' के दौरान विशिष्ट सेवा के लिए **"युद्ध सेवा मेडल"** प्रदान किए जाने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :

1. ब्रिगेडियर अमरजीत सिंह शेखों (आई सी–24208), इंफैन्ट्री
2. कर्नल सुधीर भटनागर (आई सी–25229), सिग्नल्स
3. कर्नल चब्बेथाल अमरजीत सिंह (आई सी–30462), कवचित
4. कर्नल कौशल ठाकुर (आई सी–34190), 18 ग्रेनेडियर्स
5. कर्नल सुब्रमण्यम एन ए (आई सी–34644), आर्टिलरी 315 फील्ड रेजिमेंट
6. कर्नल संजय सरण (आई सी–35521), आर्टिलरी, 15 फील्ड रेजिमेंट
7. कर्नल ओमप्रकाश यादव (आई सी–37233), 1 बिहार
8. कर्नल दिनेश कुमार बडोला (आई सी–38288), 2 गोरखा
9. लेफ्टिनेंट कर्नल अक्षय मेहरोत्रा (आई सी–39908), आर्मी एविएशन, 19 आर एंड ओ फ्लाइट
10. लेफ्टिनेंट कर्नल दिनेश पी नायकावडे (आई सी–39918), जम्मू एवं कश्मीर राइफल्स
11. लेफ्टिनेंट कर्नल अमरजीत सिंह चन्दोक (आई सी–40032), जम्मू एवं कश्मीर राइफल्स
12. मेजर शरत् चन्द्र दास (एम आर–05385), वि. से मे. सेना चिकित्सा कोर
13. मेजर अरूप रत्न बासु (एम आर–06078), सेना चिकित्सा कोर, 319 फील्ड एम्बुलेंस

वरुण मिश्रा
(वरुण मिश्रा)
राष्ट्रपति का उप सचिव

सं067-प्रेज/2000—राष्ट्रपति निम्न सैन्य कार्मिकों को 'आपरेशन विजय' के दौरान असाधारण साहसपूर्ण कार्यों के लिए **"सेना मेडल"** प्रदान किए जाने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :

1. ब्रिगेडियर चन्द्र मोहन नायर (आई सी–23970), आर्टिलरी, 3 आर्टी, ब्रिगेड
2. कर्नल सुरेन्द्र पाल सिंह (आई सी–30519), आर्मी एविएशन, 666 आर एण्ड ओ स्क्वाड्रन
3. कर्नल रवीन्द्र कुमार संभरवाल (आई सी–34656), आर्टिलरी, 631 लाइट रेजिमेंट
4. कर्नल अरुण कुमार मिश्र (आई सी–31716), आर्टिलरी, 168 मीडियम रेजिमेंट
5. कर्नल दयानंद यादव (आई सी–33810), आर्टीलरी, 4 फील्ड रेजिमेंट
6. लेफ्टिनेंट कर्नल वीरेन्द्र सिंह भालोठिया (आई सी–37581), 12 जम्मू एवं कश्मीर लाइट इंफैन्ट्री
7. मेजर योगेन्द्र मुखिया (आई सी–40080), आर्मी एविएशन, 3 आर एण्ड ओ फ्लाइट
8. मेजर चन्द्र भूषण द्विवेदी (आई सी–40486), आर्टिलरी 318 फील्ड रेजिमेंट (मरणोपरांत)
9. मेजर धीरेन्द्र फौजदार (आई सी–41143), आर्टिलरी, 244 हैवी मोर्टार रेजिमेंट
10. मेजर संजीव दत्त (आई सी–43376), 12 जम्मू एवं कश्मीर लाइट इंफैन्ट्री
11. मेजर ओम प्रकाश यादव (आई सी–44862), 803 ई एम ई बटालियन
12. मेजर अनिल जोशी (आई सी–46210), जम्मू एवं कश्मीर राइफल्स, के डब्ल्यु लद्दाख स्काउट्स

13. मेजर गुरप्रीत सिंह (आई सी–48957), आर्टिलरी, 15 फील्ड रेजिमेंट
14. मेजर राहुल ओहरी (आई सी–51962), आर्टिलरी, 15 फील्ड रेजिमेंट
15. मेजर नितिन बसंत पुन्डे (आई सी–52516), आर्टिलरी, 139 मीडियम रेजिमेंट
16. कैप्टन टी राजागोपाल (आई सी 49271), आर्मी एवियेशन, 32 आर एण्ड ओ फ्लाइट
17. कैप्टन सलीम बदीउज्जमां शेख (आई सी 49627), आर्मी एवियेशन, 7 आर एण्ड ओ फ्लाइट
18. कैप्टन सतेन्द्र सिंह (आई सी–50032), आर्मी एवियेशन, 663 आर एण्ड ओ स्क्वाड्रन
19. कैप्टन रोहित राजपाल (आई सी–50880), आर्मी एवियेशन, 33 आर एण्ड ओ फ्लाइट
20. कैप्टन राकेश तिवारी (आई सी–53200), आर्टिलरी, 15 फील्ड रेजिमेंट
21. कैप्टन एम ए राजमन्नार (आई सी–53766), आर्टिलरी, 301 लाइट रेजिमेंट
22. कप्टन राजेश भनोट (आई सी–54552), 17 गढ़वाल राइफल्स
23. कैप्टन नरेश कुमार बिश्नोई (आई सी–54838), कवचित, के डब्ल्यु लद्दाख स्काऊट्स
24. कैप्टन अनिरुद्ध चौहान (आई सी–57148), 11 राजपूताना राइफल्स
26. कैप्टन अमित औल (एस एस 37087), 3/3 गोरखा राइफल
26. कैप्टन हरकमल अटवाल (एस एस 37246), 13 कुमाऊँ
27. कैप्टन विजय कुमार (एम एस 13250), सेना चिकित्सा कोर, 1 नागा
28. कैप्टन विशाल वीर शर्मा (एम एस 13268) सेना चिकित्सा कोर, 17 जाट
29. कैप्टन राजेश डब्ल्यू अधाउ (एम एस 13334), सेना चिकित्सा कोर, जम्मू एव कश्मीर राइफल्स
30. लेफ्टिनेंट आदित्य कुमार (आई सी–57837), 5 पैरा
31. लेफ्टिनेंट सच्चिदानंद पांडे (आई सी–58064), 4 फील्ड रेजिमेंट
32. लेफ्टिनेंट प्रदीप्ता दत्ता (आई सी–58495), एयर डिफेंस आर्टिलरी, 130 एयर डिफेंस रेजिमेंट
33. लेफ्टिनेंट राजेश विनोद कुलकर्णी (एस एस 37215), , 108 इंजीनियर्स रेजिमेंट
34. जे सी 177421 सूबेदार डी चिन्नारायण, 2 इंजीनियर्स रेजिमेंट
35. जे सी 183574 सूबेदार शेरिंग फुनचुक, आई डब्ल्यु लद्दाख स्काऊट्स
36. जे सी 190557 सूबेदार ऊधम सिंह, आर्टिलरी, 244 हैवी मोर्टार रेजिमेंट
37. जे सी 203567 सूबेदार भंवर सिंह, आर्टिलरी, 1889 लाइट रेजिमेंट (मरणोपरांत)
38. जे सी 256861 सूबेदार पदमनाभ् आर्टिलरी 15 फील्ड रेजिमेंट
39. जे सी 258870 सूबेदार ए अंगामुत्थु, आर्टिलरी 108 मीडियम रेजिमेंट
40. जे सी 568141 सूबेदार सतनाम सिंह 8 महार
41. जे सी 348563 नायब सूबेदार स्वर्ण सिंह, 108 इंजीनियर्स रेजिमेंट
42. जे सी 488886 नायब सूबेदार रवैल सिंह 8 सिख (मरणोपरांत)
43. जे सी 588016 नायब सूबेदार ताशी नामग्याल, के. डब्ल्यु लद्दाख स्काऊट्स
44. जे सी 586031 नायब सूबेदार अंगचोक दोरजी के डब्ल्यु लद्दाख स्काऊट्स (मरणोपरांत)
45. जे सी 680275 नायब सूबेदार प्रेम सिंह आर्मी सर्विस कोर, 899 ए टी कंपनी
46. 14375666 बी एच एम भूपेन्द्र प्रसाद सिंह, एयर डिफेंस आर्टिलरी, 326 लाइट एयर डिफेंस रेजिमेंट
47. 14558045 एच एम टी महाबीर, ई एम ई, 835 फील्ड वर्कशाप कंपनी
48. 2874293 हवलदार कान सिंह, 11 राजपूताना राइफल्स (मरणोपरांत)
49. 3170559 हवलदार महावीर सिंह, 17 जाट (मरणोपरांत)
50. 3381909 हवलदार सुखवंत सिंह, 6 सिख

51. 3986617 हवलदार डोला राम, 1 पैरा (एस एफ) (मरणोपरांत)
52. 4257831 हवलदार रतन कुमार सिंह, 1 बिहार (मरणोपरांत)
53. 9418000 हवलदार ज्ञान बहादुर तमांग, 1/11 गोरखा राइफल्स
54. 9084546 हवलदार गुरविन्दर सिंह, 12 जम्मू एवं कश्मीर लाइट इंफैन्ट्री
55. 13613757 हवलदार मोहन सिंह राजपूत, 5 पैरा (मरणोपरांत)
56 13614629 हवलदार रवीन्द्र कुमार, 5 पैरा
57. 13615135 हवलदार युद्धवीर सिंह, 5 पैरा
58. 14700666 हवलदार सूरत सिंह पवार, 2 नागा
59. 14701424 हवलदार रेखू यिमचुगर, 2 नागा (मरणोपरांत)
60. 9086336 लांस हवलदार सोनावोल्लाह खां, 12 जम्मू एवं कश्मीर लाइट इंफैन्ट्री
61. 2682993 नायक आबिद खान, 22 ग्रेनेडियर्स (मरणोपरांत)
62. 2683225 नायक जाकिर हुसैन, 22 ग्रेनेडियर्स (मरणोपरात)
63. 3384443 नायक रघबीर सिंह, 14 सिख
64. 3992362 नायक अश्वनी कुमार, 9 पैरा (एस एफ) (मरणोपरांत)
65 4066198 नायक शिव सिंह, 17 गढ़वाल राइफल्स (मरणोपरांत)
66. 9087156 नायक चितन परसाद दहल 12 जम्मू एवं कश्मीर लाइट इंफैन्ट्री (मरणोपरांत)
67 9922588 नायक फुंचोक अंगडुस, आई डब्ल्यु लद्दाख स्काउट्स (मरणोपरांत)
68. 13616004 नायक गगा राम, 10 पैरा (एस एफ)
69. 13620699 नायक सुरेन्द्र सिंह शेखावत, 10 पैरा (एस एफ) (मरणोपरात)
70. 13620980 नायक विजय पाल सिंह, 10 पैरा (एस एफ) (मरणोपरांत)
71. 13621169 नायक अनिल सिंह, 9 पैरा (एस एफ) (मरणोपरात)
72. 14372787 नायक यशवंत दुरगाप्पा कोलकर, आर्टिलरी 255 फील्ड रेजिमेंट (मरणोपरांत)
73. 14701222 नायक हरि बहादुर घाले, 2 नागा (मरणोपरांत)
74. 298864 लांस नायक पहल सिंह, 27 राजपूत
75. 4070268 लांस नायक देवेद्र प्रसाद, 17 गढ़वाल राइफल्स (मरणोपरांत)
76. 4264069 लांस नायक विद्यानंद सिंह, 1 बिहार (मरणोपरात)
77. 6926194 लांस नायक जनबीर सिंह, ए ओ सी 603 ई एम ई बटालियन
78 6932439 लांस नायक खैरनार एकनाथ चेतराम, सिग्नल्स 8, माऊंटेन डिवी, सिग्नल्स रेजिमेंट (मरणोपरांत)
79 14390387 लांस नायक चंदन सिंह, एयर डिफेंस आर्टिलरी, 326 लाइट एयर डिवी. आर्टीलरी रेजिमेंट (मरणोपरांत)
80. 14498646 लांस नायक पीके संतोष कुमार, आर्टिलरी, 93 फील्ड रेजिमेंट (मरणोपरात)
81. 14702709 लांस नायक मोहन सिंह, 2 नागा (मरणोपरांत)
82. 15116577 लांस नायक मुकेश कुमार, आर्टिलरी, 1889 लाइट रेजिमेंट (मरणोपरांत)
83. 3399929 सिपाही गुरदीप सिंह, 8 सिख (मरणोपरांत)
84. 4268338 सिपाही हरदेव प्रसाद, 1 बिहार (मरणोपरात)
85. 4274877 सिपाही विनामा शैलेष कुमार कवाजी, 1 बिहार (मरणोपरांत)
86. 4275292 सिपाही शिव शंकर प्रसाद गुप्ता, 1 बिहार (मरणोपरांत)

87. 4276334 सिपाही प्रमोद कुमार, 1 बिहार (मरणोपरांत)
88. 9924028 सिपाही सोनम दोरजी, के डब्ल्यु लद्दाख स्काउट्स (मरणोपरांत)
89. 9924082 सिपाही नवांग तुन्दुप, आई डब्ल्यु लद्दाख स्काउट्स (मरणोपरांत)
90. 9924147 सिपाही तुन्दुप दोरजी, के डब्ल्यु लद्दाख स्काउट्स (मरणोपरांत)
91. 9924732 सिपाही लूतोस ज़ंगबो, के डब्ल्यु लद्दाख स्काउट्स (मरणोपरांत)
92. 9924755 सिपाही कुंजांग रिगजिन, के डब्ल्यु लद्दाख स्काउट्स (मरणोपरांत)
93. 9924757 सिपाही शेरिंग अंगचोक, के डब्ल्यु लद्दाख स्काउट्स (मरणोपरांत)
94. 14702973 सिपाही एच अदाहरनी, 2 नागा
95. 14703089 सिपाही हिम्मत सिंह, 2 नागा (मरणोपरांत)
96. 1487884 सैपर सतीश कुमार, 238 इंजीनियर्स रेजिमेंट (मरणोपरांत)
97. 1585300 सैपर हाजी बाशा, 110 इंजीनियर्स रेजिमेंट (मरणोपरांत)
98. 1587050 सैपर लक्ष्मण कदुबा चाटे, 108 इंजीनियर्स रेजिमेंट
99. 5248687 राइफलमैन पृथ बहादुर पुन, 3/3 गोरखा राइफल्स (मरणोपरांत)
100. 9096598 राइफलमैन मोहम्मद फरीद, 12 जम्मू एवं कश्मीर लाइट इंफैन्ट्री (मरणोपरांत)
101. 9422842 राइफलमैन बुद्धि राज रॉय, 1/11 गोरखा राइफल्स
102. 2883671 ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव, 18 ग्रेनेडियर्स (मरणोपरांत)
103. 15127825 गनर आई. नंद थंद सिंघा, आर्टिलरी, 315 फील्ड रेजिमेंट (मरणोपरांत)
104. 8034454 पायनियर जयप्रकाश पांडे, 1588 पायनियर कंपनी
105. 13621792 पैराट्रूपर गोपाल सिंह, 7 पैरा (मरणोपरांत)
106. 14584302 क्राफ्ट्समैन कमलेश सिंह, 608 ई एम ई बटालियन (मरणोपरांत)

बरुण मित्रा
(बरुण मित्रा)
राष्ट्रपति का उप सचिव

सं068-प्रेज/2000—राष्ट्रपति निम्न सैन्य कार्मिकों को 'आपरेशन विजय' के दौरान असाधारण कर्त्तव्यपरायणतापूर्ण कार्यों के लिए "सेना मेडल" प्रदान किए जाने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :

1. कर्नल सुरेन्द्र मोहन मेहता (आई सी–31917) 41 ई एम ई बटालियन
2. कर्नल लक्ष्मणन षणमुगा सुंदरम (आई सी–34442) जम्मू और कश्मीर राइफल्स, 126 इंफैन्ट्री बटालियन (टी ए)
3. कर्नल उत्तम सिंह छिब (आई सी–34687) 5271 आर्मी सर्विस कोर बटालियन (एम टी)
4. कर्नल अमित सरीन (आई सी–34954) सेना कवचित कोर, 1 एफ ओ डी

5. कर्नल क्लीमेंट सेमुअल परेरा (आई सी–36390) मराठा लाईट इंफैंट्री
6. लेफ्टिनेंट कर्नल सरताज सिंह (आई सी–35260) सेना कवचित कोर, 3 इंफैन्ट्री डी0 ओ0 यू0
7. लेफ्टिनेंट कर्नल कुलबीर सिंह (आई सी–37195) सेना कवचित कोर, ओ टी जी
8. लेफ्टिनेंट कर्नल बलविन्दर सिंह (आई सी–39663), 674 ए0 टी0 वटालियन, सेना सेवा कोर
9. लेफ्टिनेट कर्नल अनिल कायस्थ (एम आर–03527), सेना चिकित्सा कोर, कमान अस्पताल, प. कमान
10. लेफ्टिनेंट कर्नल रामकुमार जिंह (एम आर–04437), सेना चिकित्सा कोर, कमान अस्पताल, प. कमान
11. लेफ्टिनेंट कर्नल होशियार सिंह रावत (एम आर–04095), सेना चिकित्सा कोर, 153 जी एच
12. मेजर राजेश कुमार शर्मा (आई सी–46085) ई एम ई 23 आर एंड ओ फ्लाइट
13. मेजर संजय डिमरी (आई सी–46108) सिग्नल्स, 8 माउंटेन डिवीजन सिग्नल्स रेजिमेंट
14. मेजर पूर्णेंदु (एम आर 06084) सेना चिकित्सा कोर, 308 फील्ड एम्बुलेंस
15. मेजर शशी सेंगर (एन आर 18284) सैन्य परिचर्या सेवा, 92 बेस अस्पताल
16. सर्जन कैप्टन सलिल कुमार मोहंती, वि से मे (75171) सेना चिकित्सा कोर, 92 बेस अस्पताल

बरुण मित्रा

(बरुण मित्रा)
राष्ट्रपति का उप सचिव

सं069–प्रेज/2000 – राष्ट्रपति "आपरेशन विजय" तथा "प्रति–विद्रोही कार्रवाइयों" के संबंध में "सेनाध्यक्ष" तथा "वायुसेनाध्यक्ष" से रक्षा मंत्री को प्राप्त "उल्लेख पत्रों में उल्लिखित" निम्न सैन्य कार्मिकों के नाम भारत के राजपत्र मे प्रकाशित किए जाने का सहर्ष आदेश देते हैं :–

आपरेशन विजय

1. आई सी–31344 कर्नल दाहात शशांक सदाशिव, सिग्नल्स, 15 कोर इंजिनियरिंग सिग. रेजिमेंट
2. आई सी–31366 कर्नल गुरविंदर सिंह मान, आर्टी, 41 फील्ड रेजिमेंट
3. आई सी–34010 कर्नल रणबीर सिंह भदौरिया, 10 पैरा (एस एफ)
4. आई सी–35171 कर्नल राजवीर सिंह, 3/3 गोरखा राइफल्स
5. आई सी–37238 कर्नल अरविन्दर पाल सिंह चीमा, 12 महार
6. आई सी–37429 कर्नल शैलेन्द्र प्रताप सिंह, 8 सिख
7. आई सी–39283 लेफ्टिनेंट कर्नल कंवल कुमार, आर्मी एवियेशन, 23 आर एण्ड ओ फलाइट
8. आई सी–37740 लेफ्टिनेंट कर्नल अनिल पासी, आर्टी, 212 रॉकेट रेजिमेंट
9. आई सी–41026 मेजर अनिल सिंह, आर्टी, 1889 लाइट रेजिमेंट
10. आई सी–41235 मेजर संजीव सैनी, 3/3 गोरखा राइफल्स
11. आई सी–42658 मेजर दीपक ढींगरा, आर्टी, 15 फील्ड रेजिमेंट
12. आई सी–43083 मेजर विक्रम सिंह शिवरैन, 12 जम्मू–कश्मीर लाइट इंफैन्ट्री
13. आई सी–43287 मेजर मुनीष कुमार सिंह, एस एम, 6 पैरा
14. आई सी–44574 मेजर समीर भदौरिया, 2 नागा
15. आई सी–44681 मेजर समीर अनुकूल, 5 पैरा
16. आई सी–44720 मेजर ओम प्रकाश मिश्रा, आर्टी, 315 फील्ड रेजिमेंट
17. आई सी–44750 मेजर दीप कुमार पाठक, 12 जम्मू–कश्मीर लाइट इंफैन्ट्री

18. आई सी–46786 मेजर रघुवेन्द्र प्रताप सिंह, 1/11 गोरखा राफल्स
19. आई सी–47173 मेजर राजीव घोष, एस एम आर्मी एवियेशन, 23 आर एण्ड ओ फ्लाइट
20. आई सी–48366 मेजर समीर रावत, कवचित, के डब्ल्यू, लद्दाख स्काउट्स
21. आई सी–48650 मेजर हरिन्दर सिंह जग्गी, 5 पैरा
22. आई सी–48974 मेजर अनुपेन्द्र सिंह बेवली, आर्टी, 41 फील्ड रेजिमेंट
23. आई सी–54824 मेजर अभय तिवारी, आर्टी, 197 फील्ड रेजिमेंट
24. आई सी–54938 मेजर विकास मेहता, 12 जम्मू–कश्मीर लाइट इंफैन्ट्री
25. आई सी–55044 मेजर संदीप कुमार, 2 नागा
26. आई सी–57620 मेजर देवेन्द्र पाल सिंह, 7 डोगरा
27. एस एस–35197 मेजर धर्मेन्द्र सिंह दहिया आर्टी, 307 मीडि. रजिमेंट
28. एस एस–36049 मेजर जयदेव सिंह राठौर, 8 सिख
29. आई सी–46434 कैप्टन राजीव कुमार सिंह, कवचित, 56 माउन्टेन ब्रिगेड
30. आई सी–46066 कैप्टन चरण कंवल सिंह अहलूवालिया, आर्मी एवियेशन, 33 आर एण्ड ओ फ्लाइट
31. आई सी–46076 कैप्टन कोच्चु कृष्ण पी0 जयचन्द्रन, आर्मी एवियेशन, 3 आर एंड ओ फ्लाइट
32. आई सी–48304 कैप्टन कंवलजीत सिंह नूरपुरी, आर्मी एवियेशन, 7 आर एण्ड ओ फ्लाइट
33. आई सी–50713 कैप्टन सुधीश कुमार जैनी, आर्मी एवियेशन, 23 आर एण्ड ओ फ्लाइट
34. आई सी–52041 कैप्टन एस पवन कुमार, आर्मी एवियेशन, 32 आर एण्ड ओ फ्लाइट
35. आई सी–52637 कैप्टन अनूप नटराजन, आर्मी एवियेशन, 33 आर एण्ड ओ फ्लाइट
36. आई सी–53433 कैप्टन कार्निक आशीष श्रीकांत, आर्टी, 286 मीडि. रेजिमेंट
37. आई सी–53446 कैप्टन संजीव धीमान, 12 जम्मू–कश्मीर लाइट इंफैन्ट्री
38. आई सी–53715 कैप्टन रवीन्द्र सिंह डडवाल, आर्टी, 305 मीडियम रेजिमेंट
39. आई सी–54142 कैप्टन एस अशोक, 1 नागा
40. आई सी–54801 कैप्टन बीरेन्द्र सिंह रावत, आर्टी 244 हैवी मोर्टार रेजिमेंट
41. आई सी–56675 कैप्टन विशाल दुबे, 10 पैरा (एसएफ)
42. आई सी–57042 कैप्टन अनिरबान चटर्जी, ए ओ सी, 13 जम्मू–कश्मीर राइफल्स
43. आई सी–57049 कैप्टन रेवती भंडारी, 1 बिहार
44. आई सी–57343 कैप्टन शमशेर सिंह, ए ओ सी, 17 जाट
45. एम आर–06792 कैप्टन वैंकटेशन विश्वनाथन, ए एम सी, 1 बिहार
46. एम आर–06970 कैप्टन अखिलेश राव, ए एम सी, 328 फील्ड एम्बुलैंस
47. एम आर (एन वाई ए) कैप्टन नीरज कुमार डागर, ए एम सी, 1/11 गोरखा राइफल्स
48. एस एस–37663 कैप्टन संजय सिंह रौतेला, 2 राज. राइफल्स
49. आई सी–57739 लेफ्टिनेंट रवीन्द्र सिंह, आर्टी, 305 मीडियम रेजिमेंट
50. एस सी–00025 लेफ्टिनेंट सतीश कुमार, 1/11 गोरखा राइफल्स
51. एस एस–37123 लेफ्टिनेंट समीरन रॉय, ए एस सी, 1/11 गोरखा राइफल्स
52. एस एस–37644 लेफ्टिनेंट राजेन्द्र सिंह रावत, 1/11 गोरखा राइफल्स
53. एस एस–37666 लेफ्टिनेंट विजय कुमार बख्शी, 2 नागा
54. एस एस–37731 लेफ्टिनेंट शत्रुघ्न सिंह, 1 बिहार
55. जे सी–163962 सूबेदार शेरिंग पालदान, के. डब्ल्यू लद्दाख स्काउट्स
56. जे सी–181839 सूबेदार बलदेव सिंह, 14 सिख
57. जे सी–183456 सूबेदार हरफूल सिंह (मरणोपरांत), 17 जाट
58. जे सी–186523 सूबेदार उदयबीर सिंह, आर्टी, 141 फील्ड रेजिमेंट
59. जे सी–200332 सूबेदार जय प्रकाश, आर्टी, 141 फील्ड रेजिमेंट
60. जे सी–218597 सूबेदार कुंगा सम्सतन, आई डब्ल्यू लद्दाख स्काउट्स
61. जे सी–488102, सूबेदार ओम प्रकाश, 17 जाट
62. जे सी–258912 नायब सूबेदार मरिनाल कांति सिन्हा रे, आर्टी, 255 फील्ड रेजिमेंट
63. जे सी–498242 नायब सूबेदार सतनाम सिंह, 8 सिख

64. जे सी–590088 नायब सूबेदार बलवंत सिंह (मरणोपरांत), 2 नागा
65. 3168723 हवलदार भगवान सिंह (मरणोपरांत), 17 जाट
66. 3383507 हवलदार कुलबीर सिंह (मरणोपरांत), 8 सिख
67. 3384058 हवलदार अजायब सिंह (मरणोपरांत), 8 सिख
68. 3384541 हवलदार देसा सिंह (मरणोपरांत), 8 सिख
69. 3386968 हवलदार भगवान सिंह, 8 सिख
70. 3387049 हवलदार विक्रम सिंह (मरणोपरांत), 8 सिख
71. 9921673 हवलदार शेरिंग दोरजी, आई. डब्ल्यू लद्दाख स्काउट्स
72. 14701338 हवलदार मुखेबा संगतम, 2 नागा
73. 14367269 लांस हवलदार गुरदास सिंह (मरणोपरांत), आर्टी 15 फील्ड रेजिमेंट
74. 2677936 नायक राकेश चन्द (मरणोपरांत), 16 ग्रेनेडियर्स
75. 2678123 नायक वीरेन्द्र सिंह (मरणोपरांत), 18 ग्रेनेडियर्स
76. 2678496 नायक देव राज (मरणोपरांत), 18 ग्रेनेडियर्स
77. 3173613 नायक कृष्ण लाल (मरणोपरांत), 17 जाट
78. 3177220 नायक रिषिपाल सिंह (मरणोपरांत), 17 जाट
79. 3179606 नायक राम स्वरूप सिंह (मरणोपरांत), 17 जाट
80. 3368464 नायक निर्मल सिंह (मरणोपरांत), 8 सिख
81. 4073558 नायक हरेन्द्र सिंह (मरणोपरांत), 10 पैरा (एसएफ)
82. 4179356 नायक जल सिंह, 13 कुमाऊँ
83. 4186705 नायक राम सिंह बोरा (मरणोपरांत), 10 पैरा (एसएफ)
84. 9923295 नायक टुन्डफप वांगियाल, आई डब्ल्यू लद्दाख स्काउट्स
85. 13890866 नायक रमेश चन्द्र पाल, 5071, ए एस सी बटालियन (एम टी)
86. 14477617 नायक अशोक कुमार, आर्टी, 158 मीडि. रेजिमेंट
87. 14571060 नायक शेषनाथ सिंह यादव (मरणोपरांत), 608 ई एम ई बटालियन
88. 3180612 लांस नायक राजेश (मरणोपरांत), 17 जाट
89. 3182134 लांस नायक विजय सिंह (मरणोपरांत), 17 जाट
90. 3391755 लांस नायक देवेन्द्र सिंह (मरणोपरांत), 8 सिख
91. 4262865 लांस नायक वेद प्रकाश राय, 1 बिहार
92. 9088415 लांस नायक जाकिर हुसैन, 12 जम्मू–कश्मीर लाइट इंफैन्ट्री
93. 13752273 लांस नायक कृष्ण मोहन (मरणोपरांत), 13 जम्मू–कश्मीर राइफल्स
94. 3185510 सिपाही धर्मवीर सिंह (मरणोपरांत), 17 जाट
95. 3186596 सिपाही राज सिंह (मरणोपरांत), 17 जाट
96. 3186959 सिपाही कर्ण सिंह (मरणोपरांत), 17 जाट
97. 3187320 सिपाही रणवीर सिंह (मरणोपरांत), 17 जाट
98. 3187386 सिपाही विजय पाल (मरणोपरात), 17 जाट
99. 3187414 सिपाही विनोद कुमार (मरणोपरांत), 17 जाट
100. 3188794 सिपाही हवा सिंह (मरणोपरांत), 17 जाट
101. 3189532 सिपाही गजपाल सिंह (मरणोपरांत), 17 जाट
102. 3190075 सिपाही धर्मबीर सिंह (मरणोपरांत), 17 जाट
103. 3190727 सिपाही कृष्ण कुमार (मरणोपरात), 17 जाट
104. 3191179 सिपाही वीरेन्द्र कुमार (मरणोपरांत), 17 जाट
105. 3393208 सिपाही देवेन्द्र सिंह, 8 सिख
106. 4276326 सिपाही अरबिंद कुमार पांडे (मरणोपरांत), 1 बिहार
107. 6484846 सिपाही मस्तान सिंह, 630 ट्रांसपोर्ट कंपनी, ए एस सी
108. 9924769 सिपाही सोनम अंगदुस, के. डब्ल्यू. लद्दाख स्काउट्स
109. 14702436 सिपाही सूरबीर सिंह, 2 नागा

110. 14703226 सिपाही हरीश सिंह थापा, 2 नागा
111. 14423478 गनर परमिंदर (मरणोपरांत), आर्टी. 288 मीडि. रेजीमेंट
112. 15119576 गनर शेख सुलतान, आर्टी., 244 हैवी मोर्टार रेजिमेंट
113 15131644 गनर युगम्बर दीक्षित (मरणोपरांत), आर्टी., 288 मीडि. रेजिमेंट
114. 15132569 गनर गडी गोवर्धनमु, आर्टी., 4 फील्ड रेजिमेंट
115 15133276 गनर शिजु कुमार एम. ओ. (मरणोपरांत), आर्टी., 4 फील्ड रेजिमेंट
116 2681831 ग्रेनेडियर रतन चंद (मरणोपरांत) 18 ग्रेनेडियर्स
117. 2690121 ग्रेनेडियर नरेश कुमार (मरणोपरांत), 18 ग्रेनेडियर्स
118. 2690509 ग्रेनेडियर अनंत राम (मरणोपरांत), 18 ग्रेनेडियर्स
119. 13759389 राइफलमैन दीप चंद (मरणोपरांत), 13 जम्मू और कश्मीर राइफल्स
120. 13760422 राइफलमैन संजय कुमार, 13 जम्मू और कश्मीर राइफल्स
121 5246730 राइफलमैन धन बहादुर थापा, 3/3 गोरखा राइफल्स
122. 9098037 राइफलमैन आशिक हुसैन खां, 12 जम्मू और कश्मीर लाइट इंफैन्ट्री
123 9099697 राइफलमैन अब्दुल रशीद राथर, 12 जम्मू और कश्मीर लाइट इंफैन्ट्री
124. 13620541 पैराट्रूपर भंवर सिंह (मरणोपरांत), 7 पैरा
125 15666968 सिग्नलमैन मानस रंजन साहू (मरणोपरांत) सिग्नल्स
126. 14587109 क्राफ्टमैन रणधीर सिंह, ई एम ई. 118 फील्ड वर्कशाप
127 18499 स्क्वाड्रन लीडर नीरज कुमार शरण, एवरोनॉटिकल इंजीनियर (मैकेनिकल)
128. 232686 मास्टर वारंट अफसर सुखदेव राज, एयर फ्रेम फिटर

आपरेशन रक्षक

1 आई सी–32059 ब्रिगेडियर नसीब सिंह राणा, मुख्या. 17 इफैन्ट्री ब्रिगेड
2. आई सी–31446 कर्नल रवीन्द्र सिंह चोपडा, आर्टी, 11 फील्ड रेजिमेंट
3. आई सी–31159 कर्नल कोचुपरंपिल वरके चेरियन, वी एस एम, 3 असम
4. आई सी–31647 कर्नल राजीव कुमार नायर, डोगा स्काउट्स
5 आई सी–35164 कर्नल रयान पीटर लोबो, 4/8 गोरखा राइफल्स
6 आई सी–38506 कर्नल बसंत नारायण सिंह, 22 पंजाब
7. आई सी–40837 मेजर दीपेन्द्र सरीन, 32 राष्ट्रीय राइफल्स
8. आई सी–42593 मेजर मदन लाल शर्मा, आर्टी, 10 राष्ट्रीय राइफल्स
9. आई सी–43352 मेजर नारायण दत्त गणेश दत्त जोशी, इंटे, 28 डिवी. इंटे यूनिट
10. आई सी–44123 मेजर लक्ष्मण सिंह, गढ़वाल राइफल्स, 36 रा. राइफल्स
11. आई सी–47614 मेजर रॉबर्टसन बिलावेन्द्रन, 19 महार
12. आई सी–48118 मेजर प्रवीण कुमार ऐरी, ग्रेनेडियर्स, 12 राष्ट्रीय राइफल्स
13. आई सी–52571 कैप्टन विक्रम सिंह दयाल, जाट, 5 राष्ट्रीय राइफल्स
14. आई सी–52582 कैप्टन अमनदीप सिंह, एयर डिफेंस आर्टी., 15 राष्ट्रीय राइफल्स
15 एस एस–36745 कैप्टन विक्रम चन्द्रेल, 10 डोगरा,
16. एस एस–36806 कैप्टन सर्वेश ढड्वाल, इंटे, 192 माउंटेन ब्रिगेड
17. एस एस–36847 कैप्टन शरणजीत सिंह, 4 ग्रेनेडियर्स
18. आई सी–56979 लेफ्टिनेंट येल्लान गौडा डोडानायक मल्लूर, 27 मद्रास
19 आई सी–58299 लेफ्टिनेंट रजनीष वाधवा, 20 पंजाब
20. जे सी–211188 सूबेदार ज्ञान चंद, 16 डोगरा
21. जे सी–538280 सूबेदार राजपाल सिह कुशवाहा, 15 कुमाऊँ
22. जे सी–468164 नायब सूबेदार मालम सिंह, 5 राजपूताना राइफल्स
23 जे सी–568665 नायब सूबेदार राम सिह, 12 महार
24. 2677776 हव. पूरण मल, 4 ग्रेनेडियर्स

25. 3171052 हव. वेदपाल सांगवान, 12 जाट
26. 9084227 हव. धर्म चंद, 4 जम्मू और कश्मीर लाइट इंफैन्ट्री
27. 2474806 ला हव. दुर्गा दास शर्मा, 20 पंजाब
28. 14908201 नायक पूर्ण चन्द्र लोहानी, मैकेनाज्ड इंफैन्ट्री, 12 राष्ट्रीय राइफल्स
29. 2681935 नायक रवि कर्ण सिंह, 18 ग्रेनेडियर्स
30. 13697404 लांस नायक बलराज सिंह, गार्ड्स, 21 राष्ट्रीय राइफल्स
31. 2482448 लांस नायक हरनेक सिंह, 20 पंजाब
32. 14702890 सिपाही अनिल कुमार नेगी, 1 नागा
33. 4365221 सिपाही टी. पुनलियनकप जो, 15 असम
34. 2487619 सिपाही संदीप कुमार, 20 पंजाब
35. 2487856 सिपाही नरेश कुमार, पंजाब, 22 राष्ट्रीय राइफल्स
36. 4070793 राइफलमैन गिरीश चन्द्र, गढ़वाल राइफल्स, 14 राष्ट्रीय राइफल्स
37. 4073066 राइफलमैन मिनेन्द्र सिंह, गढ़वाल राइफल्स, 14 राष्ट्रीय राइफल्स
38. 5849430 राइफलमैन गुरप्रसाद पाण्डेय, 2/9 गोरखा राइफल्स
39. 13620307 पैराट्रूपर शमशेर सिंह, 6 पैरा
40. 2686256 ग्रेनेडियर राजपाल, 18 ग्रेनेडियर्स
41. 13694623 गार्डमैन मान सिंह (मरणोपरांत), गार्ड्स, 21 राष्ट्रीय राइफल्स

आपरेशन मेघदूत

1. आई सी–36010 कर्नल महेन्द्र सिंह हाडा, 13 कुमाऊँ
2. आई सी–45774 मेजर विजय खन्ना, 13 कुमाऊँ
3. आई सी–48621 मेजर विश्वासराव संजय प्रताप सिंह, एस एम, 11 राज. राइफल्स
4. आई सी–49616 मेजर बेंजामिन जी आदियप्पा, सिग, 102 इंफैन्ट्री ब्रिगेडसिग्नल्स कंपनी
5. आई सी–53200 कैप्टन राकेश तिवारी, आर्टी., 170 फील्ड रेजिमेंट
6. आई सी—57188 कैप्टन मुकेश सिंह बिष्ट, 13 कुमाऊँ
7. आई सी–57908 कैप्टन आशीष भल्ला, 11 राज राइफल्स
8. जे सी–538320 सूबेदार प्रियतम सिंह, 13 कुमाऊँ
9. जे सी–538382 नायब सूबेदार रोहिताशव यादव, 13 कुमाऊँ
10. 4177508 नायक शिव कुमार, 13 कुमाऊँ
11. 4177764 नायक बिजेन्द्र सिंह, 13 कुमाऊँ
12. 2794882 सिपाही एस. के. अनीफ, 28 मराठा लाइट इंफैन्ट्री
13. 4187860 सिपाही रवीन्द्र कुमार, 13 कुमाऊँ

आपरेशन राइनों

1. आई सी–35655 कर्नल थामस जॉर्ज, 14 असम
2. आई सी–48343 मेजर रवि प्रताप सिंह, आर्टी, 1872 लाइट रेजिमेंट
3. आई सी–53858 मेजर अनिल बोस स, 28 मद्रास
4. आई सी–53251 मेजर जगमिंदर सिंह मान, 11 सिख
5. आई सी–54220 मेजर रवि, 18 डोगरा
6. एस एस–38878 कैप्टन अभिषेक दास, 15 सिख
7. आई सी–57788 लेफ्टिनेंट आशीष विग, ई एम ई 28 मद्रास
8. आई आर एल ए–70858 सहा, कमांडेंट नरेन्द्र दान, बी एस एफ, 15 सिख लाइट इंफैन्ट्री
9. जे सी–199297 सूबेदार नंदन सिंह, 6 कुमाऊँ
10. जे सी – 592428 सूबेदार ओमकार नाथ, 5 जम्मू और कश्मीर लाइट इंफैन्ट्री
11. 85428 हवलदार दलबीर सिंह, 8 असम राइफल्स
12. 4471133 सिपाही मनजीत सिंह, 16 सिख लाइट इंफैन्ट्री

आपरेशन हिफाजत

1. आई सी–44545 मेजर अनिंद्य सेन गुप्त, 14 पंजाब
2. आई सी–46555 कैप्टन अनिल कुमार जैन, इंजीनियर्स, 12 असम राइफल्स
3. 2477557 हवलदार हरि सिंह, 14 पंजाब

(वरूण मित्रा)
राष्ट्रपति का उप सचिव

सं070–प्रेज/2000 – राष्ट्रपति उत्कृष्ट वीरतापूर्ण कार्यों के लिए निम्नलिखित कार्मिकों को **"कीर्ति चक्र"** प्रदान किए जाने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं

1. जे. सी. 518184 सूबेदार दलजीत सिंह, डोगरा, 31 राष्ट्रीय राइफल्स (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 26 अप्रैल, 1999)

सूबेदार दलजीत सिंह जम्मू कश्मीर में पुंछ जिले में सुरनकोट तहसील के रूपबाला क्षेत्र में खोज और विध्वंस मिशन पर भेजे गए सैन्य दल का नेतृत्व कर रहे थे।

26 अप्रैल 1999 को सायं लगभग 6 बजकर पैंतालिस मिनट पर इस जूनियर कमीशन प्राप्त अफसर ने नाले में चार आतंकवादियों को हरकत करते हुए देखा। उन्होंने तुरंत लाईट मशीनगन को तैनात किया तथा उनके पीछे पहुँचकर हमला करने के लिए उनकी ओर भागे। अतुलनीय साहस का प्रदर्शन करते हुए तथा अपनी सुरक्षा की लेशमात्र भी परवाह न करते हुए यह जूनियर कमीशन प्राप्त अफसर आतंकवादियों द्वारा छोटे शस्त्रों और स्नाइपर राइफलो से की जा रही गोलियों की अचूक बौछार के बीच से 50 मीटर की दूरी तक रेंगते हुए आतंकवादियों की ओर बढ़े और स्वयं ही दो आतंकवादियों को मार गिराया। तीसरे आतंकवादी ने एक ग्रेनेड फेंका और इस जूनियर कमीशन प्राप्त अफसर को गंभीर रूप से जख्मी कर दिया, किन्तु फिर भी उन्होंने वहां से हटाए जाने से इंकार कर दिया और शेष बचे आतंकवादियों पर राकेट लांचर से आक्रमण करते रहे। इससे पहले कि वह तीसरा आतंकवादी इन पर फिर आक्रमण कर पाता इस जूनियर कमीशन प्राप्त अफसर ने एक द्रुत, अचूक तथा वीरतापूर्ण कार्रवाई करते हुए उस तीसरे आतंकवादी को जख्मी कर दिया, जिसकी मृत्यु की बाद में दुश्मन के संदेशों के पकड़े जाने पर पुष्टि हो गई।

कार्रवाई के दौरान इस जूनियर कमीशन प्राप्त अफसर को गंभीर जख्म लगे किन्तु वे जख्मो के कारण वीर गति प्राप्त होने तक आतंकवादियों से लड़ते रहे।

सूबेदार दलजीत सिंह ने आतंकवादियों द्वारा की जा रही गोलीबारी के सम्मुख उत्कृष्ट वीरता का प्रदर्शन किया और सर्वोच्च बलिदान दिया।

2. 5849569 लांस नायक रामचंद्र भट्ट
2/9 गोरखा राइफल
(मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 01 मई, 1999)

01 मई 1999, को 2230 बजे लांस नायक रामचंद्र भट्ट उस गश्ती दल के स्काउट के रूप में कार्य कर रहे थे जो जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में शमशाबाड़ी रेंज की हिमाच्छादित पहाड़ियों में घुसपैठ कर रहे आतंकवादियों के एक दल का पीछा कर रहा था। लगभग 15 घंटे के बाद इस गश्ती दल ने घने जंगल में आतंकवादी को देख लिया।

लांस नायक रामचंद्र भट्ट अपने दो अन्य साथियों के साथ आतंकवादियों पर टूट पड़े। गश्ती दल के लीडर पर एक आतंकवादी को ग्रेनेड फेंकने की तैयारी करते देख लांस नायक रामचंद्र भट्ट झपटते हुए आगे बढ़े और अत्यंत समीप से उसे गोली से भून डाला। इसी बीच पूर्णतः शस्त्र सज्जित अन्य आतंकवादी ढलान से नीचे की ओर लुढ़के चले गए और भारी गोलीबारी करते हुए आड़ में छुप गए किन्तु शस्त्रों, विस्फोटकों और युद्ध जैसी सामग्रियों से ठसाठस भरा रकसैक वहीं छोड़ गए।

लांस नायक रामचंद्र भट्ट और उनके तीन अन्य साथी अपनी सुरक्षा की तनिक भी परवाह न करते हुए भारी गोली–बारी के बीच चुपचाप रेंगते हुए आगे बढ़े और आतंकवादियों के ठीक ऊपर पहुँच गए। 2330 बजे छह आतंकवादियों ने भारी गोलीबारी की आड़ लेकर बेताबी से भागने के प्रयास में ऊपर की ओर बैठे लांस नायक रामचंद्र भट्ट और उनके अन्य साथियों पर आक्रमण कर दिया। हालांकि लांस नायक भट्ट व उनके साथी संख्या में आतंकवादियों से कम थे किन्तु वे अपने स्थान पर डटे रहे और दोनों तरफ से की जा रही गोलीबारी में एक आतंकवादी को मार गिराया। किन्तु इसी बीच दल के एक सदस्य को कई गोलियां लग गईं और वह खड़ी ढलान से लुढ़कता हुआ आतंकवादियों के ठीक नीचे एक खतरनाक स्थान पर जा पड़ा। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए लांस नायक रामचंद्र भट्ट अपनी जान दांव पर लगाते हुए और प्रचंड दुःसाहस और सहयोगी भावना का परिचय देते हुए आड़ से बाहर निकल पड़े और आतंकवादियों पर टूट पड़े। दोनों ओर से हुई भीषण गोलीबारी में उन्होंने एक आतंकवादी को मार गिराया और इस प्रकार अपने साथी की जान बचा ली।

तभी एक आतंकवादी द्वारा फेंका हुआ ग्रेनेड लांस नायक रामचंद्र भट्ट के समीप फट पड़ा जिससे वे गंभीर रूप से जख्मी हो गए और उनका हथियार छूट गया। गंभीर रूप से जख्मी तथा निहत्था होने के बावजूद इस साहसी युवा नॉन कमीशन प्राप्त अफसर ने एक झटके से अपनी खुकरी निकाल ली और जिस आतंकवादी ने ग्रेनेड फेंका था उस पर झपटे और उसका गला रेत दिया जिससे अन्य आतंकवादी भागने पर मजबूर हो गए। अत्यधिक रक्त बहने के बावजूद वे लड़ते रहे और आतंकवादियों को बधकर भागने से रोके रहे।

लांस नायक रामचंद्र भट्ट ने गंभीर रूप से जख्मी होने के बावजूद आतंकवादियों द्वारा की जा रही कारगर गोलीबारी के सम्मुख उत्कृष्ट वीरता का प्रदर्शन किया और सर्वोच्च बलिदान दिया।

3. आई सी 48212 मेजर सुशील आइमा, वायुरक्षा तोपखाना, 17 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 01 अगस्त, 1999)

01 अगस्त 1999 को मेजर सुशील आइमा जम्मू कश्मीर में पुंछ जिले की मंडी तहसील में कोपरा नामक गांव में एक सैन्य कार्रवाई का नेतृत्व कर रहे थे।

मेजर सुशील आइमा को 02 अगस्त 1999 को अपने विवाह की वर्षगांठ के लिए छुट्टी जाना था किन्तु उन्होंने छुट्टी जाने से मना कर दिया और अत्यंत खराब मौसम तथा भारी वर्षा में आतंकवादियों के विरुद्ध की जाने वाली कार्रवाइयों में सैन्य दल का नेतृत्व करने की इच्छा व्यक्त की। भारी गोलीबारी में फंस जाने के बावजूद उन्होंने घने जंगल में छिपे बैठे आतंकवादियों को ललकारा। आतंकवादियों ने उनके साथी पर ग्रेनेड फेंका।

मेजर सुशील आइमा ने चीते की तरह छलांग लगाते हुए अपने दल के सदस्य को सुरक्षित स्थान पर धकेल दिया और उस आतंकवादी पर आक्रमण करते हुए उसे वहीं ढेर कर दिया। दूसरे आतंकवादी ने इस अफसर की टांगों में गोलियां चला दी जिससे वे गंभीर रूप से जख्मी हो गए।

अपने जख्मों से विचलित हुए बिना उन्होंने दूसरे आतंकवादी को गोली से भून डाला। वहां से हटाए जाने से इंकार करते हुए वे आक्रमण का नेतृत्व करने पर अड़े रहे। तभी एक पेड़ के पीछे से एक तीसरा आतंकवादी निकला। दोनों ने एक दूसरे पर गोली चला दी और वह तीसरा आतंकवादी भी वहीं ढेर हो गया किन्तु सिर पर लगी गोलियों की बौछार से यह अफसर भी वीरगति को प्राप्त हो गया।

मेजर सुशील आइमा ने असाधारण वीरता, अनुकरणीय नेतृत्व का प्रदर्शन किया और अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

---

4. आई सी–47194 मेजर जोगिन्दर सिंह तनवर 3 गोरखा राइफल, 32 राष्ट्रीय राइफल

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 06 सितंबर 1999)

एक राइफल कंपनी कमान संभाल रहे मेजर जोगिन्दर सिंह तनवर जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में आतंकवाद से पीड़ित कालारूस घाटी में तैनात थे और इस दौरान उन्होंने इस क्षेत्र में अत्यंत प्रभावशाली खुफिया नेटवर्क स्थापित कर लिया था। 12 अगस्त 1999 को एक सूचना मिलने पर रंगत के जंगल में खोज व विध्वंस मिशन चलाया गया।

13 अगस्त, 1999 को लगभग 0930 बजे आतंकवादियों की तलाश करते हुए उन्होने आतंकवादियों का एक दल देखा। मेजर जोगिन्दर सिंह तनवर ने तुरंत आतंकवादियों पर गोलियां चला दीं ओर एक को वहीं पर मार गिराया। भयभीत आतंकवादी खतरा भांपकर भागने लगे और मेजर जोगिन्दर सिंह तनवर तथा उनका एल एम जी दल भागते आतंकवादियों का पीछा करने लगा। गोलियों की बौछार का सामना करते हुए और साथ ही साथ अपने सैनिकों को प्रोत्साहित करते हुए वे गोलियां बरसाते आगे बढते रहे और 1 घंटा 05 मिनट तक दोनों ओर से चली गोलीबारी में एक और आतंकवादी को मार गिराया। इस कार्रवाई में आतंकवादियों से शस्त्र और गोला–बारूद बरामद किए गए।

इस क्षेत्र में आतंकवादियों पर नजर रखते हुए उन्होंने 20 अगस्त 99 को भाड़े के एक और विदेशी आतंकवादी को मार गिराया। बाद में जिसकी पहचान उन दो विदेशी भाड़े के आतंकवादियों के ग्रुप लीडर के रूप में की गई जिन्हें मेजर तनवर ने 13 अगस्त 99 को मार गिराया था। इस बार भी सैन्य कार्रवाई को इतनी अच्छी तरह से नियोजित तथा समन्वित किया गया कि हमारा कोई सैनिक इनमें हताहत नहीं हुआ और आतंकवादियों से शस्त्र तथा गोला बारूद भी बरामद हुए।

बटालियन की कार्रवाइयों के तहत 08 सितबर, 1999 को रंगत की चोटी पर मेजर जोगिन्दर सिंह तनवर को "बुईनार" में छिपे उग्रवादियों को खोज निकालने तथा उनका सफाया करने के लिए एक छोटे दल का ने तृत्व सौंपा गया। यह एक कठिन कार्य था, क्योंकि नाला ढालू, संकरा तथा घनी झाड़ियों से ढका हुआ था। लगभग 1100 बजे, निकट के एक सुरक्षित व ऊँचे ठिकाने से चार भाड़े के विदेशी उग्रवादियों ने गोलीबारी कर के मेजर जोगिन्दर सिंह तनवर का बाया हाथ जख्मी कर दिया। अपने गंभीर जख्मों की परवाह न करते हुए अपने दल को दमनात्मक गोलीबारी करने के लिए प्रेरित तथा अनुदेशित किया, जबकि वे स्वयं बगल की ओर से निकट पहुँचे और उत्कृष्ट रणक्षेत्र–कौशल का इस्तेमाल करते हुए एक बड़े पत्थर के पीछे पोजीशन ले ली। इनका बायां हाथ आंशिक रूप से बेकार हो जाने के बावजूद इन्होंने अपने साथी के साथ अपने दाएं हाथ से भारी तथा अचूक गोलीबारी करके तीन उग्रवादियों को वहीं ढेर कर दिया। इस अफसर ने 1730 बजे आपरेशन पूरा होने तक वहां से सुरक्षित स्थान पर जाने से मना कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप यह आपरेशन सफल हुआ, किन्तु वे अपने बाएं हाथ की तर्जनी गंवा बैठे।

इस प्रकार मेजर जोगिन्दर सिंह तनवर ने आतंकवादियो के साथ लड़ते हुए उत्कृष्ट वीरता, असाधारण साहस, दृढ़ संकल्पशक्ति तथा असाधारण नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन किया।

बरुण मित्रा

बरुण मित्रा
राष्ट्रपति का उप सचिव

सं07।-प्रेज/ 2000 – राष्ट्रपति निम्न व्यक्ति को शत्रु के सम्मुख वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "वीर चक्र" प्रदान किए जाने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं

कैप्टन कुल भूषण उपरेती (आई सी–57684)
सेना सेवा कोर, 19 महार

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 05 अगस्त, 1999)

कैप्टन कुल भूषण उपरेती ने शत्रु के विरुद्ध की गई कई सैन्य कार्रवाइयों में निरतर उच्चकोटि के साहस और वीरता का प्रदर्शन किया।

10 जून 1999 की रात एक दल के उप कमान अफसर के रूप मे इन्होंने नियत्रण–रेखा के एक ओर से शत्रु की चौकी पर हमले की अगुवाई करने मे अत्यधिक साहस तथा पहलशक्ति का प्रदर्शन किया, जिसमें इन्होंने अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना शत्रु चौकियों के 50 मीटर पर अपने उप दल को लेकर गए तथा शत्रु के संगर के एक छेद पर अचूक निशाना लगाकर अपना राकेट लांचर दाग दिया और उग्रवादियों समेत सगर को नष्ट कर दिया। इससे शत्रु चौकी को सफलतापूर्वक ध्वस्त करने में सहायता मिली।

बाद में, सुरक्षात्मक गश्ती दल के पोस्ट कमाडर के रूप में कैप्टन कुल भूषण उपरेती ने नियत्रण रेखा से हमारी ओर घूमते शत्रु के गश्ती दल का, दोनों ओर से हुई गोलीबारी में घायल हो जाने के बावजूद, पडोस की एक शत्रु चौकी तक पीछा किया। एक राकेट लांचर का इस्तेमाल करके इस अफसर ने शत्रु के दो संगर नष्ट कर दिए तथा स्वय ही शत्रु चौकी पर चार शत्रु सैनिको को मार गिराया।

05 अगस्त, 1999 को लगभग पौ फटने के समय चौकी पर कैप्टन कुल भूषण उपरेती को नजदीकी गश्ती दलों की मुठभेड़ में गोलीबारी की आवाजे सुनाई दीं। वह राकेट लाचर टुकड़ी के साथ तत्काल हरकत में आए और शत्रु के गश्ती दल पर पीछे से जाकर हमला कर दिया। शत्रु भाग खडे हुए, किंतु हमारा गश्ती दल निकट की शत्रु चौकी के सगरो से की जा रही कारगर गोलीबारी की चपेट में आ गया। इसके बाद दोनों ओर से हुई गोलीबारी में कैप्टन उपरेती तितर–बितर होकर भाग रहे शत्रु गश्ती दल द्वारा फेंके गए ग्रेनेड के एक छर्रे से घायल हो गए।

अपनी सुरक्षा की बिल्कुल परवाह न करते हुए कैप्टन उपरेती जख्मी होने के बावजूद रेंगते हुए आगे बढ़े और आक्रमणकारी शत्रु चौकी के करीब पहुंचकर उन्होंने स्वयं ही राकेट लांचर दागकर एक संगर को नष्ट कर दिया। कैप्टन उपरेती शत्रु गश्ती दल के संचार ट्रेंच में बेधड़क कूद गए और भाग रहे शत्रु दल का पीछा करते रहे। उन्होंने निडरता से ट्रेंच मे शत्रु पर हमला कर दिया और शत्रु संगर में घुसकर अकेले ही शेष चार शत्रु सैनिकों को बहुत ही निकट से मार गिराया। इसके बाद इन्होंने अपने दल को वहां से हटने के लिए कारगर कवर फायर दिया और अपने साथी के साथ सबसे बाद में चौकी से निकले।

कैप्टन कुल भूषण उपरेती ने शत्रु की गोलीबारी के समक्ष असाधारण वीरता, दृढ निश्चय तथा आक्रामकता का प्रदर्शन किया।

बरुण मित्रा

बरुण मित्रा
राष्ट्रपति का उप सचिव

सं072-प्रेज/ 2000 – राष्ट्रपति निम्न व्यक्तियों को वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "शौर्य चक्र" प्रदान किए जाने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :–

1. श्री राम अवध तिवारी, बिहार

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 29 नवंबर, 1997)

श्री राम अवध तिवारी, सशस्त्र गार्ड 29 नवंबर 1997 को सुबह 11 बजे पटना क्षेत्र के तहत सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की गयासपुर शाखा में ड्यूटी पर तैनात थे।

उसी समय देशी रिवाल्वर से लैस तीन बदमाश गयासपुर शाखा में दाखिल हुए। उनमें से एक ने पिस्तौल निकाली और सशस्त्र गार्ड पर तान दी। चूंकि श्री तिवारी उस बदमाश के अत्यंत निकट होने के कारण अपनी बंदूक का इस्तेमाल नहीं कर सकते थे, अतः उन्होंने झटके से एक हाथ घुमाकर उस बदमाश के मारा जिससे वह जमीन पर गिर पड़ा। श्री तिवारी ने जमीन पर ही उस बदमाश की गर्दन दबोच ली। तभी दूसरे बदमाश ने अपनी रिवाल्वर निकाली और बहुत नजदीक से श्री तिवारी पर फायर कर दिया। गोली श्री तिवारी की गर्दन के निचले हिस्से में जा घुसी। वे गिर पड़े किन्तु अपनी बंदूक नहीं छोडी। श्री तिवारी के प्रथम प्रतिरोध के कारण डकैतो को बैंक लूटने में कुछ विलम्ब हो गया।

तब वे बदमाश शाखा प्रबंधक श्री एच सी प्रसाद की ओर बढ़े और उन पर रिवाल्वर टिकाकर उनसे तिजोरी/स्ट्रांग रूम की चाबियाँ मांगी। इसी बीच प्रबंधक ने चाबियां अपने टिफिन बॉक्स में रख दी थीं। बदमाशों द्वारा झापड मारे जाने के बावजूद शाखा प्रबंधक ने हिम्मत नहीं हारी और बड़ी चालाकी से कह दिया कि चाबियां तो रोकड़िया अपने साथ ले गया है। डाकू स्ट्रांग रूम/तिजोरी की चाबियां नहीं ढूंढ सके। इस प्रकार बैंक को लुटने से बचा लिया गया। श्री तिवारी की बहादुरी और सक्रिय प्रतिरोध के लिए उन्हें बैंक द्वारा 50,000 रुपये का इनाम मंजूर किया गया।

श्री तिवारी ने अनुकरणीय साहस तथा सूझबूझ का प्रदर्शन किया तथा अपनी जान की परवाह किए बिना बैंक में रखी 1 लाख रुपए से अधिक की नकद राशि को लूटे जाने के प्रयास को विफल कर दिया।

---

2. श्री बासवराज, कर्नाटक
(मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 30 मार्च, 1998)

30 मार्च 1998 को लगभग 10.30 बजे हुडको कालोनी, मुलागुंड रोड, गडग निवासी श्री नामय्या जब अपने घर लौटे तो उन्होंने देखा कि चार अज्ञात व्यक्ति उनके शयनकक्ष से बहुमूल्य वस्तुएं लूट रहे हैं। श्री नागय्या ने सहायता के लिए शोर मचाना शुरू कर दिया। उनका शोर सुनकर बदमाश वहां जमा भीड़ को धमकी देते हुए जाकिर हुसैन कालोनी की ओर भागने लगे। श्री बासवराज नामक दूध वाला श्री नामय्या का शोर सुनकर उनके मकान की तरफ भागा। उसने अभियुक्तों को जाकिर हुसैन कालोनी की ओर भागते देखा तथा बदमाशो का पीछा किया और उन्हें पकड़ने का प्रयास किया, तभी एक बदमाश ने चाकू से उन पर वार कर दिया जिससे उनके पेट में गंभीर जख्म लग गए। घायल बासवराज को के एम सी अस्पताल, हुबली ले जाया गया जहां उन्होंने जख्मो के कारण दम तोड़ दिया।

श्री बासवराज ने डकैतों को पकडने के प्रयास में अनुकरणीय साहस का परिचय दिया और इसके लिए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया।

---

3. श्री योगेश्वर प्रसाद साह, बिहार

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 22 सितंबर, 1998)

22 सितंबर 1998 को सेंट्रल बैंक आफ इंडिया की खगडिया शाखा के सशस्त्र गार्ड श्री योगेश्वर प्रसाद साह 20 लाख रुपये की उस धनराशि की सुरक्षा कर रहे थे जिसे कटिहार शाखा के तिजोरी मे रखने के लिए रेलगाड़ी से लाया जा रहा था। अचानक सात-आठ डकैत कम्पार्टमेंट में घुस आए और श्री साह को बचाव/प्रतिक्रिया का अवसर दिए बिना उन पर टूट पडे। उनमें से एक ने अपनी रिवाल्वर से श्री साह पर बिल्कुल नजदीक से फायर कर दिया। गोली उनकी बायीं कनपटी में जा घुसी और उनकी बायीं आंख बुरी तरह जख्मी हो गई।

बुरी तरह से खून बहने के बावजूद श्री साह ने स्वयं को बचाया और डकैतों को गुमराह करते हुए बताया कि कैश बाक्स दूसरे स्थान/कंपार्टमेंट में रखा हुआ है जबकि कैश बाक्स उनकी सीट के नीचे ही रखा हुआ था। कैश बाक्स वहां न पाकर डकैत फिर लौटकर आए और कैश बाक्स बताने के लिए उन्हें घसीटकर ले गए। उन्होंने न केवल डकैतों का प्रतिरोध किया बल्कि उन्हें कैश बाक्स और अन्य कर्मचारियों (कैशियर और बन्दूकों) के बारे में भी कुछ नहीं बताया जो कि कैश बाक्स के साथ उनके सामने ही बैठे हुए थे।

इस पर डकैतो ने दहशत पैदा करने के लिए एक बम विस्फोट किया। इस हंगामे के कारण रेल रोक दी और बगल के कंपार्टमेंट से रेलवे सुरक्षा बल और क्रुद्ध यात्रियो ने वहा आकर बदमाशों का पीछा किया और उन्हें पकड़ लिया तथा रेलवे सुरक्षा बल द्वारा की गई गोलीबारी मे एक अन्य बदमाश मारा गया। बैंक ने श्री साह

0,000 रुपये का नकद इनाम तथा स्थायी आधार पर तीन अग्रिम वेतनवृद्धियां मंजूर की।

श्री योगेश्वर प्रसाद साह ने अपनी आंख के गंभीर जख्म और अत्यधिक खून बहने के बावजूद उत्कृष्ट दूरी और अनुकरणीय सूझ बूझ का परिचय दिया जिसके परिणामस्वरूप 20 लाख रुपये का सरकारी धन और योगी कर्मचारी बदमाशों के हमले से बच गए।

---

4. जे सी — 155660 सूबेदार ओम प्रकाश, 18 राजपूताना राइफल्स (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 25 दिसंबर, 1998)

जम्मू कश्मीर के राजौरी जिले में माला गांव में चार आतंकवादियों के छिपे होने की सूचना मिलने पर 25 दिसंबर, 98 को सैन्य कार्रवाई आरंभ की गई।

सूबेदार ओम प्रकाश घेराबंदी में तैनात थे। उन्होंने देखा कि दो आतंकवादी जंगल की तरफ निकल भागने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने तुरंत प्लाटून को पुनः व्यवस्थित किया। उनकी तुरतबुद्धि के कारण आतंकवादियों को घेर लिया गया। सूबेदार ओम प्रकाश ने आगे–आगे रहते हुए एक आतंकी को जख्मी कर दिया किन्तु इस कार्रवाई के दौरान वे गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जख्मी होने और अत्यधिक खून बहते जाने के बावजूद उन्होंने अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए दूसरे आतंकवादी का पीछा किया और बहुत निकट की भिडंत में उसे भी मार गिराया। उसके बाद वे अपने जख्मो के कारण स्वयं भी वीरगति को प्राप्त हो गए। इस कार्रवाई के कारण भाड़े के दुर्दांत विदेशी आतंकवादियों का सफाया हो गया और बड़ी मात्रा में शस्त्र व गोलाबारूद बरामद कर लिए गए।

सूबेदार ओम प्रकाश ने उत्कृष्ट वीरता और अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन किया। वे बड़ी बहादुरी से लड़े और भारतीय सेना की सर्वोच्च परंपराओं के अनुरूप अपने जीवन का बलिदान दिया।

---

5. 2488120 सिपाही सुरजीत सिंह, 20 पंजाब (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 05 फरवरी, 1999)

सिपाही सुरजीत सिंह उस टोली में शामिल थे जिसने 5 फरवरी, 99 को जम्मू–कश्मीर मे सोनचल गाव में उस मकान की घेराबंदी की थी जिसमे चार आतंकवादियों का एक दल छिपा बैठा था।

सिपाही सुरजीत सिंह ने आतंकवादियों को वहां से बाहर निकालने के लिए अपने साथियों के साथ उस

मकान पर गोलीबारी कर दी। दोनों ओर से भीषण गोलीबारी हुई और जब आतंकवादियों ने अपने को घिरता हुआ पाया तो वे मकान से बाहर भागने लगे। सिपाही सुरजीत सिंह ने जब एक आतंकवादी को गांव की ओर भागते देखा तो उसका पीछा करने लगे। सिपाही सुरजीत सिंह यह भांपते हुए कि वह आतंकवादी एक मकान के पीछे छिपा हुआ है, उसकी छत पर चढ़ गए और ए के 47 राइफल तथा ग्रेनेड से उस पर हमला कर दिया, तभी उन्होने उस आतंकवादी को, अन्य तीन आतंकवादियों का पीछा कर रहे अपने सैन्य दल पर गोलियां चलाते देखा। अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए सिपाही सुरजीत सिंह इस आतंकवादी को अपने सैन्य दल पर गोलियां चलाने से रोकने के लिए छत के किनारे तक आ गए। दोनों ओर से बहुत नजदीक से हुई भीषण गोलीबारी में सिपाही सुरजीत सिंह को कई गोलियां लग गईं। गंभीर रूप से जख्मी होने के बावजूद सिपाही सुरजीत सिंह अपने प्राण न्यौछावर करने से पहले तक उस आतंकवादी पर गोलीबारी करते रहे और उसे मार गिराया। उनके बलिदान से उनके साथियों को प्रेरणा मिली जिससे बाद में दिन में तीन अन्य आतंकवादियों का सफाया कर दिया गया और बड़ी मात्रा में शस्त्र व गोलाबारूद तथा संवेदनशील दस्तावेज बरामद कर लिए गए।

सिपाही सुरजीत सिंह ने घातक रूप से जख्मी हो जाने के बावजूद असाधारण कोटि की वीरता और अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन किया और एक दुर्दांत आतंकवादी को मार गिराया गया।

---

6. 5452662 राइफलमैन राम बहादुर थापा, 5/5 गोरखा राइफल (फ्रंटियर फोर्सेज) (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 02 मार्च, 1999)

02 मार्च, 1999 को एक सूत्र द्वारा खोइरुंग मुल नामक गांव में विद्रोहियों के मौजूद होने की सूचना के आधार पर वहां छापा मारा गया। इस छापामार कार्रवाई दल में राइफल मैन राम बहादुर थापा शामिल थे।

लगभग 1015 बजे जब उनका सेक्शन कुछ संदिग्ध मकानों की ओर बढ़ रहा था तभी उन पर भारी गोलीबारी होने लगी। इसका तुरंत जवाब दिया गया। राइफलमैन राम बहादुर थापा अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए आगे बढ़े और एक विद्रोही को मौत के घाट उतार दिया। गांव में सघन गोलीबारी के दौरान तीन और विद्रोही मारे गए। तत्पश्चात् गांव के साथ लगे जंगल क्षेत्र मे खोजी कार्रवाई किए जाने का निर्णय लिया गया ताकि वहां छिपे किसी विद्रोही का पता चल सके। राइफलमैन राम बहादुर ने एक बार फिर अपने सेक्शन का नेतृत्व संभाला। इस खोजी कार्रवाई के दौरान घनी झाड़ियों में छिपे बैठे एक विद्रोही ने राइफलमैन राम बहादुर थापा को अपनी ओर बढ़ते देखा। पता लग जाने के डर से उसने राइफलमैन राम बहादुर थापा पर गोली चला दी और उन्हें बुरी तरह जख्मी कर दिया।

राइफलमैन राम बहादुर थापा ने तुरत गोलीबारी का जवाब दिया और अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए 'आयो गोरखाली' का युद्धघोष करते हुए उस विद्रोही पर हमला कर उसे गोलियों से भूल डाला। उसके बाद अत्यधिक रक्त बहने के कारण वे गिर पडे। उन्हें तत्काल एडवांस ड्रेसिंग स्टेशन ले जाया गया, जहां अपने जख्मों के कारण वे वीरगति को प्राप्त हुए।

राइफलमैन राम बहादुर थापा ने अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन किया और सेना की परंपराओं का पालन करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

---

7. सहायक कमांडेंट करतार सिंह (ए आर–180) 19 असम राइफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 09 मार्च, 1999)

09 मार्च, 1999 को सहायक कमांडेंट करतार सिंह ने त्रिपुरा में डोगोगबाड़ी में उग्रवादियों की गतिविधियों के बारे में मिली सूचना के आधार पर घात टुकड़ी को तैनात कर दिया। कमांडेंट सिंह 1930 बजे बीस सैनिकों के साथ प्रस्तावित घात स्थल, बन्धू ब्रिज पर पहुँच गए। प्रत्येक सैनिक को विस्तृत आदेश दिए गए। आक्रमण स्थल की सुरक्षा मजबूत करने के लिए केले के पेड़ के तनों का इस्तेमाल किया गया। इन्होंने अचानक हमला करने के उद्देश्य से सिविलियनों के दो समूह को उस रास्ते से आने की अनुमति दी। 2230 बजे, अत्याधिक शस्त्रों से लैस 60 उग्रवादियों का एक दल घात स्थल पर आ गया। सहायक कमांडेंट करतार सिंह अपने सभी शस्त्रों के साथ घात स्थल पर झपट पड़े, जिससे कई आतंकवादी हताहत हो गए।

उग्रवादियों ने इसके जवाब में भारी गोलीबारी की। अपनी सुरक्षा की तनिक भी परवाह न करते हुए सहायक कमांडेंट करतार सिंह ने रेंगते हुए उग्रवादियों पर ग्रेनेड फेंककर दो को मार गिराया। आतंकवादियों द्वारा की जा रही निरंतर तथा कारगर गोलीबारी के समक्ष उनके अडिग साहस ने इनके सैनिकों को उग्रवादियों पर आक्रमण करने के लिए प्रेरित किया। जिससे उग्रवादी अपनी पोजीशन, भारी मात्रा में हथियार व गोला बारूद तथा अपने साथियों के शव छोड़कर भागने के लिए मजबूर हो गए। इस सैन्य कार्रवाई में आठ उग्रवादी मारे गए तथा ग्यारह अत्याधुनिक हथियार बरामद किए गए।

इस प्रकार सहायक कमांडेंट करतार सिंह ने अनुकरणीय वीरता और कर्तव्य से बढ़कर समर्पण भावना का प्रदर्शन किया।

---

8. 193499 राइफलमैन जयन्त कुमार राभा, 19 असम राइफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 09 मार्च, 1999)

09 मार्च, 1999 को राइफलमैन जयन्त कुमार राभा घात टुकड़ी में रोधी के रूप में एक पेड़ के पीछे तैनात किए गए थे, जो कि उस रास्ते से एक–दो फुट की दूरी पर था जहां से आतंकवादियों के गुजरने की संभावना थी।

रात को लगभग 2230 बजे राइफलमैन जयन्त कुमार राभा ने 60 सशस्त्र आतंकवादियों के एक दस्ते को घात की ओर आते देखा। घात दल हरकत में आ गया। दल की पोजीशन को पहचानते हुए आतंकवादियों ने उस

पर गोलियों की भारी बौछार कर दी। दोनों ओर से हुई इस गोलीबारी में राइफलमैन राभा के बाएं बाजू में एक गोली लग गई। तीन आतंकवादियों ने उनकी पोजीशन पर हमला कर दिया। अपनी सुरक्षा की तनिक भी परवाह न करते हुए और अपने जख्मों से विचलित हुए बिना उन्होंने दो आतंकवादियों को वहीं मार गिराया जबकि एक उन पर झपट पड़ा। उन्होंने अपने शस्त्र के बट्ट से उसके सिर पर प्रहार किया। गंभीर रूप से जख्मी होने तथा बहुत सा खून बहते जाने के बावजूद वे 10 मार्च, 99 को 0030 बजे वहां से हटाए जाते समय तक आतंकवादियों से जूझते रहे।

इस पूरी कार्रवाई के दौरान राइफलमैन जयन्त कुमार राभा ने वीरता व दायित्व से बढ़कर कर्त्तव्यनिष्ठा का प्रदर्शन किया। इस कार्रवाई में आठ आतंकवादी मारे गए, तीन पकड़ लिए गए और ग्यारह अत्यंत उन्नत शस्त्र बरामद किए गए।

राइफलमैन जयन्त कुमार राभा ने वीरता और दायित्व से बढ़कर समर्पण भावना का प्रदर्शन किया।

---

9. मेजर संग्राम सिंह (एस एस 36034) 10 पैरा (विशेष बल)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 16 मार्च, 1999)

मेजर संग्राम सिंह बोबान घाटसर के जंगलों में उग्रवादी ठिकाने पर छापा मारने वाले दल का नेतृत्व कर रहे थे।

16 मार्च, 1999 को लगभग 1000 बजे एक पैराट्रूपर ने एक उग्रवादी को देखा और उसे मार गिराया। गोलियों की आवाज सुनकर चार उग्रवादी अंधाधुंध गोलियां बरसाते हुए अपने ठिकाने से बाहर निकल आए। गोली चलने की आवाज सुनकर मेजर संग्राम सिंह, जो अभी तक स्टाफ पोजीशन संभालने में लगे हुए थे, उग्रवादियों के ठिकाने की ओर भागे। अचानक ही जंगल से निकल रहे उग्रवादियों से इनका सामना हो गया तथा उग्रवादियों ने इन पर धावा बोल दिया।

अपनी सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह न करते हुए तथा अतुलनीय साहस का परिचय देते हुए मेजर संग्राम सिंह घुटनों के बल बैठकर अपनी राइफल से उग्रवादियों पर गोलियां बरसाने लगे, जिससे तीन उग्रवादी मारे गए तथा चौथे उग्रवादी ने घायल होने पर एक पेड़ की आड़ ले ली।

निडर मेजर संग्राम सिंह घायल उग्रवादी की ओर बढ़े। लड़ते हुए मरने की कोशिश में उग्रवादी ने अल्लाह–ओ–अकबर कहते हुए मेजर संग्राम सिंह के ऊपर छलांग लगा दी। मेजर संग्राम सिंह पहाड़ी की ओर लुढ़क गए। उस भाड़े के सैनिक से हो रही भिड़ंत के चलते इन्होंने अपना खंजर निकाल लिया तथा गुत्थम–गुत्था मुठभेड़ में उसे मारा गिराया।

मेजर संग्राम सिंह ने व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह न करते हुए अटल साहस का अनुकरणीय प्रदर्शन किया।

10. लेफ्टिनेंट दीपक सिंह पठानिया (04004—जेड)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 16 मार्च, 1999)

16 मार्च, 1999 को लेफ्टिनेंट दीपक सिंह पठानिया जो 10 पैरा (एस एफ) के साथ समुद्री कमांडो टुकड़ी के टीम कमांडर के रूप में कार्य कर रहे थे, जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में आपरेशन रक्षक के तहत बोबन वास्टर के घने जंगल में आतंकवादियों के ठिकाने पर रात को की जाने वाली छापामार कार्रवाई में तैनात थे। यह छापामार दल आक्रमण और सहायता वाली दो टुकड़ियों में बांटा गया और इस अफसर ने आतंकवादियों को उनके ठिकाने से बाहर निकालने के लिए स्वयं आक्रमण टुकड़ी का नेतृत्व संभाल लिया।

ज्यों ही आक्रामक टुकड़ी आतंकवादियों के ठिकाने की ओर बढ़ी तभी उन पर आतंकवादियों ने भारी गोलीबारी आरंभ कर दी। लेफ्टिनेंट पठानिया ने तुरंत अपने दल को आड़ के लिए जमीन पर लेट जाने का आदेश दिया और प्रचंड साहस व बिजली की सी गति का प्रदर्शन करते हुए स्वयं ए. के—47 राइफल लेकर आतंकवादियों से भिड़ गए। इस अफसर के तत्काल प्रति आक्रमण से आतंकवादी हक्के—बक्के रह गए और लेफ्टिनेंट पठानिया की गोलियों की बौछार से आतंकवादियों का एल एम जी आपरेटर मारा गया। उनकी आक्रामक टुकड़ी ने एक अन्य आतंकवादी को भी मार गिराया।

यह समझते हुए कि उनकी आक्रामक टुकड़ी अभी भी शत्रु की गोलीबारी से सुरक्षित नहीं है, इस अफसर ने सहायता टुकड़ी को दूसरी ओर से आतंकवादियों पर आक्रमण करने का आदेश दिया। उनके इस सही व समय पर लिए गए निर्णय से न केवल आक्रामक टुकड़ी का कोई भी जवान हताहत होने से बच गया अपितु इसके कारण आतंकवादी साथ के नाले से भागने को मजबूर हो गए। उन्हें रोकने के लिए ले. पठानिया ने अपनी टुकड़ी को उन पर सघन गोलीबारी करते रहने का आदेश दिया। उनके ऊपर से हो रही दोनों ओर की सघन गोलीबारी की परवाह न करते हुए ये आतंकवादियों से स्वयं लोहा लेने के लिए चुपचाप रेंगते हुए नाले की ओर बढ़े।

नाले पर पहुँचकर उन्होंने अदम्य साहस और बिजली की गति का प्रदर्शन करते हुए एक नजदीकी साहसपूर्ण भिड़ंत में दो अफगानी आतंकवादियों को भून डाला। तभी तीसरा आतंकवादी अपने दो साथियों की मौत का बदला लेने के लिए लेफ्टिनेंट पठानिया पर झपटा। इस अफसर ने प्रशंसनीय सूझबूझ तथा अतुलनीय दृढ़ता का प्रदर्शन करते हुए बिल्कुल नजदीक से अचूक निशाना साधकर अपनी ओर बढ़ते हुए आतंकवादी के सिर पर गोली मारकर उसे मौत के घाट उतार दिया।

इस प्रकार इस खूनी भिड़ंत के दौरान लेफ्टिनेंट दीपक सिंह पठानिया ने जबरदस्त धैर्य, अदम्य साहस और उत्कृष्ट वीरता का परिचय देते हुए न केवल अपनी आक्रामक टुकड़ी की रक्षा की अपितु चार दुर्दांत अफगानी आतंकवादियों को मार गिराया।

11. मेजर संजीव भट्टी (आई सी–40840) सेना मेडल
4 ग्रेनेडियर्स, 12 राष्ट्रीय राइफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 21 अप्रैल, 1999)

मेजर संजीव भट्टी राष्ट्रीय राइफल्स यूनिट में कम्पनी कमांडर के रूप में कार्य कर रहे थे।

21 अप्रैल 1999 को 0800 बजे ऊपरी थपनारी में विदेशी उग्रवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर ये तत्काल एक दल को लेकर अत्यंत ऊँचे पहाड़ी क्षेत्रों से होते हुए उस ओर चल पड़े। उस क्षेत्र की तलाशी के दौरान एक विदेशी उग्रवादी ने अचानक गोलियों की बौछार करते हुए मेजर संजीव भट्टी पर एक ग्रेनेड फेंक दिया, जिससे ये बाल–बाल बच गए। काफी खतरा होने के बावजूद इस अफसर को लगा कि उग्रवादी एक ग्रेनेडियर को मार देंगे। अपनी सुरक्षा तथा गोलियों की बौछार की परवाह किए बिना इस अफसर ने साढ़े के विदेशी सैनिक का ध्यान अपनी ओर करने के लिए उसे ललकारा तथा उस पर गोलियां बरसा दीं और इस तरह बहुत ही निकट से उसे मार गिराया। इसी बीच, दूसरा उग्रवादी लगातार गोलियां बरसाता हुआ भाग कर एक सुरक्षित स्थान पर पहुँच गया। इस अफसर ने अकेले ही व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए भारी खतरे के बावजूद उसका पीछा करके उस पर ग्रेनेड फेंका तथा उग्रवादी के पास पहुंचकर उसे बहुत ही निकट से मार गिराया। तीसरा उग्रवादी बचने के लिए एक नाले की ओर भागा। इस वीर अफसर की अचूक गोलीबारी से वह वहीं असहाय रह गया। इस प्रकार तीसरे आतंकवादी को भी मार गिराने में उन्होंने सहयोग दिया।

मेजर संजीव भट्टी, सेना मेडल ने अपने साथी की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए तथा सेना की श्रेष्ठ परम्पराओं के अनुरूप अनुकरणीय नेतृत्व का प्रदर्शन करते हुए असाधारण कोटि के प्रचंड साहस का प्रदर्शन किया।

---

12. 5 245388 लांस हवलदार देव बहादुर थापा
1/3 गोरखा राइफल्स
(मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 21 अप्रैल, 1999)

21 अप्रैल, 1999 को लांस हवलदार देव बहादुर थापा के नेतृत्व वाले खोजी दल पर पुतुशाई के जंगल में खोजी कार्रवाई के दौरान, आतंकवादियों के एक दल ने गोलीबारी कर दी। दल के कमांडर ने तुरंत इस गोलीबारी का जवाब देने का आदेश दिया। स्वचालित हथियारों से लैस आतंकवादियों ने तीन दिशाओं से भारी व अचूक गोलीबारी करके उनके दल को बांध सा दिया।

लांस हवलदार देव बहादुर थापा ने स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए और अपनी पश्चिमी दिशा में दो आतंकवादियों को देखकर एक 84 मि. मी. का भरा हुआ राकेट लांचर उठाया और अपने पश्चिमी दिशा में 200 मीटर रेंगते हुए उनके पीछे जा पहुँचे। जैसे ही वे आक्रमण करने के लिए तैयार हुए कि पीका गन से चलाई गई गोलियों की बौछार उनकी दायीं जंघा पर आ लगी और उनका राकेट लांचर लगभग 15 गज दूर जा गिरा। अत्यधिक रक्त

बहने और तेजी से चेतनाशून्य होते जाने के बावजूद अति मानवीय शक्ति का प्रदर्शन करते हुए अंतिम प्रयास कर किसी तरह वे अपने 84 मि. मी. राकेट लांचर तक पहुँच गए और बैठे–बैठे ही पोजीशन लेकर आक्रमण कर उन दोनों आतंकवादियों की धज्जियाँ उड़ा दीं। सुरक्षित स्थान पर ले जाते समय अपने जख्मों के कारण यह वीर सैनिक वीरगति को प्राप्त हो गया।

लांस हवलदार देव बहादुर थापा ने दुर्दांत विदेशी आतंकवादियों के सम्मुख उच्चतम कोटि की वीरता का प्रदर्शन किया।

---

13. मेजर विनय चौधरी (आई सी–50228), 13 पंजाब (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 29 अप्रैल, 1999)

मेजर विनय चौधरी ने पुलवामा (जम्मू तथा कश्मीर) में आसूचना का जटिल जाल बिछा लिया था। 29 अप्रैल, 1999 को उनको गांव तकिया में उग्रवादियों की मौजूदगी के बारे में पक्की सूचना मिली। उन्होंने तत्काल अपनी सैन्य टुकड़ी का नेतृत्व किया और 1500 बजे तक मकानों के समूह के चारों ओर कड़ी घेराबंदी कर दी। उग्रवादियों से संपर्क किया गया और 1535 बजे इस अफसर ने एक उग्रवादी को घेराबंदी पर कारगर गोलीबारी करते हुए देख लिया। उत्कृष्ट निशानेबाजी का प्रदर्शन करते हुए मेजर विनय चौधरी ने पहले उग्रवादी को मार गिराया। इसके बाद आमने–सामने की लड़ाई में यह अफसर गोलियां बरसाता हुआ रेंगते हुए एक सुरक्षित स्थान पर पहुँच गया और दूसरे उग्रवादी को मार गिराया। यह अफसर जब तीसरे उग्रवादी की ओर थोड़ा–थोड़ा खिसक रहा था तभी उसकी दाहिनी जांघ में गोली आ लगी। उन्होंने अपने घाव की परवाह नहीं की और अपने साथियों के लिए खतरा महसूस करके उन्होंने अनुकरणीय साहस तथा उत्कृष्ट वीरता का प्रदर्शन करते हुए मकान की ओर धावा बोल दिया और तीसरे उग्रवादी को बहुत निकट से मार गिराया। बाद में अपने जख्मों के कारण वे वीरगति को प्राप्त हुए।

मेजर विनय चौधरी ने अनुकरणीय पहलशक्ति, आश्चर्यजनक तत्परता, उत्साह तथा कर्त्तव्य से बढ़कर अतुलनीय साहस का परिचय दिया तथा अपने साथियों के प्राण बचाते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया।

---

14. 9088192 नायक प्रदीप सिंह 8 जम्मू–कश्मीर लाइट इन्फैंट्री

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 07 मई, 1999)

नायक प्रदीप सिंह, जम्मू कश्मीर के पुंछ में सिलौनियां में 07 मई 1999 को शुरू की गई सैन्य कार्रवाई मे शामिल होने के स्वेच्छा से आगे आए।

ज्यों ही सैन्य बल लक्षित मकान के निकट पहुंचे आतंकवादियों ने गोलियां चलानी शुरू कर दीं और देखते ही देखते इस क्षेत्र में दोनों ओर से भारी गोलीबारी होने लगी। जिस मकान में आतंकवादी छिपे बैठे थे उसकी छत पर एक विस्फोट किया गया जिससे वहां छिपे बैठे सभी छह आतंकवादी भागने पर मजबूर हो गए। उनमें से दो आतंकवादी अपनी ए. के. राइफलों से अंधाधुंध गोलियां बरसाते हुए घने पेड़ों की तरफ से होकर भागने लगे। नायक प्रदीप सिंह ने उन्हें देख लिया और अपनी जान की परवाह न करते हुए उन्हें रोकने के लिए भागकर दूसरी पोजीशन ले ली। उस पोजीशन में वे अकेले ही पूरे धैर्य से उन पर नजरें गड़ाए रहे और उन्हें नजदीक आने दिया। नायक प्रदीप सिंह की वहां मौजूदगी से बेखबर जब आतंकवादी गोलियों की बौछार करते–करते उनके लगभग 5–10 मीटर की दूरी पर आ गए तो नायक प्रदीप सिंह ने पूरा संयम रखते हुए प्रचंड साहस का प्रदर्शन किया और अपनी आड़ से बाहर निकलकर दोनों आतंकवादियों को गोलियों से भून डाला। इस नॉन कमीशन अफसर ने विरली सूझबूझ और दायित्व से बढ़कर साहस का प्रदर्शन किया जिसके परिणामस्वरूप दो आतंकवादी मार गिराए गए।

नायक प्रदीप सिंह ने आतंकवादियों का मुकाबला करते हुए उत्कृष्ट और अटल साहस का प्रदर्शन किया।

---

15. 3986604 लांस नायक मलुक चंद, 16 डोगरा
(मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 10 मई, 1999)

10 मई, 1999 को जम्मू कश्मीर में जनरल एरिया स्वारी में थोड़े से सैनिकों को लेकर आरंभ किए गए खोज और सफाया मिशन में लांस नायक मलुक चंद भी शामिल थे।

दस्ते द्वारा घेरे गये कृत संकल्प आतंकवादियों ने इस दस्ते पर भीषण गोलीबारी कर दी। खुले क्षेत्र में हो रही भीषण गोलीबारी में बिना आड़ के मौजूद सभी सैनिकों पर गंभीर खतरा मंडराने लगा। लांस नायक मलुक चंद ने असाधारण कल्पनाशक्ति व सूझबूझ के साथ अपनी एल एम जी से तुरंत जवाबी आक्रमण कर दिया जिससे उनके दस्ते पर आया एक महासंकट टल गया। सुरक्षित स्थान तक भी पहुंचने का समय न मिलता देख वे अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए गोलीबारी करते रहे। इस तरह आतंकवादियों का ध्यान उनकी ओर चला गया। उन्होंने भयंकर गोलीबारी करके अपना सारा क्रोध उन्हीं पर उतारना आरंभ कर दिया। लांस नायक मलुक चंद उनकी गोलियों की बौछार का मजबूती से मुकाबला करते रहे जिसमें उनके साथियों कोपोजीशन लेने का समय मिल गया। अब उनका वहां ठहरना खतरनाक हो गया फिर भी उन्होंने वहां से निकलनेसे इनकार कर दिया। एक गोली उनके गले पर आ लगी। गंभीर रूप से घायल होने, असहनीय पीड़ा व अत्यत रक्त बहने के बावजूद उन्होंने अपने साथियों की सुरक्षा सुनिश्चित कर ली थी। फिर वे आतंकवादियों पर टूट पड़े। आतंकवादियों ने बदहवासी में भागना शुरू कर दिया। अपनी शारीरिक शक्ति चुकते जाने व दृष्टि धुंधली पड़ते जाने के बावजूद उन्होंने नजदीकी भिड़ंत में एक आतंकवादी को मार गिराया। इस बहादुर सैनिक ने सर्वोच्च बलिदान देने से पहले तक अपने अंतिम क्षणों में भी अंतिम आतंकवादी के भागने की दिशा की ओर संकेत किया।

लांस नायक मलुक चंद ने अतुलनीय वीरता तथा दायित्व से बढ़कर समर्पण भावना का प्रदर्शन किया।

16. मेजर मनीष मिश्रा (आई सी – 51280)
5 जम्मू तथा कश्मीर लाइट इन्फैंट्री

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 06 जून, 1999)

मेजर मनीष मिश्रा ने अथक परिश्रम तथा बहुत ही सावधानी से भारत–भूटान सीमा के निकट अत्यधिक ऊबड़–खाबड़ भू–भाग में उल्फा उग्रवादियों की गतिविधियों का पता लगाया। इस अफसर ने सावधानी तथा साहस के साथ सैन्य कार्रवाई की योजना बनाई तथा 04 जून, 1999 को दाओधरा में योजनानुसार कार्रवाई शुरू कर दी जो 72 घंटे तक चली।

48 घंटे तक धैर्यपूर्ण प्रतीक्षा करने के बाद 06 जून, 1999 को लगभग 1000 बजे चार उग्रवादी नजर आए। जब उग्रवादियों को ललकारा गया तो उन्होंने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इस मुठभेड़ में एक उग्रवादी मारा गया, जबकि अन्य उग्रवादियों ने भागने का प्रयास किया। एक उग्रवादी एक तीव्र प्रवाहित नदी में कूद पड़ा।

यह अफसर भी अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए तथा गोलियों की बौछार से निर्भय होकर सहज ही उस नदी में कूद पड़ा। दोनों में गुत्थम–गुत्था होने लगी। इस अफसर ने अतुलनीय वीरता का प्रदर्शन करते हुए उस उग्रवादी को दबोच लिया तथा अंततः उसे मार गिराया। इस अत्यंत सफल कार्रवाई में तीन बड़े उग्रवादी मारे गए तथा 28 राउंड गोलीबारूद बरामद किया गया।

मेजर मनीष मिश्रा ने आतंकवादियों की गोलीबारी के समक्ष अतुलनीय साहस तथा उत्कृष्ट वीरता का प्रदर्शन किया।

---

17. लेफ्टिनेंट कर्नल नटराज विजय राघवन (आई सी–40300) सेना मेडल, 15 कुमाऊं (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 24 जून, 1999)

24 जून 1999 को 1330 बजे लेफ्टिनेंट कर्नल नटराज विजय राघवन को दो उग्रवादियों की गतिविधियों के बारे में सूचना मिली। वे एक छोटे दल को साथ लेकर तत्काल ही निर्धारित क्षेत्र की ओर चल पड़े।

रास्ते में, उनका दल उग्रवादियों की सघन गोलीबारी की चपेट में आ गया। उन्होंने उग्रवादियों को भागने से रोकने के लिए अपने सैनिकों को तुरंत तैनात किया और अपने तीन जवानों को लेकर आठ मीटर ऊँची खड़ी उस चट्टान के पीछे आ गए जहां से बड़े–बड़े पत्थरों का वह ढेर दिखलाई पड़ रहा था जहां उग्रवादी छिपे हुए थे। उनकी फंसी हुई पार्टी पर एक उग्रवादी ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। अपने मातहतों के लिए भारी खतरा भांप कर लेफ्टिनेंट कर्नल नटराज विजय राघवन अपनी सुरक्षा की तनिक भी परवाह न करते हुए तथा साहसिक कार्रवाई करते हुए खड़ी चट्टान से लुढ़ककर अकेले ही उस उग्रवादी पर टूट पड़े और मौके पर ही उसे मार गिराया। एक पत्थर के पीछे छिपे दूसरे उग्रवादी ने उनकी छाती पर गोली दागकर उन्हें जख्मी कर दिया। गंभीर रूप से

जख्मी हो जाने के बावजूद वे गोलीबारी करते हुए उस उग्रवादी की ओर बढ़ते रहे। आमने-सामने की भयंकर लड़ाई में उग्रवादी ने उन पर पुनः गोली दाग दी, जो बहुत ही घातक सिद्ध हुई। वीरगति को प्राप्त होने से पहले उन्होंने दूसरे उग्रवादी को भी मार गिराया।

इस प्रकार लेफ्टिनेंट कर्नल नटराज विजय राघवन ने असाधारण वीरता, प्रचंड साहस, अनुकरणीय नेतृत्व का प्रदर्शन किया और सर्वोच्च बलिदान दिया।

---

16. 2600934 सिपाही जे वीरभद्रुडु, 28 मद्रास

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 22 जुलाई, 1999)

सिपाही जे वीरभद्रुडु उस टोली में शामिल थे जिसे जम्मू कश्मीर के उड़ी सैक्टर में अत्यंत उग्र सैन्य कार्रवाई की दृष्टि से प्रतिकूल भूभाग में आतंकवादियों की खोज व उनके सफाए का कार्य सौंपा गया था।

22 जुलाई 1999 को सुबह के लगभग 0430 बजे इस दल का आतंकवादियों से सामना हो गया। आतंकवादियों ने दल पर प्रभावी गोलीबारी कर दी और भाग निकले। सिपाही जे वीरभद्रुडु अपने कंपनी कमांडर के साथ भागते हुए आतंकवादियों की ओर दौड़े। हताश आतंकवादियों को जब भागने के रास्ते बंद होने का आभास हुआ तो वे एक गुफा में जा घुसे और अपनी ओर आते दल पर प्रभावी आक्रमण कर दिया। सिपाही जे वीरभद्रुडु रेंगते हुए आतंकवादियों के ठिकाने की ओर बढ़े और उन पर प्रभावी गोलीबारी शुरू कर दी।

सिपाही जे वीरभद्रुडु ने जब देखा कि एक आतंकवादी उन पर ग्रेनेड फेंकने की कोशिश कर रहा है तो उन्होंने तुरंत उस पर गोलियाँ दागते हुए उसे तत्काल वहीं ढेर कर दिया। एक अन्य आतंकवादी ने हताशा में उनके अफसर तथा सिपाही जे वीरभद्रुडु पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। सिपाही वीरभद्रुडु ने तत्क्षण सूझबूझ का परिचय देते हुए एक पेड़ की आड़ ले ली और गोलियों की बौछार करते हुए उस आतंकवादी को निशाना बना दिया। जब सिपाही जे वीरभद्रुडु बेहतर पोजीशन वाले स्थान की ओर रेंगते हुए आगे बढ़ रहे थे तभी आतंकवादियों द्वारा चलाई गई एक गोली से जख्मी हो गए। अपने घाव की परवाह न करते हुए उन्होंने आतंकवादियों पर गोलीबारी जारी रखी और अपनी पोजीशन से हटने से इंकार कर दिया। उन्होंने दूसरे आतंकवादी पर एक ग्रेनेड फेंका तथा प्रभावी गोलीबारी करते हुए उसे मार गिराया।

उन्होंने अपने कंपनी कमांडर पर गोलीबारी कर रहे तीसरे आतंकवादी पर भी प्रभावी गोलीबारी करते हुए उसे निशाना बना दिया। इस बीच उनके कंपनी कमांडर को मौका मिल गया और वे रेंगते हुए आतंकवादियों के ठिकाने के समीप पहुँचे और अंदर ग्रेनेड फेंककर एक आतंकवादी को मार गिराया।

सिपाही जे वीरभद्रुडु ने अत्यन्त साहस, समाधान पहलकदमी तथा अत्यंत उच्च कोटि की उत्कृष्ट बहादुरी का प्रदर्शन किया।

19. जे सी — 224169 सूबेदार मोहन सिंह रावत
गार्ड्स, 21 राष्ट्रीय राइफल

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 08 अगस्त, 1999)

सूबेदार मोहन सिंह रावत ने 08 अगस्त 1999 को जम्मू कश्मीर में शोपियां में एक सैन्य कार्रवाई में भाग लिया।

जैसे ही सैन्य दल ने आतंकवादियों के ठिकाने पर धावा बोला तो आतंकवादियों ने स्वचालित शस्त्रों से भारी गोलीबारी करते हुए, राकेट प्रणोदित गोले दागते हुए और ग्रेनेड लांचरों से आक्रमण करते हुए इस जूनियर कमीशन प्राप्त अफसर के नेतृत्व में खड़े किए गए अवरोधक से निकल भागने का पुरजोर प्रयास किया। अपने अवरोधक से एक भी आतंकवादी को निकलकर न भागने देने के लिए दृढ़ संकल्प सूबेदार मोहन सिंह रावत अपनी सुरक्षा की लेशमात्र भी परवाह न करते हुए अपने जवानों को उत्साहित करने के लिए जैसे ही अपनी आड़ से निकल कर बाहर आए तभी उनकी बायीं बाजू में दो गोलियां लग गईं।

अपने खतरनाक जख्मों के बावजूद सूबेदार मोहन सिंह रावत ने अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए गोलीबारी के स्रोत का पता लगाकर सीधे उस पर धावा बोल दिया। इस वीरतापूर्ण कार्रवाई में उन्होंने दो आतंकवादियों को मार गिराया किन्तु इस बार दो गोलियाँ उनकी बायीं टांग में लग गईं। किन्तु बिना डरे हुए और अपने सैन्य बल के जवानों पर किसी प्रकार का खतरा न आने देने के लिए दृढ़संकल्प इस बहादुर इस सैनिक ने एक हथगोला फेंका और तीसरे आतंकवादी को भी मार गिराया। इसके बाद वे अपने साथियों को एकजुट करते रहे और छाती में गोली लगने तक गोलीबारी करते रहे।

सूबेदार मोहन सिंह रावत ने गोलीबारी के बीच अदम्य साहस प्रेरणादायी नेतृत्व और बार-बार जख्मी होने के बावजूद उन्हें सौंपे गए कार्य को पूरा करने के लिए अटल निश्चय का प्रदर्शन किया।

बरुण मित्रा
बरुण मित्रा
राष्ट्रपति का उप सचिव

सं.073-प्रेज/ 2000 – राष्ट्रपति अति असाधारण कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए निम्नलिखित अधिकारियों को "परम विशिष्ट सेवा मेडल" प्रदान किए जाने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं

1. लेफ्टिनेंट जनरल शैलेन्द्र कुमार भटनागर (आई सी–12405), अ वि से मे, सेना आयुध कोर
2. लेफ्टिनेंट जनरल मलिक राम शर्मा (आई सी–12508) वि से मे इंफैन्ट्री
3. लेफ्टिनेंट जनरल धर्मवीर सिंह (आई सी–12552) अ वि से मे, विद्युत एवं यांत्रिकी इंजीनियर्स
4. लेफ्टिनेंट जनरल युवराज कुमार मेहता (आई सी–12603) अ वि से मे, इंजीनियर्स
5. लेफ्टिनेंट जनरल हिंव रवि सिंह भान (आई सी–12613), अ वि से मे, इंफैन्ट्री
6. लेफ्टिनेंट जनरल सुधीर कुमार (आई सी–12650), सिग्नल्स
7. लेफ्टिनेंट जनरल प्रकाश गोकर्ण (आई सी–12655), अ वि से मे, सिग्नल्स
8. लेफ्टिनेंट जनरल जितेन्द्र स्वरूप भटनागर (आई सी–13021), अ वि से मे, वि से मे, सेना सेवा कोर
9. लेफ्टिनेंट जनरल मलविंदर सिंह शेरगिल (आई सी–13152), अ वि से मे, वीरचक्र, कवचित कोर
10. लेफ्टिनेंट जनरल सुरेन्द्र वीर सिंह कोछड़ (आई सी–13247), अ वि से मे, इंफैन्ट्री
11. लेफ्टिनेंट जनरल सतीश चन्द्र चौपड़ा (आई सी–13663), अ वि से मे, वि से मे, इंफैन्ट्री
12. लेफ्टिनेंट जनरल हरजिंदर सिंह बग्गा (आई सी–13669), वि से मे, इंफैन्ट्री
13. लेफ्टिनेंट जनरल अमरजीत सिंह (आई सी–12627), विद्युत एवं यांत्रिकी इंजीनियर्स
14. लेफ्टिनेंट जनरल रामानंद जायसवाल (एम आर01815), अ वि से मे, आर्मी मेडिकल कोर
15. लेफ्टिनेंट जनरल सतीश चन्द्र वर्मा (एम आर 02482), सेना चिकित्सा कोर
16. वाइस एडमिरल रविन्द्र नाथ गणेश, अ वि से मे, नौ मे (00523–एम)
17. सर्जन वाइस एडमिरल जगदीश चंद्र शर्मा, वि से मे (75524 डब्ल्यु)
18. वाइस एडमिरल प्रमोद चंद्र भसीन, अ वि से मे, वि से मे (50155–एम)
19. एयर मार्शल प्राणनाथ बजाज, अ वि से मे, (6392) एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (यांत्रिक)
20. एयर मार्शल फिलिप राजकुमार, अ वि से मे, वा मे (6748) फ्लाइंग (पायलट)
21. एयर मार्शल सतीश गोविंद इनामदार, वि से मे (7188), फ्लाइंग (पायलट)
22. एयर मार्शल साहब प्रसाद वर्मा, वि से मे (6466) मेडिकल
23. एयर मार्शल सैयद शाहिद हुसैन नक्वी, अ वि से मे, वीर चक्र (7193) फ्लाइंग (पायलट)
24. एयर मार्शल थिरूमिललई रामास्वामी जानकीरमण, अ वि से मे (7058) एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (यांत्रिक)

वरुण मित्रा

(वरुण मित्रा)
राष्ट्रपति का उप सचिव

सं.074-प्रेज / 2000 –राष्ट्रपति, युद्धस्थिति के दौरान असाधारण कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए मेजर जनरल कृष्णमूर्ति नागराज (आई सी–16620), इंफैन्ट्री को "उत्तम युद्ध सेवा मेडल" प्रदान किए जाने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं।

वरुण मित्रा

वरुण मित्रा
राष्ट्रपति का उप सचिव

सं0 75-प्रेज/ 2000 – राष्ट्रपति असाधारण कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए निम्नलिखित कार्मिकों को "अति विशिष्ट सेवा मेडल बार" प्रदान किए जाने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं

1. मेजर जनरल दीपक वर्मा (आई सी–12809) अ वि से मे, तोपखाना
2. ब्रिगेडियर मोहन चंद्र भंडारी (आई सी–17615) अ वि से मे, इंफैन्ट्री

बरुण मित्रा
(बरुण मित्रा)
राष्ट्रपति का उपसचिव

सं0 76-प्रेज/ 2000 – राष्ट्रपति असाधारण कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए निम्नलिखित कार्मिकों को "अति विशिष्ट सेवा मेडल" प्रदान किए जाने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :–

1. लेफ्टिनेंट जनरल शंकर प्रसाद दत्ता (एमआर–01815) सेना चिकित्सा कोर
2. मेजर जनरल रवीन्द्र मोहन चड्ढा (आई सी–13529) इंजीनियर्स
3. मेजर जनरल अनिल साहनी (आई सी–13888) इंजीनियर्स
4. मेजर जनरल मैथियु मैमन (आई सी–15792) वि से मे*, इंजीनियर्स
5. मेजर जनरल सुदेश कुमार कौशल (आई सी–15947) वि से मे, आर्टीलरी
6. मेजर जनरल जोगिन्दर जसवंत सिंह (आई सी–16078) वि से मे, इंफैन्ट्री
7. मेजर जनरल राजिन्दर बिर सिंह (आई सी–16616), यु से मे, इंफैन्ट्री
8. मेजर जनरल भूपेन्द्र सिंह ठाकुर (आई सी–16234) कवचित कोर
9. मेजर जनरल सर्वजीत सिंह चहल (आई सी–18240) वि से मे, इंफैन्ट्री
10. मेजर जनरल वरिन्दर सिंह यादव (आई सी–18241), इंजीनियर्स
11. मेजर जनरल चरनजीत सिंह बरार (आई सी–16281) कवचित कोर
12. मेजर जनरल भूपेन्द्र सिंह (आई सी–16272), इंफैन्ट्री
13. मेजर जनरल तेज स्वरूप पाठक (आई सी–16844), यु से मे*, इंफैन्ट्री
14. मेजर जनरल परिन्दर पाल सिंह बिंद्रा (आई सी–18984) वि से मे, इंफैन्ट्री
15. मेजर जनरल बिट्टियन्डा करिअप्पा बोपन्ना (आई सी–22634) वि से मे, इंफैन्ट्री
16. मेजर जनरल विजय जोशी (एमआर–02033), सेना चिकित्सा कोर
17. ब्रिगेडियर विजय पाल सिंह (आई सी–17131), मिलीट्री फार्मेस
18. ब्रिगेडियर अविनाश वाल्टर रणसे (आई सी–17265), से मे, इंफैन्ट्री
19. ब्रिगेडियर अरूण कुमार चोपड़ा (आई सी–17874), इंफैन्ट्री
20. ब्रिगेडियर रामाकृष्णा साहू (आई सी–17930), इंजीनियर्स
21. ब्रिगेडियर कुलदीप सिंह जामवाल (आई सी–19001), वि से मे*, आर्टिलरी
22. ब्रिगेडियर जगतार सिंह (आई सी–26292), इंफैन्ट्री
23. ब्रिगेडियर गगनजीत सिंह (आई सी–26579), कवचित कोर
24. ब्रिगेडियर दिनेश प्रसाद (एमआर–02349) सेना चिकित्सा कोर
25. कर्नल सिकदर ज्योथिरमोय (एमआर–02967) वि से मे, सेना चिकित्सा कोर
26. रियर एडमिरल संथत पिल्लै (00615–वाई)

27. रियर एडमिरल राजीव पारलीकर, वि से मे (40210–के)
28. रियर एडमिरल अरुण सक्सेना, वि से मे (50180–डब्लयू)
29. रियर एडमिरल अजीत तिवारी, नौ मे (00904–बी)
30. सर्जन रियर एडमिरल हर प्रसाद मुखर्जी, वि से मे (75081–के)
31. रियर एडमिरल रवीन्द्र मोहन क्षेत्रपाल (40292–वाई)
32. रियर एडमिरल कृष्णन नारायणन, वि से मे (50246–टी)
33. एयर मार्शल प्रोतीप कुमार घोष, वि से मे (7108), एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (इलेक्ट्रॉनिक्स)
34. एयर वाइस मार्शल कृष्ण चन्द्र वर्मा, (7583), मैट.
35. एयर वाइस मार्शल सुरेश चन्द्र दोहरा, वि से मे (8713), लॉजिस्टिक्स
36. एयर वाइस मार्शल मनमोहन सहगल, वि से मे (8390), फ्लाइंग (पायलट) (अवकाश प्राप्त)
37. एयर वाइस मार्शल अरुणाचलम साईबाबा (9996), प्रशासन
38. एयर कमोडोर पुल्लाकोरा अम्बालवत्तम हरीमोहन, वा मे, (9723) फ्लाइंग (पायलट)
39. एयर कमोडोर प्रकाश चन्द्र खाडुभाई, वि से मे (10078) एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (यांत्रिक)
40. एयर कमोडोर अवधेश कुमार सिंह, वा मे, वि से मे (11005), फ्लाइंग (पायलट)
41. एयर कमोडोर भूषण नीलकंठ भोखले, वा मे, (11630), फ्लाइंग (पायलट)
42. एयर कमोडोर कंवर दलिन्द्रजीत सिंह (12403), फ्लाइंग (पायलट)
43. ग्रुप कैप्टन बिजेन्दर सिंह सिवाच, वा मे (12413), फ्लाइंग (पायलट)
44. ग्रुप कैप्टन अजय श्रीनिवास कार्निक, वा मे (13140), फ्लाइंग (पायलट)
45. जीओ–0469 एम चीफ इंजीनियर (सिविल) हरभजन सिंह, वि से मे

अरुण मिश्रा

अरुण मिश्रा,
राष्ट्रपति का उप सचिव

सं077-प्रेस /2000–राष्ट्रपति निम्न सैन्य कार्मिकों को युद्धस्थिति के दौरान उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए "युद्ध सेवा मेडल" प्रदान किए जाने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं

1. ब्रिगेडियर गोविन्दर प्रताप सिंह बाजवा (आई सी–28758), इन्फैंट्री
2. कर्नल सेमुअल विक्टर इमेनुअल डेविड (आई सी–32022), बिहार
3. कर्नल सत्यपाल सिंह सहरावत (आई सी–36764), 16 गढ़वाल राइफल्स
4. कर्नल उत्तम सिंह (आई सी–37220), 6 मराठा लाइट इन्फैंट्री
5. कर्नल गोविंद सिंह चंदेल (आई सी–37247), 12 बिहार

बरुण मित्रा
बरुण मित्रा
राष्ट्रपति का उप सचिव

सं076-प्रेस/ 2000–राष्ट्रपति निम्न सैन्य कार्मिकों को उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए "विशिष्ट सेवा मेडल बार" प्रदान किए जाने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं

1. ब्रिगेडियर अविनाश चंद्र घोषड़ा (आई सी–23807), वि से मे, इन्फैंट्री
2. कर्नल ओम प्रकाश नेहरा (आई सी 33267), वि से मे, मद्रास

बरुण मित्रा
बरुण मित्रा
राष्ट्रपति का उप सचिव

सं0 79-प्रेस/2000—राष्ट्रपति निम्न सैन्य कार्मिकों को उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए "विशिष्ट सेवा मेडल" प्रदान किए जाने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं

1. मेजर जनरल जगतार सिंह कांग (आई सी–14080), इंटेलिजेन्स कोर
2. मेजर जनरल गुरशरण सिंह रियार (आई सी–18047), आर्टिलरी
3. मेजर जनरल अरविंद शर्मा (आई सी–16800), इंफैन्ट्री
4. ब्रिगेडियर पुष्पिन्द्र सिंह मान (आई सी–28548), से मे, इंफैन्ट्री, सी आई जे डब्ल्यू स्कूल
5. ब्रिगेडियर दिलीप नेमाजीराव शेलार (आई सी–18848), कवचित कोर
6. ब्रिगेडियर सुदर्शन कुमार बाली (आई सी–18813), आर्टिलरी
7. ब्रिगेडियर जमीर उद्दीन शाह (आई सी–19428), आर्टिलरी
8. ब्रिगेडियर परमेश्वरन पिल्लै राजगोपाल (आई सी–23872), इंफैन्ट्री
9. ब्रिगेडियर नारायण सिंह पठानिया (आई सी–17288), इंफैन्ट्री
10. ब्रिगेडियर बसंत बाबू राव पाटिल (आई सी–28844), एयर डिफेंस आर्टिलरी
11. ब्रिगेडियर अर्दमन जीत सिंह सन्धु (आई सी–17848), आर्टिलरी
12. ब्रिगेडियर नीलकंठा पिल्लै कृष्ण कुमार (आई सी–24344), इन्फैन्ट्री
13. ब्रिगेडियर देवेन्द्र सिंह (आई सी–24635), आर्टिलरी
14. ब्रिगेडियर सतीश चंद्र (आई सी–28900), मेकेनाइज्ड इंफैन्ट्री
15. ब्रिगेडियर राजेन्द्र सिंह मेहता (आई सी–28733), कवचित कोर, 1 राष्ट्रीय राइफल्स
16. ब्रिगेडियर महेन्द्र सिंह डडवाल (आई सी–28776), से मे, इंफैन्ट्री
17. ब्रिगेडियर प्रकाश सिंह चौधरी (आई सी–23030), से मे, इंफैन्ट्री
18. ब्रिगेडियर राजेन्द्र सिंह रावत (आई सी–19386), इंफैन्ट्री
19. ब्रिगेडियर सतीश चन्द्र शर्मा (आई सी–24745), इंफैन्ट्री
20. कर्नल विजय कुमार शर्मा (आई सी–33233), 8 गोरखा, मुख्यालय 8 माउटेन डिवीजन
21. कर्नल राकेश चौधरी (आई सी–34810), गढ़वाल राइफल्स, 14 राष्ट्रीय राइफल्स
22. कर्नल मुरलीधर नेदियुवीतिल (आई सी–34766), 2/8 गोरखा राइफल्स
23. कर्नल गिरिजा शंकर मिश्रा (एम आर 02858), सेना चिकित्सा कोर
24. कर्नल राधा गोविन्द दास (एम आर 03202), सेना चिकित्सा कोर
25. कर्नल विक्रम सिंह (आई सी–25818), सिख लाईट इंफैन्ट्री
26. कर्नल गुरूकुल कांडी बालाकृष्णन नायर (आई सी–25973), इंटेलिजेंस कोर
27. कर्नल रणेन्द्र नारायण चक्रवर्ती (आई सी–36719), सिगनल्स
28. कर्नल मेलाथिकल श्रीनिवास शांतन कृष्णन (आई सी–36905), सेना कवचित कोर
29. कर्नल राजेश पंत (आई सी–27969), सिगनल्स
30. कर्नल विजय कुमार (आई सी–38741), 16 डोगरा
31. कर्नल दर्शन लाल चौधरी (आई सी–33450), जाट
32. कर्नल तल्लमराजु प्रभाकर (एम आर 03619), सेना चिकित्सा कोर
33. कर्नल बेअंत परमार (आई सी–35587), 14 मराठा लाईट इंफैन्ट्री

34. कर्नल विजय यशवंत गिध (आई सी=31809), 14 पंजाब
35. कर्नल रूपेन्द्र सिंह परमार (आई सी=34076), कुमाऊँ, 12 असम राइफल्स
36. कर्नल अमूल्य मोहन (आई सी=34066), 17 असम राइफल्स
37. कर्नल गिरीश कुमार गुज्जाला (आई सी=35584), 21 ग्रेनेडियर्स
38. लेफ्टिनेंट कर्नल विजय कुमार सिन्हा (एम आर=04598), सेना चिकित्सा कोर
39. लेफ्टिनेंट कर्नल निमल साहा (आई सी 39023), से मे, सिगनल्स, एम सी टी ई (मरणोपरांत)
40. लेफ्टिनेंट कर्नल योगेश शर्मा (एम आर=06513), सेना चिकित्सा कोर
41. मेजर योगेश तड़ागी (आई सी=37357), राजपूत
42. जे सी=402206 नायब सूबेदार भंवरलाल डाका, गार्डस
43. कमोडोर विनोद कुमार ठाकुर (80173=एफ)
44 कमोडोर सतीश सदाशिव गोडबोले (40349=ए)
45. कमोडोर सुभाष चंद्र मैनी (01102=बी)
46. कमोडोर गणेश महादेवन (50344=डी)
47. कैप्टन सुनील कृष्णाजी वामले, नौ मे (01188=बी)
48. कैप्टन निरंजन कुमार नादेल्ला (50445=वाई)
49. कैप्टन राजेन्द्र सिंह (01427=डी)
50. कैप्टन एंथनी कुंज आनन्द (50458=वाई)
51. कैप्टन गोपाल हरि सक्सेना (01556=के)
52. कैप्टन उज्जल वीर सिंह ग्रेवाल (01529=जेड)
53. कमांडर प्रवाश चन्द्र मिश्र (40261=ए)
54. सर्जन कमांडर तेजिन्दर सिंह औबेरॉय (75190=के)
55. लेफ्टिनेंट कमांडर (एस डी ए ई) भास्करन शशिधरन पिल्लै (88033=बी)
56. जय नारायण यादव, एम सी एम ई 1, (आ. ले) (069647=डब्ल्यु)
57. सुबराव भोसले, एम सी पी ओ आर (डी ए सी) 1, (092983=ए)
58. शिशुपाल सिंह, एम सी डब्ल्यु एम 1, (200846=जेड)
59. एयर कमोडोर धेकेकरा थॉमस जोब (11507) एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (यांत्रिक)
60. ग्रुप कैप्टन मानविन्दर शमशेर बहादुर सिंह जौहर (12201) फ्लाइंग (पायलट)
61. ग्रुप कैप्टन नाथरेशरी शेखरन रवीन्द्रन (12614) एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (इलैक्ट्रॉनिक्स)
62. ग्रुप कैप्टन विजय शंकर कपानी (12766) फ्लाइंग (पायलट)
63. ग्रुप कैप्टन रणधीर प्रताप (13146) फ्लाइंग (पायलट)
64 ग्रुप कैप्टन वीरेन्द्र नाथ कालिया (13566) फ्लाइंग (पायलट)
65. ग्रुप कैप्टन जानकीरमैया अरूणाचलम् (13725) एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (इलैक्ट्रॉनिक्स)
66 ग्रुप कैप्टन प्रमोद कुमार रॉय, वा मे (14100) फ्लाईंग (पायलट)
67 विंग कमांडर महेश कुमार कपिला (13636) प्रशासन/फ्लाईंग कंट्रोलर
68. विंग कमांडर वेंकटरमण सुब्रमणियन (13673) संभारिकी
69 विंग कमांडर नवीन रतन (14242) मेडिकल

70. विंग कमांडर देवेन्द्र पाल सिंह (14475) प्रशासन
71. विंग कमांडर चितरंजन मोहंती (15084) एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (इलैक्ट्रॉनिक्स)
72. विंग कमांडर गोकुल नाथ (15156) मेडिकल
73. विंग कमांडर विश्वेश्वर बुड्डप्पा गलगली (15272) एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (इलैक्ट्रॉनिक्स)
74. विंग कमांडर हरभजन सिंह (15504) एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (यांत्रिक)
75. स्क्वाड्रन लीडर कुलदीप शर्मा (15541) एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (यांत्रिक)
76. स्क्वाड्रन लीडर शाजी जेकब (16552) प्रशासन
77. स्क्वाड्रन लीडर प्रवीण कुमार एस पाटिल (16951) लॉजिस्टिक्स
78. स्क्वाड्रन लीडर कृष्ण अयंगार रवि (17574) एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (यांत्रिक)
79. स्क्वाड्रन लीडर धर्मापुरम प्रताप (18454) एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (यांत्रिक)
80. स्क्वाड्रन लीडर रमेश जोतिराव औलकर (18830) प्रशासन/ए टी सी
81. स्क्वाड्रन लीडर राजेश पुरोहित (19170) फ्लाइंग (पायलट)
82. 265157 वारंट अफसर गोविंद सिंह राणा, वेपन फिटर
83. 271228 वारंट अफसर गुरदेव सिंह परहार, वेपन फिटर
84. 287595 वारंट अफसर गोपाल कृष्णन नायर, म्यूजीशियन
85. 755526 कारपोरल संजय मल्ल, इंजिन फिटर
86. 756642 कारपोरल सर्वेश कुमार, इंजिन फिटर
87. जी ओ=0705 एम चीफ इंजीनियर विनय कुमार बासु, शौर्य चक्र, सीमा सड़क संगठन
88. जी ओ=0939 डब्ल्यु, निदेशक राजकुमार साहनी, सीमा सड़क संगठन

अरुण सिन्हा
(अरुण सिन्हा)
राष्ट्रपति का सचिव सचिव

सं०080-प्रेज/2000—राष्ट्रपति कर्नल एम श्रीकुमार नायर (आई सी–38154), से. मे. 28 मद्रास, को उनके वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "सेना मेडल बार" प्रदान किए जाने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं।

बरुण मिश्रा
बरुण मिश्रा
राष्ट्रपति का उप सचिव

सं०081-प्रेज/2000—राष्ट्रपति निम्न सैन्य कार्मिकों को असाधारण साहस के लिए "सेना मेडल" प्रदान किए जाने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं

1. कर्नल ऐय्याला सविता कुमारस्वामी (आई सी–34571), 9 गोरखा राइफल्स
2. कर्नल प्रभाकरन नायर कानतीलनारायण (आई सी–35261), 3 बिहार
3. कर्नल राजेन्द्र सिंह चौहान (आई सी–35159), गार्डस, 21 राष्ट्रीय राइफल्स
4. कर्नल अजय सेम (आई सी–31077), मैकेनाइजड इंफेन्ट्री, 30 राष्ट्रीय राइफल्स
5. लेफ्टिनेंट कर्नल विजय सिंह (आई सी–39575), 2/9 गोरखा राइफल्स
6. मेजर संजीव रोहिला (आई सी–48772), 20 पंजाब
7. मेजर विजय पाल सिंह (आई सी–47225), 3 असम
8. मेजर रणबीर सिंह (आई सी–45332), कथचित कोर, 22 राष्ट्रीय राइफल्स
9. मेजर दिनेश कुमार बिश्नोई (आई सी–40584), गढ़वाल राइफल्स, 36 राष्ट्रीय राइफल्स
10. मेजर देव अरविंद चतुर्वेदी (आई सी–40792), 1/3, गोरखा राइफल्स
11. मेजर नरिंदर पाल सिंह (आई सी–43475), एयर डिफेंस आर्टिलरी, 14 राष्ट्रीय राइफल्स
12. मेजर आदित्य मेगी (एस एस 35027), 3/3 गोरखा राइफल्स
13. मेजर रणबीर कटोच (आई सी–52576), एयर डिफेंस आर्टिलरी, 7 राष्ट्रीय राइफल्स (मरणोपरांत)
14. मेजर नील जॉन (आई सी–51325), कथचित कोर, 1 राष्ट्रीय राइफल्स
15. मेजर अनिल कुमार जग्गी (आई सी–40365), मैकेनाइज्ड इंफेन्ट्री, 21 राष्ट्रीय राइफल्स
16. मेजर ईश्वर सिंह थापा (आई सी–50453), मराठा लाइट इंफेन्ट्री, 27 राष्ट्रीय राइफल्स
17. मेजर वीरेन्द्र सिंह राठौड़ (आई सी–50411), एयर डिफेंस आर्टिलरी
18. मेजर परमवीर सिंह सहरायत (आई सी–44728), गार्ड्स, 52 एस ए जी
19. मेजर संदीप मोहला (आई सी–49074), 14 पंजाब
20. मेजर प्रणवीर सिंह पुनिया (आई सी–51946), 28 मद्रास
21. मेजर जसप्रीत सिंह गुजराल (आई सी–41935), आर्टिलरी, 110 मीडियम रेजिमेंट

22. मेजर गोपाल मित्रा (आई सी–53836), 15 महार
23. कैप्टन राजेश सिंह (एस एस 36561), 12 राजपूताना राइफल्स
24. कैप्टन तेजपाल सिंह (आई सी–54248), इंजीनियर्स, 10 राष्ट्रीय राइफल्स
25. कैप्टन अरूण कुमार राय (आई सी–54606), कवचित कोर, सी आई एफ डेल्टा
26. कैप्टन श्रीकुमार (आई सी–46728), एयर डिफेंस आर्टिलरी, 36 राष्ट्रीय राइफल्स
27. कैप्टन दीपक गुलेरिया (आई सी–54625), आर्मी सर्विस कोर, मुख्यालय 3 सैक्टर राष्ट्रीय राइफल्स (मरणोपरांत)
28. कैप्टन सुखबीर सिंह (एस एस 36816), 5 जम्मू–कश्मीर लाइट इंफैन्ट्री
29. कैप्टन अमिताभ सिंह (एस एस 36505), आर्टीलरी, 110 मीडियम रेजिमेंट
30. कैप्टन गौरव प्रताप सिंह उप्पल (एस एस 36677), 25 पंजाब
31. लेफ्टिनेंट सुमित अग्रोल (आई सी–56995), 6 कुमाऊं
32. लेफ्टिनेंट नायर प्रशांत चन्द्रशेखर (एस एस 37224), 2 मदास
33. लेफ्टिनेंट विसेंट एलोसियस सेतियो जौहर (आई सी–57281), सेना आयुध कोर 5/5 गोरखा राइफल्स (एफ एफ)
34. जे सी–186704 सूबेदार मेजर रामपाल सिंह, जाट, 34 राष्ट्रीय राइफल्स (मरणोपरांत)
35. जे सी–212824 सूबेदार नौनिहाल सिंह भुल्लर, 20 पंजाब (मरणोपरांत)
36. जे सी–255888 सूबेदार मोहिंदर पॉल, एयर डिफेंस आर्टिलरी, 10 राष्ट्रीय राइफल्स
37. जे सी–173837 सूबेदार सुर्वे मनोहर रामचन्द्र, 17 मराठा लाइट इंफैन्ट्री
38. जे सी–426111 सूबेदार अमरजीत सिंह, पंजाब, 7 राष्ट्रीय राइफल्स
39. जे सी–296078 सूबेदार राम कुमार, एयर डिफेंस आर्टिलरी, 15 राष्ट्रीय राइफल्स
40. जे सी–212615 सूबेदार तिरलोक सिंह, पंजाब, 7 राष्ट्रीय राइफल्स (मरणोपरांत)
41. जे सी–35943 सूबेदार चन्द्र सिंह राणा, 3 असम राइफल्स
42. जे सी–448625 नायब सूबेदार वेद प्रकाश, 4 ग्रेनेडियर्स
43. जे सी–592439 नायब सूबेदार करनैल सिंह, 8 जम्मू–कश्मीर लाइट इंफैन्ट्री
44. जे सी–402296 नायब सूबेदार प्रकाश चंद, गार्ड्स, 21 राष्ट्रीय राइफल्स
45. जे सी–623171 नायब सूबेदार प्रेम बहादुर घाले, 4/8 गोरखा राइफल्स
46. जे सी–412315 नायब सूबेदार खाबा राम, 9 पैरा (एस एफ 51 एस ए जी)
47. जे सी (एन वाई ए) 9083220 नायब सूबेदार फारूक अहमद, 5 जम्मू–कश्मीर लाइट इंफैन्ट्री
46. 2467415 हवलदार गुरमीत सिंह, 20 पंजाब (मरणोपरांत)
48. 2472246 हवलदार तरसेम सिंह, 20 पंजाब (मरणोपरांत)
50. 3973374 कंपनी हवलदार मेजर लेखराज, 16 डोगरा
51. 2879067 हवलदार धर्मपाल, 5 राजपूताना राइफल्स
52. 3361913 हवलदार ज्ञान सिंह, 2 सिख (मरणोपरांत)
53. 14905950 हवलदार चंद्रचूड़ प्रसाद, 13 मैक. इन्फैंट्री (मरणोपरांत)
54. 2877496 हवलदार जगदम्बा प्रसाद, 13 मैक. इंफैन्ट्री (मरणोपरांत)
55. 3367496 हवलदार हीरा सिंह, इन्टेलीजेंस, 31 कं. इन्टेलीजेंस यूनिट

56. 4467062 हवलदार अमरजीत सिंह, 1 सिख लाइट इंफैन्ट्री (मरणोपरांत)
57. 3171951 हवलदार ओमपाल सिंह, 6 जाट
58. 7239428 लांस दफादार मलेटरी सिंह, आर वी सी, 14 आर्मी डॉग यूनिट (मरणोपरांत)
59. 5750966 लांस हवलदार मिन बहादुर गुरूंग, 4/8 गोरखा राइफल्स
60. 2779285 नायक माने अधिकराव बाबू राव, 17 राष्ट्रीय राइफल्स
61. 13688503 नायक शत्रुघ्न सिह, गार्ड्स, 21 राष्ट्रीय राइफल्स
62. 4066491 नायक राय सिंह, गढ़वाल राइफल्स, 36 राष्ट्रीय राइफल्स
63. 14468395 नायक कल्लू प्रसाद, आर्टिलरी, 57 फील्ड रेजिमेंट (मरणोपरांत)
64. 4178201 नायक गोपाल सिंह अना, कुमाऊं, 13 राष्ट्रीय राइफल्स (मरणोपरांत)
65. 5043930 नायक चित्र बहादुर राणा, 2/1 गोरखा राइफल्स, 15 राष्ट्रीय राइफल्स
66. 13616847 नायक सुखबीर सिंह, 9 पैरा (एस एफ)
67. 4178938 नायक सुरेश चन्द्र पुनेरा, 4 कुमाऊं, 51 एस ए जी
68. 3179480 नायक बिजेन्द्र सिंह, 6 जाट
69. 9094456 नायक कस्तूरी लाल, 5 जम्मू–कश्मीर लाइट इंफैन्ट्री
70. 3983892 लांस नायक बलबीर सिंह, 8 डोगरा
71. 2682096 लांस नायक परस राम धतवालिया, 14 ग्रेनेडियर्स
72. 2483928 लांस नायक सतविंदर सिंह, 20 पंजाब (मरणोपरांत)
73. 9094167 लांस नायक मोहम्मद शरीफ, 4 जम्मू – कश्मीर लाइट इफैन्ट्री (मरणोपरांत)
74. 15308768 लांस नायक के. बालयया 14 इंजीनियर्स रेजिमेंट (मरणोपरांत)
75. 4561775 लांस नायक सूबे सिंह, 19 महार
76. 4182464 लांस नायक खेम सिंह, 9 पैरा (एस एफ) (मरणोपरांत)
77. 4386464 लांस नायक गरूड बसन्त पांडुरंग, आर्टीलरी, 7 राष्ट्रीय राइफल्स (मरणोपरांत)
78. 3181852 लांस नायक आजाद सिंह, 8 जाट (मरणोपरांत)
79. 3180920 लांस नायक खड़ग सिंह, 12 जाट (मरणोपरात)
80. 13690701 लांस नायक केदार सिंह, 21 राष्ट्रीय राइफल्स (गार्ड्स) (मरणोपरांत)
81. 5846811 लांस नायक जितेन्द्र बहादुर थापा, 2/9 गोरखा राइफल्स (मरणोपरांत)
82. 2596845 लांस नायक डी उमापति नायडू, 26 मद्रास
83. 9094430 लांस नायक भूपेन्द्र सिंह, 5 जम्मू–कश्मीर लाइट इन्फैंट्री
84. 3995684 सिपाही वीरेन्द्र सिंह, 10 डोगरा
85. 4466268 सिपाही परगट सिंह, 1 सिख लाइट इंफैन्ट्री
86. 2993891 सिपाही श्रवण सिंह शेखावत, राजपूत, 10 राष्ट्रीय राइफल्स (मरणोपरांत)
87. 2995311 सिपाही काजी कमाल नइमुद्दीन, 24 राजपूत (मरणोपरांत)
88. 3393231 सिपाही कंवलबीर सिंह, 20 सिख
89. 2599006 सिपाही सेंथिल थंगराज, मद्रास 25 राष्ट्रीय राइफल्स (मरणोपरांत)
90. 4183542 सिपाही केदलानन्द, 15 कुमाऊं (मरणोपरांत)
91. 14812092 सिपाही गोपीनाथ महाराणा, आर्मी सर्विस कोर, 528 ए एस सी बटालियन (मरणोपरांत)

92. 2488130 सिपाही जगतार सिंह, पंजाब 7 राष्ट्रीय राइफल्स
93. 3991656 सिपाही रोशन लाल डोगरा, 52 एस ए जी (मरणोपरांत)
94. 2602115 सिपाही रामान्जनेयुलु नाक्का, 26 मद्रास
95. 2481255 सिपाही कश्मीर सिंह, 25 पंजाब
96. 5348697 राइफलमैन नेत्र बहादुर गरबुजा, 3/4 गोरखा राइफल्स (मरणोपरांत)
97. 4075164 राइफलमैन उमेश चन्द्र, गढ़वाल राइफल्स, 36 राष्ट्रीय राइफल्स (मरणोपरांत)
98. 4075783 राइफलमैन करमेन्द्र सिंह, गढ़वाल राइफल्स, 36 राष्ट्रीय राइफल्स (मरणोपरांत)
99. 4076036 राइफलमैन मनोज कुमार, गढ़वाल राइफल्स, 36 राष्ट्रीय राइफल्स
100. 9099163 राइफलमैन मोहम्मद फैयाज शेख, जम्मू–कश्मीर लाइट इंफैन्ट्री, 36 राष्ट्रीय राइफल्स
101. 4071137 राइफलमैन किशन सिंह, गढ़वाल राइफल्स, 36 राष्ट्रीय राइफल्स
102. 5247636 राइफलमैन अमर बहादुर मगर, 1/3 गोरखा राइफल्स
103. 4074019 राइफलमैन गोवर्धन लाल, गढ़वाल राइफल्स, 14 राष्ट्रीय राइफल्स
104. 4072897 राइफलमैन सुनील कुमार कोटनाला, 18 गढ़वाल राइफल्स (मरणोपरांत)
105. 6248951 राइफलमैन ओब बहादुर थापा, 3/3 गोरखा राइफल्स
106. 5045296 राइफलमैन घनश्याम आले, 1 गोरखा राइफल्स, 15 राष्ट्रीय राइफल्स
107. 13757107 राइफलमैन सुभाष चंद शर्मा, जम्मू–कश्मीर राइफल्स, 52 एस ए जी (मरणोपरांत)
108. 192946 राइफलमैन क्रिशनंदा भट्ट, 19 असम राइफल्स
109. 15134110 गनर मनोज कुमार, आर्टीलरी, 57 फील्ड रेजिमेंट (मरणोपरांत)
110. 15100582 गनर अवतार सिंह, आर्टीलरी, 1889 लाइट रेजिमेंट (मरणोपरांत)
111. 14412229 गनर दिलबाग सिंह, आर्टीलरी, 34 राष्ट्रीय राइफल्स (मरणोपरांत)
112. 14409837 गनर विजय चूटिया, आर्टीलरी, 110 मीडियम रेजिमेंट
113. 15661983 सिगनलमैन शिवधारे शशिकांत अबासो, सिगनल्स, 7 राष्ट्रीय राइफल्स (मरणोपरांत)

बरुण मित्रा

बरुण मित्रा
राष्ट्रपति का उप सचिव

सं0 62-प्रेस/ 2000–राष्ट्रपति निम्न सैन्य कार्मिकों को असाधारण कर्त्तव्यपरायणता के कार्यों के लिए "सेना मेडल" प्रदान किए जाने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं

1. ब्रिगेडियर अशोक कुमार सैनी (आई सी–24465) सिगनल्स, मुख्या–1 सिग ग्रुप
2. ब्रिगेडियर राणा सुधीर कुमार कपूर (आई सी–16762) वि से मे, इंजीनियर्स
3. कर्नल विनोद कुमार भट्ट (आई सी–30337), वि से मे, 102 इंजीनियर्स रजिमेन्ट
4. कर्नल ए डी गार्डनर (आई सी–31757), वीर चक्र, 5/5 गोरखा राइफल्स (एफ एफ)
5. कर्नल थोड़गे रविन्द्र वसन्त राव (आई सी–34775) वि से मे, 5/1 गोरखा राइफल्स
6. कर्नल शशि भूषण अरथाना (आई सी–35731), 7 असम
7. कर्नल देवेन्द्र सिंह डडवाल (आई सी–37211), सिख, 22 राष्ट्रीय राइफल्स
8. लेफ्टिनेंट कर्नल रंजीत बोरठाकुर (आई सी–34371), इंटेलीजेंस 739 इंटेलीजेंस एण्ड एफ एस यूनिट
9. लेफ्टिनेंट कर्नल संतोष कुमार उपाध्याय (आई सी–39871), 13 गढ़वाल राइफल्स
10. लेफ्टिनेंट कर्नल राय कुमुद मोहन (एम आर–03977) ए एम सी, 92 बेस हास्पिटल
11. मेजर अशोक कीणी एच (आई सी–45544), 18 गार्ड्स
12. मेजर सुरेश ममगाई (आई सी–38761) इंटेलीजेंस, 357 इंटेलीजेंस एण्ड एफ एस यूनिट
13. कैप्टन अनिल कोठियाल (आई सी–50897), 2 इंजीनियर्स
14. कैप्टन मरिल्ला विजय शेखर (आई सी 53417), सिगनल्स, 28 इंफैन्ट्री डिवीजन सिगनल्स रेजिमेंट
15. जे सी–225421 सूबेदार सूरत सिंह, एयर डिफेंस आर्टिलरी, 27 एयर डिफेंस रेजिमेंट
16. जे सी–205548 सूबेदार शिव कुमार सिंह 3 राजपूत
17. 7430778 हवलदार निर्मल सिंह डडवाल, इंटेलीजेंस, 739 इंटेलीजेंस एण्ड एफ एस यूनिट
18. 15378207 सिगनलमैन दिवाकर पाणिग्रही, सिगनल्स, एम सी टी ई (मरणोपरांत)

वरुण मित्रा

वरुण मित्रा

राष्ट्रपति का उप सचिव

सं083-प्रेजु/ 2000–राष्ट्रपति निम्न सैन्य कार्मिकों को असाधारण साहस के लिए **"नौ सेना मेडल"** प्रदान किए जाने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :

1. लेफ्टिनेंट रवीन्द्र कोटियाल (04033 आर)
2. किरन किशन शिन्दे सी 1 सी डी II (177214 के)
3. दलेल सिंह, एल ई एम आर (एस डी) (174333 एन)

बरुण मित्रा

बरुण मित्रा,
राष्ट्रपति का उप सचिव

सं084-प्रेज/ 2000–राष्ट्रपति निम्न सैन्य कार्मिकों को असाधारण कर्त्तव्यपरायणता के लिए **"नौ सेना मेडल"** प्रदान किए जाने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :

1. कमांडर संतोष कुमार नम्बूरी (01654 एच)
2. कमांडर कार्मिक सुब्रमणियम (40756 ए)
3. कमांडर मोंटी खन्ना (02543 बी)
4. कमांडर आलोक भागवत (50780 एच)
5. कमांडर मूचीकल दामोदरन सुरेश (02701 एन)
6. लेफ्टिनेंट कमांडर जसप्रीत सिंह शेरगिल (02983 बी)
7. लेफ्टिनेंट कमांडर अनीयान जॉर्ज (41204 डब्ल्यु)
8. राजेन्द्र कुमार, मैके.3 (112330 वाई)

बरुण मित्रा

बरुण मित्रा
राष्ट्रपति का उप सचिव

सं085-प्रेज/ 2000–राष्ट्रपति निम्न सैन्य कार्मिकों को असाधारण साहस के लिए **"वायु सेना मेडल"** प्रदान किए जाने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :

1. विंग कमांडर विजय सुमन शर्मा (14490) प्रशासन, फाइटर कंट्रोलर
2. स्क्वाड्रन लीडर पंकज विश्नोई (17347) फ्लाइंग (पायलट)
3. स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत कुमार बुंदेला (21540) फ्लाइंग (पायलट)

वरुण मित्रा
वरुण मित्रा
राष्ट्रपति का उप सचिव

सं086-प्रेज/2000–राष्ट्रपति स्क्वाड्रन लीडर कन्द्रपा वेन्कटा सूर्या नरसिमा मूर्ति वा. मे. (20136) फ्लाईंग (पायलट) को असाधारण कर्त्तव्यपरायणता के कार्यों के लिए **"वायु सेना मेडल बार"** प्रदान किए जाने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :

वरुण मित्रा
वरुण मित्रा
राष्ट्रपति का उप सचिव

सं087-प्रेज/2000—राष्ट्रपति निम्न सैन्य कार्मिकों को असाधारण कर्त्तव्यपरायणता के कार्यों के लिए "वायु सेना मेडल" प्रदान किए जाने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :

1. ग्रुप कैप्टन जेम्स सेबस्टियन (13385) फ्लाइंग (पायलट)
2. ग्रुप कैप्टन त्रिकंडियूर कोल्लत वेणुगोपाल (13598) फ्लाइंग (पायलट)
3. ग्रुप कैप्टन देविन्दर सिंह, वि से मे (14284) फ्लाइंग (पायलट)
4. विंग कमांडर पेरुमपिल्लाविल नारायणन राधा गोविन्द (16019) फ्लाइंग (पायलट)
5. विंग कमांडर आदियेरी थेयिदिथी राजीव (15215) फ्लाइंग (पायलट)
6. विंग कमांडर जसबीर वालिया (15684) फ्लाइंग (पायलट)
7. विंग कमांडर संजीव कुमार भट्टाचार्य (15702) फ्लाइंग (पायलट)
8. विंग कमांडर सुनील बिजलानी (16087) फ्लाइंग (पायलट)
9. विंग कमांडर विद्या सागर भारती, यु. से. मे. (16611) फ्लाइंग (पायलट)
10. स्क्वाड्रन लीडर राजीव कुमार नारंग (20458) फ्लाइंग (पायलट)
11. स्क्वाड्रन लीडर चंदन शारदा (21028) फ्लाइंग (पायलट)
12. फ्लाइट लेफ्टिनेंट संदीप सोती (22343) फ्लाइंग (पायलट)
13. 613179 वारंट अफसर नारायण चंद्र घोष जी टी आई/पी जे आई

वरुण मित्रा

(वरुण मित्रा)

राष्ट्रपति का उप सचिव

वस्त्र मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 जून, 2000

संकल्प

सं० ई०-11011/1/97-हिन्दी—भारत सरकार ने वस्त्र मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति को पुनर्गठित करने का निर्णय लिया है। समिति का गठन, कार्य आदि इस प्रकार होंगे :—

1. वस्त्र मंत्री — अध्यक्ष

संसदीय राजभाषा समिति द्वारा नामित सदस्य

2. श्री राशिद अल्वी — सदस्य
संसद सदस्य (लोक सभा)

3. डॉ० सुशील कुमार इन्दौरा — सदस्य
संसद सदस्य (लोक सभा)

संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा नामित सदस्य

4. श्री अशोक नामदेवराव मोहोल — सदस्य
संसद सदस्य (लोक सभा)

5. श्री चन्द्रेश पटेल — सदस्य
संसद सदस्य (लोक सभा)

6. श्री लाजपत राय — सदस्य
संसद सदस्य (राज्य सभा)

7 श्री सन्तोष बगरोडिया — सदस्य
संसद सदस्य (राज्य सभा)

राजभाषा विभाग द्वारा नामित गैर सरकारी सदस्य

8. डॉ पोली विजयराघव रेड्डी, — सदस्य
विजयविलासम,
3-13-1/10, श्रीनिवासपुरम,
रामनाथपुर, हैदराबाद-500013

9. श्री देवराज, — सदस्य
द्वारा मणिपुर हिन्दी परिषद,
विधान सभा मार्ग,
इम्फाल -795001 (मणिपुर)

10. डा० सुरेश दत्त मिश्रा, — सदस्य
"बागदेवी निलयम" अग्रसैन कालोनी,
अम्बाला रोड, कैथल,
हरियाणा

अखिल भारतीय हिन्दी संस्था संघ द्वारा नामित गैर सरकारी सदस्य

11. श्री एम० के० वेलायुधन नायर, — सदस्य
प्रधान सचिव केरल हिन्दी प्रचार
सभा, तिरूवनन्तपुरम-695014
(केरल)

केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद द्वारा नामित गैर सरकारी सदस्य

12. श्री कृष्ण कुमार ग्रोवर, — सदस्य
एफ० बी० 16, टैगोर गार्डन,
नई दिल्ली-110027

अन्य गैर सरकारी सदस्य

13. श्री ठाकोर लाल मकनजी नायक — सदस्य
2, ग्रीन पार्क सोसायटी,
जीवन विकास सोसाइटी के पास
अठावा लाइन, सूरत 395001

14. श्री घनश्याम प्रसाद सनाढ्य — सदस्य
प्राचार्य निवास, एम टी बी आर्टस
कालेज प्रांगण,
अठवालाइन्स, सूरत

15. श्री हरी निर्मोही — सदस्य
पांडव नगर (मानस नगर)
पोस्ट शाहगंज, आगरा

16. श्री साधु शरण सिंह, "सुमन" — सदस्य
ग्राम पोस्ट मोरिया भाया तरैया
जिला छपरा (सारण), बिहार

सरकारी सदस्य (राजभाषा विभाग)

17. सचिव, राजभाषा विभाग तथा — सदस्य
हिन्दी सलाहकार, भारत सरकार

18. संयुक्त सचिव राजभाषा विभाग — सदस्य

सरकारी सदस्य (वस्त्र मंत्रालय)

19. सचिव (वस्त्र) — सदस्य

20. विकास आयुक्त (हथकरघा), — सदस्य
नई दिल्ली

21.	विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), नई दिल्ली	सदस्य
22.	वस्त्र आयुक्त, बम्बई	सदस्य
23.	पटसन आयुक्त, कलकत्ता	सदस्य
24.	अध्यक्ष-सह-प्रबन्ध निदेशक, राष्ट्रीय वस्त्र निगम, नई दिल्ली	सदस्य
25.	अध्यक्ष-सह-प्रबन्ध निदेशक, ब्रिटिश इण्डिया कारपोरेशन, कानपुर	सदस्य
26	सदस्य, सचिव, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बंगलौर	सदस्य
27	अध्यक्ष-सह-प्रबन्ध निदेशक, भारतीय कपास निगम, मुम्बई	सदस्य
28	अध्यक्ष-सह-प्रबन्ध निदेशक हस्तशिल्प एव हथकरघा निर्यात निगम, नई दिल्ली	सदस्य
29.	प्रबन्ध निदेशक, केन्द्रीय कुटीर उद्योग निगम, नई दिल्ली	सदस्य
30.	अध्यक्ष-सह-प्रबन्ध निदेशक, भारतीय पटसन निगम, कलकत्ता	सदस्य
31.	अध्यक्ष-सह-प्रबन्ध निदेशक, राष्ट्रीय पटसन विनिर्माण निगम, कलकत्ता	सदस्य
32.	अध्यक्ष-सह-प्रबन्ध निदेशक, पूर्वोत्तर हस्तशिल्प एवं हथकरघा निगम, शिलांग	सदस्य
33	अध्यक्ष-सह-प्रबन्ध निदेशक, राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम, लखनऊ	सदस्य
34	महानिदेशक, राष्ट्रीय फैशन टैक्नोलाजी संस्थान, नई दिल्ली	सदस्य
35.	संयुक्त सचिव, (वस्त्र मंत्रालय)	सदस्य सचिव

(2) कार्य

इस समिति का कार्य सरकारी कार्यों में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित मामलों मे मंत्रालय को सलाह देना होगा।

(3) कार्य अवधि

समिति का कार्यकाल निम्नलिखित व्यवस्था के साथ उसके गठन की तारीख से तीन वर्ष का होगा

1. समिति में नामजद संसद सदस्य जैसे ही संसद सदस्य नहीं रहेंगे, तभी से वे इस समिति के सदस्य भी नही रहेंगे।

2. अवधि के बीच मे रिक्त हुआ स्थान, सम्बन्धित सदस्य के स्थान पर उसके पद पर आने वाले अधिकारी से भरा जायेगा और वह अधिकारी तीन वर्ष की अवधि के बकाया काल के लिए सदस्य होगा।

(4) विविध

1. समिति का प्रधान कार्यालय नई दिल्ली मे होगा लेकिन समिति अपनी बैठकें किसी अन्य नगर मे भी कर सकती है।

2. समिति के गैर-सरकारी सदस्यों को उनके निवास स्थान में से बैठक के स्थान तक सबसे कम दूरी वाले रास्ते से उनको स्वीकार्य दरों पर यात्रा भत्ता दिया जाएगा। उन्हें समिति की बैठक में शामिल होने के लिए उच्च शक्ति प्राप्त समिति के सदस्यों को स्वीकार्य दैनिक भत्ता भी दिया जाएगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों और संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों, प्रधान मंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसदीय कार्य मंत्रालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, केन्द्रीय राजस्व के महालेखाकार तथा भारत सरकार के सभी मंत्रालय तथा विभागों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को आम जानकारी के लिए भारत के राजपत्र मे प्रकाशित किया जाए।

किरन धींगरा
संयुक्त सचिव

रसायन और उर्वरक मंत्रालय

(उर्वरक विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 8 जून 2000

संकल्प

सं० ई-11014/1/98-हिन्दी—इस मंत्रालय के दिनांक 4 अगस्त, 1999 के संकल्प संख्या 11014/1/98-हिन्दी में आंशिक संशोधन करते हुए उसमें उल्लिखित रसायन और उर्वरक मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति के गठन में एतद्द्वारा निम्नलिखित प्रविष्टियां की जाती हैं :

1. क्र० सं० 3 के सामने निम्नलिखित प्रविष्टि की जाए :-

2 श्री राम रघुनाथ चौधरी, संसद सदस्य (लोक सभा)

3. क्र० सं० 4 के सामने निम्नलिखित प्रविष्टि की जाए :

4. श्री पवन सिंह घाटोवार, संसद सदस्य (लोक सभा)

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति सभी राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों, प्रधान मंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय, संसदीय राजभाषा समिति, भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक और उर्वरक विभाग का वेतन तथा लेखा कार्यालय तथा इसके नियंत्रणाधीन सभी सरकारी उपक्रमों/संबद्ध कार्यालयों/अधीनस्थ कार्यालयों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को जन साधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित कराया जाए।

देवेन्द्र कुमार सीकी
संयुक्त सचिव

उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय
(खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 16 जून 2000

संकल्प

संख्या ई 11015/9/95 हिन्दी :—खाद्य और उपभोक्ता मामले मंत्रालय के संकल्प संख्या ई-11015/9/95-हिन्दी, दिनांक 8 अप्रैल, 1999 का अधिक्रमण करते हुए, भारत सरकार ने उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के लिए हिन्दी सलाहकार समिति का पुनर्गठन करने का निर्णय किया है। इस समिति के सदस्य और कार्य इस प्रकार होंगे :—

1. उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण अध्यक्ष
मंत्री

2. उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण उपाध्यक्ष
राज्य मंत्री

(खाद्य और सार्वजनिक वितरण)

3. उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण उपाध्यक्ष
राज्यमंत्री (उपभोक्ता मामले)

लोक सभा के सदस्य

4. श्री राम नरेश त्रिपाठी सदस्य

5. श्री ए० वेंकटेश नाईक सदस्य

राज्य सभा के सदस्य

6. श्री संघ प्रिय गौतम सदस्य

7. श्री बालकवि बैरागी सदस्य

संसदीय राजभाषा समिति के प्रतिनिधि

8. श्री पवन सिंह घाटोवार, सदस्य

संसद सदस्य (लोक सभा)

9. श्रीमती कृष्णा बोस, सदस्य
संसद सदस्य (लोक सभा)

गैर-सरकारी सदस्य

10. डा० इन्दु बाली, सदस्य
1541, सेक्टर 18-डी,
चण्डीगढ़ ।

11 डा० गौतम व्यथित, सदस्य
गांव नेरटी, शाहपुर,
कांगडा (हिमाचल प्रदेश) ।

12. डा० राम दल पाण्डेय, सदस्य
अध्यक्ष,
स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग,
शिवहर्ष किसान पी० जी० कालेज,
बस्ती, उत्तर प्रदेश ।

13. श्री बी० आर० नारायण, सदस्य
1691, अंजैया टैम्पल स्ट्रीट,
केंगरी सैटलाइट टाउन,
बंगलौर—560060 ।

14. श्री ए० शर्मा, "पंडित जी",
8, फस्ट क्रास स्ट्रीट,
कस्तूरबा नगर, अडयार,
चेन्नई—600020 । सदस्य

15. डा० बाल किशन शर्मा, सदस्य
आर-718, कोटला (बस स्टैण्ड के पीछे),
पानीपत हरियाणा ।

16. श्री राधा कांत भारती, सदस्य
एन-525, सेक्टर 9, आर० के० पुरम,
नई दिल्ली—110022 ।

स्वैच्छिक संस्थाओं आदि के प्रतिनिधि

17. अध्यक्ष, सदस्य
नागरी प्रचारिणी सभा,
1-ए, सुनहरी बाग रोड,
नई दिल्ली—110001 ।

18. केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद् का प्रतिनिधि । सदस्य

सरकारी सदस्य

19. सचिव, सदस्य
राजभाषा विभाग,
नई दिल्ली ।

20. संयुक्त सचिव, सदस्य
राजभाषा विभाग,
नई दिल्ली ।

21. सचिव, सदस्य
खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ।

22. सचिव, सदस्य
उपभोक्ता मामले विभाग,
नई दिल्ली ।

23. अपर सचिव तथा वित्तीय सलाहकार, सदस्य
उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण
मंत्रालय ।

24. अपर सचिव, सदस्य
उपभोक्ता मामले विभाग ।

25. आर्थिक सलाहकार, सदस्य
उपभोक्ता मामले विभाग ।

26. उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण
मंत्रालय के सभी संयुक्त सचिव ।

27. प्रबंध निदेशक, सदस्य
भारतीय खाद्य निगम,
नई दिल्ली ।

28. प्रबंध निदेशक, सदस्य
केन्द्रीय भण्डारण निगम,
नई दिल्ली ।

29. मुख्य निदेशक, सदस्य
शर्करा निदेशालय,
नई दिल्ली ।

30. मुख्य निदेशक, सदस्य
वनस्पति, वनस्पति तेल और वसा निदेशालय
नई दिल्ली ।

31. मुख्य निदेशक, सदस्य
राष्ट्रीय गन्ना और चीनी प्रौद्योगिकी संस्थान,
नई दिल्ली/मऊ ।

32. अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, हिन्दुस्तान वेजिटेबल आयल्स कारपोरेशन, नई दिल्ली । — सदस्य

33. महानिदेशक, भारतीय मानक ब्यूरो, नई दिल्ली । — सदस्य

34. प्रबंध निदेशक, सुपर बाजार, नई दिल्ली । — सदस्य

35. प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ, नई दिल्ली । — सदस्य

36. संयुक्त सचिव (हिन्दी के प्रभारी), खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग । — सदस्य सचिव

2. समिति के कार्य

इस समिति के कार्य उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय और उसके सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों को सरकारी कामकाज में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित विषयों तथा गृह मंत्रालय (राजभाषा विभाग) द्वारा निर्धारित नीति संबंधी ढांचे के अंतर्गत आने वाले मामलों पर सलाह देना होगा ।

3. कार्यकाल

इस समिति का कार्यकाल इसके पुनर्गठन की तारीख से तीन वर्ष तक होगा, परन्तु

(क) जो संसद सदस्य समिति के सदस्य हैं, वे संसद सदस्य न रहने पर इस समिति के सदस्य भी नहीं रहेंगे ।

(ख) समिति के पदेन सदस्य उस समय तक सदस्य बने रहेंगे जब तक कि वे अपने अपने उन पदों पर हैं जिनके कारण वे समिति के सदस्य हैं ।

(ग) यदि किसी सदस्य के त्याग-पत्र देने, मृत्यु आदि के कारण समिति में कोई स्थान रिक्त होता है तो उसके स्थान पर नियुक्त किया गया सदस्य तीन वर्ष के कार्यकाल की शेष अवधि के लिए सदस्य रहेगा ।

4. सामान्य

समिति का प्रधान कार्यालय नई दिल्ली में होगा, किन्तु समिति अपनी बैठकें किसी अन्य स्थान पर भी कर सकती है ।

5. यात्रा भत्ता और अन्य भत्ते

समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए गैर-सरकारी सदस्यों को राजभाषा विभाग के दिनांक 22 जनवरी 1997 के का० ज्ञा० संख्या II/20034/4/86 स० भा० (क 2) में निहित दिशा निदेशों के अनुरूप और भारत सरकार द्वारा समय-समय पर यथा संशोधित निर्धारित दरों एवं नियमों के अनुसार यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता दिया जाएगा ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति सभी राज्य सरकारों, सब राज्य क्षेत्र के प्रशासकों, प्रधान मंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रीय कार्य मंत्रालय, लोक सभा सचिवालय राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, लेखा-नियंत्रक, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों को भेजी जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को जन-साधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

बी० के० बल,
संयुक्त सचिव

संचार मंत्रालय

(डाक विभाग)

डाक जीवन बीमा निदेशालय

नई दिल्ली–110021, दिनांक 03 अप्रैल 2000

स० 29–22/99–एल० आई० .—राष्ट्रपति डाकघर बीमा निधि नियमावली के नियम 14 के उप नियम (3) के नीचे एक नया उप नियम (4) जोड़ते हैं ।

नियम 14(4)

रक्षा कर्मियों को स्वास्थ्य परीक्षा से छूट

डाक जीवन बीमा पालिसी लेने के लिये प्रस्ताव प्रस्तुत करते समय ऐसे रक्षाकर्मियों को जो चिकित्सा श्रेणी "ए वाई

ई (जे० पी० जी०/ एन० सी० ओ०/ओ० आर० के लिये) या "एस एच एपी ई"-1 (अधिकारियों के लिए) के अन्तर्गत आते है, इस प्रयोजन के लिये स्वास्थ्य परीक्षाओं से छूट दी जायेगी।

टिप्पणी 1 : यदि कोई पालिसी स्वीकृति के उपरांत दावा बन जाती है तो दावेदार (दावेदारों) को निहित बोनस के साथ बीमित राशि के लिये पूरा दावा ग्राह्य होगा। किन्तु, आत्महत्या, सम्बन्धी मामले, डाकघर बीमा निधि के मौजूदा नियमों से ही विनियंत्रित होंगे।

टिप्पणी-2 : रक्षा कर्मियों द्वारा पालिसी लेने पर संशोधित प्रस्ताव प्रपत्रों का इस्तेमाल किया जायेगा।

ये आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे।

सुनीता त्रिवेदी
महाप्रबन्धक,
(डाक जीवन बीमा)

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 9 मई, 2000

संकल्प

स० ई० 11016/8/96-रा० भा० नी०:—श्रम मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति के पुनर्गठन विषयक दिनांक 23-3-1999 के समसंख्यक संकल्प मे "गैर-सरकारी सदस्य शीर्षक के अन्तर्गत क्रमांक 15, 16 व 23 के अन्तर्गत की गई प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जायेंगी:—

15. श्री प्रदीप रावत, संसद सदस्य, लोक सभा संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा नामित।

16. श्री सुकदेव पासवान, संसद सदस्य, लोक सभा संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा नामित

23. श्री चन्द्रमणि त्रिपाठी, श्रम मंत्रालय द्वारा नामित

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस प्रस्ताव की एक-एक प्रति राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों, प्रधान मंत्री सचिवालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, संसदीय कार्य मंत्रालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, महालेखाकार केन्द्रीय राजस्व तथा भारत सरकार के सभी मंत्रालय तथा विभागों एवं श्रम मंत्रालय के सभी कार्यालयों जिनमे स्वायत तथा अर्द्ध स्वायत निकाय भी शामिल है, को भेजी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को आम जानकारी के लिये भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

चित्रा चौपड़ा
संयुक्त सचिव

दिनांक 19 मई, 2000

संकल्प

स० ई० 11016/8/96-रा० भा० नी०.—श्रम मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति के पुनर्गठन विषयक दिनांक 23 मार्च, 1999 और 9 मई, 2000 के समसंख्यक संकल्प मे गैर-सरकारी सदस्य शीर्षक के अन्तर्गत क्रमांक 18, 19 व 20 के अन्तर्गत की गई प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जायेंगी:—

18. श्री दारा सिंह चौहान, संसद सदस्य (राज्य सभा) संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा नामित

19. कुंवर सर्वराज सिंह, संसद सदस्य लोक सभा संसदीय राजभाषा समिति द्वारा नामित

20. श्री अनिल बसु, संसद सदस्य (लोक सभा) संसदीय राजभाषा समिति द्वारा नामित

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस प्रस्ताव की एक-एक प्रति राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों, प्रधानमंत्री सचिवालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, संसदीय कार्य मंत्रालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, महालेखाकार केन्द्रीय राजस्व तथा भारत सरकार के सभी मंत्रालय तथा विभागों एवं श्रम मंत्रालय के सभी कार्यालयों जिनमे स्वायत्त तथा अर्द्ध स्वायत निकाय भी शामिल हैं, को भेजी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को आम जानकारी के लिये भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

चित्रा चौपड़ा
संयुक्त सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 26th January 2000

No 62-Pres/2000.—The President is pleased to approve the award of Maha Vir Chakra to the undermentioned persons for the acts of conspicuous gallantry during 'OP VIJAY' :—

14702937 SEPOY IMLIAKUM

2 NAGA

(Effective date of the award 08th July, 1999)

On 08 July 1999 Sepoy Imliakum volunteered to raid an enemy mortar position at a height of 15000 feet in Mushkoh Valley in Jammu and Kashmir.

Sepoy Imliakum formed part of the Assault Group and was tasked to stealthily silence the enemy sentry who was on duty on the outer perimeter of enemy mortar position. Sepoy Imliakum approached the enemy sentry during broad day light and killed him. Thereafter, he kept moving forward and killed one more sentry and subsequently stormed the mortar position alongwith the Assault Group.

Sepoy Imliakum showed exemplary courage and determination in personally killing two enemy soldiers. All through, it was his determination, grit, cool confidence and raw courage in the face of enemy which was intrumental in eliminating the enemy from the almost indomitable mortar position.

The elimination of the enemy personnel by Sepoy Imliakum was a big success wherein three 120mm and two 81mm mortars were captured alongwith a huge stockpile of ammunition. The valiant action by Sepoy Imliaum, which was a true demonstration of valour, in the preseace of a well entrenched enemy was the sole factor which paved the way for a successful raid on the enmy mortar position which led to the destruction of the enemy dump.

Sepoy Imliakum, thus, showed, exemplary courage in the face of enemy, sustained and successful performance in storming the enemy mortar position and killing two enemy soldiers

BARUN MITRA
Dy. Secy.

No. 63-Pres/2000.—The President is pleased to approve the award of Vir Chakra to the undermentioned persons for the acts of gallantry during 'OP VIJAY' :—

1. IC-57301 CAPTAIN RUPESH PRADHAN

2 ENGR REGT

(Effective date of the award 08th July, 1999)

Captain Rupesh Pradhan was the Platoon Commander of the Engineer Platoon assigned to carry out enemy mine field breaching near the Line of Control. North of Muntho Dhale to facilitate early deployment of troops.

Captain Rupesh Pradhan volunteered to undertake the enemy mine field breaching himself when his Platoon was exhausted from continuous high risk mine breaching for the duration of two days. While carrying out the de-mining of enemy minefield Captain Rupesh Pradhan with the sole intention of protecting his exhausted troops positioned himself well ahead, thereby exposing himself to the risk of mine blast.

Captain Rupesh Pradhan whilele-mining, located and destroyed more than half of one hundred and twenty five mines, exhibited true leadership qualities with total disregard to his personal safety in the face of the enemy Captain Rupesh Pradhan was critically injured while de-mining when one mine below up in his face.

Captain Rupesh Pradhan displayed an act of gallantry of a very high order in the presence of the enemy and exemplary courage and dedication beyond the call of the duty with total disregard to personal safety.

2. IC-39610 MAJOR PRABHU NATH PRASAD, SENA MEDAL, ARMY AVIATION 32 R & O FLIGHT

(Effective date of the award 13th May, 1999)

While on an aerial reconnaissance mission to locate intrusions in Drass Sub-Sector on 13 May 99, Major Prabhu Nath Prasad as Captain of the helicopter, taking clue from a foot-track on snow coming in from across the LOC, in a dare devil venture, followed it to the black rock feature at a Height of about 14,700 ft adjacent to the TOLOLING height against heavy enemy machine gun fire. No sooner he had closed in while orbiting, and was in eye-ball contact with 15-20 intruders, then they fired a rocket at the helicopter when it was barely 300 meters away.

Major Prabhu Nath Prasad with his unparalleled reflex action, undaunted courage and grit, instantly dipped the helicopter nose down and with that appreciable increase in speed outmaneuvered the rocket which went past the tail of the helicopter missing it just by 10-15 meters.

Displaying exceptional presence of mind and tactful flying skill, he immediately turned the helicopter with a steep back in the reciprocal direction to get out of the killing ground/airspace and flew back to immediately call for artillery fire.

The officer brought in accurate artillery fire of 40 ounds from Bofors guns despite continuously being engaged by machine gun fire from enemy position at Tololing and interference by a an armed PUMA helicopter of the enemy which intruded overhead during the Air shoot. Major Prabhu Nath Prasad neutralised/destroyed the coemy position killing 7-10 intruders within just 20-25 minutes of the rocket attack. Having suffered this great loss, the intruders had abandoned the feature by the next day.

Major Prabhu Nath Prasad, thus, showed exemplary courage and dedication beyond the call of duty in the presence of the enemy.

3 4268525 NAIK SHATRUGHAN SINGH

1 BIHAR

(Effective date of the award 29th May, 1999)

Naik Shatrughan Singh formed part of the assault group for capture of Point 4268 in Batalik Sub Sector of Jammu and Kashmir on 29 May 99.

During the assault Naik Shatrughan Singh was in the forefront and continued fighting despite heavy enemy firing and shelling. When two of his comrades succumbed to their injuries Naik Shatrughan Singh, with utter disregard to his personal safety dragged the bodies to a safer place. In the process he sustained bullet injuries in his right leg and was immobilised.

Naik Shatrughan Singh continued to provide covering fire to help his other team members who were injured, to move to safety. He shot dead two foreign mercenaries who were relentlessly firing on these jawans. Naik Shatrughan Singh refused to accompany the others to safety as he felt that he would jeopardise their safety because he could not walk.

Naik Shatrughan Singh sustained himself without food and water for 11 days within 100 meter of the enemy post and when it became obvious that link up was not possible the Non Commissioned Officer crawled from cover to cover for over three kilometers and reached the firm base safely with his personal weapons, ammunition of Light Machine Gun and the documents recovered from a enemy soldier whom he shot dead.

Naik Shatrughan Singh displayed rare courage, conspicuous bravery, exceptional motivation in the face of the enemy.

4. IC-54977 CAPTAIN BALEYADA MUTHANNA CARIAPPA SM,

5 PARA

(Effective date of the award 21st June, 1999)

On the night of 20 June 1999. Captain Baleyada Muthanna Cariappa and his column formed part of the battalion group tasked to capture point 5203 in Jammu and Kashmir, a feature

strongly held by the enemy, while earlier attempts had failed.

Captain Cariappa's column successfully infiltrated by night, after treacherous and a near vertical climb of nine hours. Enemy engaged the column by intense automatic fire. Captain Cariappa led the physical assault and lobbed grenades in the enemy sangar. instantly killing two enemy personnel His exceptional bravery and leadership quality helped in successful capture of point 5203 against intense enemy opposition by first light of 21 June 1999 On the night of 22/23 Jul 99, Captain Cariappa was again tasked to capture Area Conical on the Line of Control The officers columns closed in on the objective after a treacherous climb in which he sustained injuries on his neck. Despite being wounded, the officer crawled to a vantage point and shot dead two enemy personnel, thereby neutralising the enemy position and facilitating capture of Area Conical Subsequently, two counter attacks were successfully repulsed.

Captain Baleyada Muthanna Cariappa displayed repeated acts of valour, bold leadership, unparalleled courage, leading from the front and devotion beyound the call of duty, in the face of enemy.

5 9924742 SEPOY TSEWANG MORUP
LADAKH SCOUTS KARAKORAM WING

(Effective date of award 27th June, 1999)

Point 5770 Top in Jammu and Kashmir occupied by enemy at a height of 18930 feet was constantly harassing own troops through observation and small arms fire

Sepoy Tsewang Morup volunteered for route opening to the Top under the leadership of an officer Route opening involved crevasse ridden vertical ascent of 1800 feet besides surmounting an overhang of 50 meters with a gradient of approximately 125 degree The fixing of rope for ascent towards top was carried over a period of three days over vertical rock face, cornices overhang and avalanche prone area and the final phase of rope fixing was completed on 27 June by 1400 hours.

Undaunted by devastating enemy artillery and small arms fire at the risk of personal safety Sepoy Tsewang Morup alongwith the assault team assaultrd the sangars firing from the hip and lobbing grenades and cleared the sangars with speed and well rehearsed drills. The enemy was totally surprised by the bold act and dare devilry of the assault team and ran helter skelter Sepoy Tsewang Morup shot down two enemy personnel with deadly burst from his personal weapon. However four enemy personnel from leading two sangars engaged the assault team with automatic weapons.

With utter disregard to personal safety Sepoy Tsewang Morup charged towards the farthest sangar along with two of his team members and in the ensuing hand to hand fight silenced the enemy resistance Members of the assault team captured the strategic post in broad daylight by 1600 hours Arms and ammunition were recovered besides capture of four dead bodies

Sepoy Tsewang Morup displayed valour, conspicuous act of inspiring bravery unflinching dedication and mental robustness with utter disregard to own safety.

6. 9085536 HAVILDAR SATISH CHANDER
12 JAMMU & KASHMIR LIGHT INFANTRY

(Effective date of the award 30th June, 1999)

Charlie Company 12 Jammu and Kashmir Light Infantry was tasked to capture Point 4812, a feature of immense tactical importance in Batalik Sector on the night of 30 June/01 July 99

Havildar Satish Chander was the leading section commander of a column The column approached the feature from enemy's rear and achieved total surprise Havildar Satish Chander led his section and gained foothold on the feature. Altered the enemy opened up with small arms and brought down heavy artillery fire on the column.

Undeterred Havildar Satish Chander closed in with the enemy and lobbed grenades in the sangar, killing two enemy soldiers. He sustained splinter injury in his leg. He refused to be evacuated and in an excellent display of section tactics, Havildar Satish Chander personally led his jawans from sanger to sanger clearing up stiff enemy opposition. This resulted in killing of four more enemy soldiers and forced others to withdraw resulting in capture on Point 4812.

Havildar Satish Chander displayed exemplary leadership, determination and courage of a most exceptional order in the face of the enemy.

7. 5045510 NAIK BRIJ MOHAN SINGH
9 PARACHUTE (SF)

(Posthumous)

(Effective date of the award 30th June, 1999)

Naik Brij Mohan Singh was the squad Commander of a Team which was tasked to capture an objective on the night of 30 June—01 July 99 in Mashkoh sub Sector of Kargil (J & K).

The 30 member team was tasked to capture 5250-meter high objective and progress towards the main enemy logistic base. Naik Brij Mohan Singh using excellent mountaineering and battlecraft skills launched cliff assault on near vertical Sands Top. By 0530 hours on 01 July 99 the squad gained a foot hold on a saddle close to Sando Top but the following elements were threatened due to enemy's sustained effective fire.

Naik Brij Mohan Singh realising the gravity of the situation led his squad in a suicidal mission to save his comrades by assaulting the vertical snow covered slopes of Sando Top. In this assault under the heavy barrage of enemy automatic fire, Naik Brij Mohan Singh personally led from the front and with total disregard to his personal safety charged the enemy position on top. The enemy was shocked by the ferocity displayed by Naik Brij Mohan Singh who suffered grievous injuries.

Unmindful of his grievous injuries Naik Brij Mohan Singh again charged the enemy soldiers and killed two of them in a hand to hand combat with his Commando knife. The entire operation resulted in, the elimination of five enemy personnel and also saved the lives of his comrades. He however succumbed to his own injuries.

Naik Brij Mohan Singh displayed outstanding leadership, conspicuous gallantry and raw physical courage with total disregard to his personal safety and made the supreme sacrifice.

8. 9415981 HAVILDAR BHIM BAHADUR DEWAN
1/11 GORKHA RIFLES

(Posthumous)

(Effective date of the award 03rd July, 1999)

Havildar Bhim Bahadur Dewan was the leading section commander which was tasked to capture Khalubar South Jammu and Kashmir on 03 July 99.

After a long and tiring climb of seven hours the column reached the objective and came under fire from all surrounding heights as also from Area Sangars. The enemy position comprised a total of six sangars. Havildar Bhim Bahadur Dewan's section was tasked to assault the right two sangars Havildar Bhim Bahadur Dewan assaulted the first sangar by firing and lobbing grenades and killed two enemy personnel inside. He then led the assault onto the second sangar and after a firefight lasting over an hour he finally captured the sangar killing two enemy personnel.

Havildar Bhim Bahadur Dewan was the leading section ing the second sangar but without caring for his grievous injury continued to exhort and inspire his section to clear the second sangar. He finally succumbed to his injuries in the battlefield.

During this operation the enemy suffered eleven dead and also left behind a large number of weapons and ammunition.

Havildar Bhim Bahadur Dewan displayed courage of the highest order and gallantry in the face of the enemy inspite of being mortally wounded and made the supreme sacrifice.

9. 9418968 LANCE NAIK GYANENDRA KUMAR RAI
1/11 GORKHA RIFLES

(Effective date of the award 03rd July, 1999)

Lance Naik Gyanendra Kumar Rai was part of the Commanding Officers party on 03 July 99 as it advanced towards KHALUBAR TOP in Jammu and Kashmir.

The column advanced under intense and effective enemy machine gun and RPG fire from the sangars on KHALUBAR TOP. The CO's party managed to secure a small lodgement in between the enemy defences. The CO directed Lance Naik Gyanendra Kumar Rai along with three other ranks to move to the flank and bring down fire onto the enemy sangars. Undaunted by the close proximity and intense fire Lance Naik Gyanendra Kumar Rai engaged and shot dead one enemy while approaching the sangar. He then lobbed two grenades inside the sangar killing two more enemy. He was overpowered and captured by the enemy while lobbing the grenades. He was tortured, shot through the neck and his left arm was broken. However, he did not lose his aggressive spirit and kept looking for a chance to escape. During an assault by the COs column on the sangar, Lance Naik Gyanendra Kumar Rai seized the opportunity and managed to escape and rejoin the COs column.

Lance Naik Gyanendra Kumar Rai, with total disregard for his own safety and despite grievous injuries, displayed conspicuous courage and aggressiveness of a very high order in the face of the enemy.

10. JC-208096 SUBEDAR NIRMAL SINGH
8 SIKH (Posthumous)

(Effective date of the award 05th July, 1999)

On 05 July 1999 Subedar Nirmal Singh was leading a small team to establish a foothold on an objective in Dras Sub Sector during Op Vijay. While assaulting, Subedar Nirmal Singh noticed enemy movement. But before enemy could react, he directed fire of own automatics on enemy and inflicted heavy casualities. Enemy was forced to retreat Subedar Nirmal Singh then quickly approached the objective and captured it. Rest of the company followed up next day and reorganised defences Subedar Nirmal Singh deplayed his platoon on a forward slope. At 0600 hours, enemy opened fire and followed it up with a counter attack on the position held by Subedar Nirmal Singh's men with 15/16 intruders. Heavy hand to hand fight ensued.

Subedar Nirmal Singh and his men despite being seriously wounded, kept fighting the enemy with extreme bravado and courage and continued fighting till the last man last round They kept the enemy away till they all succumbed to their fatal injuries.

During this operation, Subedar Nirmal Singh single handedly took on the enemy, face to face, at close quarter motivating troops around him and also leading an assault on enemy force to repulse the counter attack, by making the supreme sacrifice of his life in the highest tradition of the army.

11. JC-226210 NAIB SUBEDAR TASHI CHHEPAL
INDUS WING LADAKH SCOUT

(Effective date of the award 05th July, 1999)

On 05/06 July 99 Naib Subedar Tashi Chhepal during the attack on Dog Hill in the Batalik Sector successively led a column on a steep cliff under heavy enemy fire even when daylighted and cleared the enemy opposition killing two enemy persons in a hand to hand fight and recovered large quantity of arms and ammunition.

Inspite of being hit by enemy fire, Naib Subedar Tashi Chhepal kept firing on the enemy, till the enemy withdrew from the location, leaving behind their dead and the weapons, stores and ammunition. Displaying outstanding example of leadership he refused to evacuated from the place of action and prevented the enemy from interfering with progress of attack His action resulted in depleting the resistance of enemy and assisted own troops in succeeding in the mission to capture the objective.

Naib Subedar Tashi Chhepal displayed leadership and gallantry, beyond the call of duty in fighting the enemy.

12. IC-40798 MAJOR K P R HARI
1 BIHAR

(Effective date of the award 06th July, 1999)

On 06 July 1999, Major K P R Hari attacked Jubar Top, an enemy stronghold at a height of 16800 feet in Batalik Sector of Jammu and Kashmir.

Major K P R Hari launched a two pronged attack under heavy enemy artillery and small area fire. He crawled through the boulders over a steep cliff leading towards Jubar Top avoiding enemy fire. He reached 50 meters short of the enemy sanger and in a swift and bold maneuver closed in with the enemy along with six men continuously firing and lobbing grenades

Major K P R Hari with utter disregard for his personal safety destroyed the enemy Heavy Machine Gun sanger and killed two enemy personnel who were engaging the advancing troops The enemy sensing immediate capture withdrew leaving huge quantity of arms, ammunition and equipment and the post was captured at 0500 hours without any casualty. Major K P R Hari then alongwith another officer kept the momentum of the attack and captured Jubar Main by 1800 hours.

Major KPR Hari displayed initiative, bold action, indomitable courage, strong determination and exceptional leadership in the face of extreme danger from the enemy

13. IC-56633 CAPTAIN SHASHI BHUSHAN GHILDIYAL
ARTILLERY, 315 FIELD REGIMENT

(Effective date of the award 07th July, 1999)

Captain Shashi Bhushan Ghildiyal was performing the duties of Artillery Observation Post Officer with C Company 17 JAT during the attack on Pimple II in Jammu and Kashmir on 07 July 99. The Company Commander of this assaulting company was seriously injured during the move to the objective and had to be left behind. The company Second-in-Cammand also became a fatal casualty due to the accurate and effective small arms fire of the enemy when the troops were just about 400 meters short of the objective.

In this critical situation, Captain Shashi Bhushan Ghildiyal on his own, took control of the company and started directing troops. He led his men from the front and in doing so himself sustained gun shot wounds. Despite his injuries, he led his men to the objective by bringing effective artillery and mortars' fire on enemy and thwarted enemy plan to launch counter attack.

Captain Shashi Bhushan Ghildiyal exhibited leadership, bravery and raw courage in the presence of the enemy.

14 IC-57502 LIEUTENANT DEEPANKAR KAPOOR SINGH SHARAWAT,
2 NAGA

(Effective date of the award 08th July, 1999)

On 08 July 1999 A Company Commanded by Lieutenant Deepankar Kapoor Singh Sharawat was tasked to raid a mortar position west of Twin Bump, which had been causing havoc on own troops.

Lieutenant Sharawat moved towards the mortar position with his company with stealth using tactical acumen beyond his years. Exhibiting undaunted courage and total disregard to personal safety he stormed the Mortar position killing one enemy soldier personally in a hand to hand fight

His cold and audacious action led to the recovery of three 120 mm Mortar, two 81MM Mortar and three G-3 Rifles besides hordes of valuable documents and equipment. This raid broke the backbone of the enemy intrusion in the Mashkoh valley and led to their ultimate withdrawal

The valor, leadership quality and personal example displayed by the officer inspired and encouraged his troops who killed three other enemy personnel and captured the mortar position intact thus dealing a mortal blow on the adversary.

Lieutenant Deepankar Kapoor Singh Sharawat displayed sustained cold courage, exemplary professional competence and selfless service beyond the call of duty in the face of enemy

---

15. IC-47707H MAJOR GAUTAM SHASIKUMAR KHOT ARMY AVIATION 23 RECCE & OBSN FLIGHT

(Effective date of the award 09th July, 1999)

Major Gautam Shasikumar Khot moved to "OP VIJAY" area on 05 July 99 In a short span of time, Major Gautam Shasikumar Khot had flown almost 70 hours, piloting helicopters in difficult high altitude areas in trying weather conditions, landing at unprepared helipads and saved many lives of his comrades at arms. He successfully delivered ammunition and essential loads under heavy enemy shelling to the troops in contact with the enemy, thereby raising the morale of own troops and assisting them in delivery an extra punch.

On 19 June 1999 he alongwith another officer evacuated six casualities and delivered essential load at Tolnling Top, on a makeshift helipad barely 2m×2m in size, at an altitude of 14500 AMSL, under heavy enemy shelling and direct firing weapons from the nearby areas.

On 05 July 99 he volunteered to captain one helicopter and was tasked to carry out air maintenance at Bakarwal. He carried out two air maintenance sorties and evacuated four personnel from Mashkoh, which was under heavy enemy shelling

On 09 July 99, he carried out nine air maintenance sorties, providing a Para Brigade with much required ammunition for progress of operations in the Mashkoh valley, under enemy's observation and heavy arty fire. The officer displayed his professional skills and sheer valour in carrying out the dangerous mission. He evacuated two casualities from Mashkoh, from an area which was under heavy enemy fire and saved two more human lives.

In accomplishing the missions, the officer flew with utter disregard to the inclement weather in High altitude areas as also the danger to his own life so as to save the lives of his comrades.

Major Gautam Shasikumar Khot displayed valour and gallantry in carrying out the dangerous tasks amidst heavy enemy shelling

---

16. IC-57455 LIEUTENANT PRAVEEN KUMAR 14 SIKH REGIMENT

(Effective date of the award 22nd July, 1999)

On 15 July 99, Lieutenant Praveen Kumar alongwith Ghatak Platoon was ordered to capture Point 5310 in Chorbatla Sector during Op Vijay.

Lieutenant Praveen Kumar organised his Ghatak Platoon into three groups and carried out several rehearsals on mock features and trained the Ghatak Platoon in the techniques of glaciated operations.

On 20 July 1999, he alongwith two men carried out detailed reconnaissance of the feature and selected three different approaches for the surprise attack.

On 22 July 99, after final rehearsals, the Ghataks at 2100 hours began their approach to Point 5310. The first group led by Lieutenant Praveen Kumar negotiated the ice wall almost 300 meters high, crossed a glaciated bowl and a number of crevasses to reach the base of Point 5310. On reaching the base of the objective, he secured the Ghatak base Thereafter, as planned, the three groups commenced the silent attack from three designated directions. The group led by Lieutenant Praveen Kumar carried out the cliff assault after fixing 250 metres of rope and reached the top and totally surprised the enemy

Thereafter, Lieutenant Praveen Kumar organised his defence, sited automatic weapons and organised Point 5310 into a formidable defensive position. Subsequently, he successfully destroyed four sangars of the enemy, and a small fuel and ammunition dump and killed fifteen of the enemy men by small arms by directing artillery and mortar fire along his route of maintenance opposite Turtuk Sector

Lieutenant Praveen Kumar displayed professional competence, unparalleled and unorthodox tact leading to the capture of the objective without any casualty

---

17. 13618411 NAIK KAUSHAL YADAV, 9 PARA-CHUTE (SF)

(Posthumous)

(Effective date of the award 25th July, 1999)

Naik Kaushal Yadav was the squad commander of a Team which was tasked to capture Zulu Top on 25 July 99 during Op Vijay.

The objective was at a height of 5100 meters with no approaches from own side The sheer vertical slops made the cliff assault extremely difficult, which was further compounded by minus 15-degree temperature and extensive enemy minefields.

Under such adverse conditions, Naik Kaushal Yadav's squad was tasked to gain a foothold on top of Zulu Top from the western approach Using his extraordinary mountaineering skills he led his squad and opened a route for his comrades to follow.

Naik Kaushal Yadav's squad was on Zulu Top complex by 0500 hours when from a rocky knob north of Zulu Top complex his squad came under heavy automatic fire. Naik Kaushal Yadav realizing that the enemy was trying to evict him from his foothold, personally led his squad from the front for assaulting the well-entrenched enemy

On reaching the enemy fire position he leapt forward towards the enemy with total disregard to his own safety lobbing grenades into their sangar and firing from the hip. The enemy was shocked by the ferocious charge and in a deadly exchange of fire at close quarters, Naik Kaushal Yadav personally killed five enemy soldiers In the process he too was grievously wounded and made the supreme sacrifice, but his action ensured the capture of Zulu Top.

Naik Kaushal Yadav displayed courage, bravery, valour of the highest order and made the supreme sacrifice.

BARUN MITRA
Dy Secy. to the President

New Delhi, the 26th January 2000

No. 64-Pres/2000.—The President is pleased to approve the award of the Sarvottam Yuddh Seva Medal to Lieutenant General Hari Mohan Khanna (IC-12315), PVSM, AVSM, ADC, Infantry for distinguished service of most exceptional order during 'OP VIJAY'

BARUN MITRA
Dy. Secy. to the President

No. 65-Pres/2000.—The President is pleased to approve the award of the Uttam Yuddh Seva Medal to Lieutenant General Nirmal Chander Vij (JC-13710), PVSM, AVSM, Infantry for distinguished service of an exceptional order during 'OP VIJAY'

BARUN MITRA
Dy. Secy to the President

New Delhi, the 26th January 2000

No. 66-Pres/2000.—The President is pleased to approve the award of the Yuddh Seva Medal to the undermentioned personnel for distinguished service sf a high order during 'OP VIJAY

01. Brigadier Amarjeet Singh Sekhon (IC-24208), Infantry
02. Colonel Sudhir Bhatnagar (IC-25229), Signals
03. Colonel Chahbewal Amarjeet Singh (IC-30462), Armourd
04. Colonel Khushal Thakur (IC-34190), 18 Grenadiers
05. Colonel Subramanian N A (IC-34844), Artillery, 315 Field Regiment
06 Colonel Sanjay Saran (IC-35521), Artillery, 15 Field Regiment
07. Colonel Om Parkash Yadav (IC-37233), 1 Bihar
08. Colonel Dinesh Kumar Badnia (IC-38286). 2 Naga
09. Lieutenant Colonel Akshay Mehrotra (IC-39906), Army Aviation 19 R & O Flt
10. Lieutenant Colonel Dinesh P Naikavde (IC-39918). Jammu & Kashmir Rifles
11. Lieutenant Colonel Amarjit Singh Chandhoke (IC-40032), Jammu & Kashmir Rifles
12. Major Sarat Chandra Dash (MR-05385), VSM, Army Medical Corps
13. Major Arup Rntan Basu (MR-60676), Army Medical Corps 319 Field Ambulance

BARUN MITRA
Dy. Secy. to the President

New Delhi, the 26th January 2000

No 67-Pres/2000.—The President is pleased to approve the award of the Sena Medal to the undermentioned personnel for acts of exceptional courage during 'OP VIJAY :—

01. Brigadier Chander Mohan Nayar (IC-23870), Artillery, 3 Arty Bde
02 Colonel Surinder Pal Singh (IC-30519), Army Aviation, 666 R & O Sqn
03. Colonel Ravinder Kumar Sabharwal (IC-34858), Artillery, 831 Light Regiment
04. Colonel Arun Kumar Mishra (IC-31715), Artillery, 158 Med Regiment
05. Colonel Dayanand Yadav (IC-33810), Artillery, 4 Field Regiment
06 Lieutenant Colonel Virendra Singh Bhalothia (IC-37581) 12 Jammu & Kashmir Light Infantry
07 Major Yogeadra Mukhia (IC-40080), Army Aviation, 3 R & D Flt
08 Major Chandra Bhushan Dwivedi (IC-40468), Artillery 315 Field Regiment (Posthumous)
09. Major Dhirendra Faujdar (IC-41143). Artillery. 244 Hy Mortar Regiment
10 Major Sanjiv Dutt (IC-43376). 12 Jammu & Kashmir Light Infantry
11 Major Om Prakash Yadav (IC-44862), 603 Eme Bn
12. Major Anil Joshi (IC-45210), Jammu & Kashmir Rifles, KW Ladakh Scouts
13. Major Gurpreet Singh (IC-48957), Artillery, 15 Field Regiment
14. Major Rahul Ohri (IC-51962). Artillery, 15 Field Regiment
15. Major Nitia Vasant Punde (IC-52516), Artillery, 139 Med Regiment
16. Captain T Rajagopal (IC-49271), Army Aviation, 32 R & O Flt
17. Captain Saleem Badiuzzaman Shaikh (IC-49627). Army Aviation 7 R & O Flt
18. Captain Satinder Singh (IC-50032), Army Aviation, 663 R & O Sqn
19 Captain Rohit Rajpal (IC-50889), Army Aviation, 33 R & O Flt
20. Captain Rakesh Tiwari (IC-53200). Artillery, 15 Field Regiment
21. Captain MA Raj Mannar (IC-53765), Artillery, 301 Light Regiment
22. Captain Rajesh Bhanot (IC-54552), 17 Garhwal Rifles
23 Captain Naresh Kumar Bishnoi (IC-54838), Armoured, KW Ladakh Scouts
24. Captain Anirudh Chauhan (IC-57146), 11 Rajputana Rifles
25 Captain Amit Aul (SS-37087), 3/3 Gorkha Rifles
26. Captain Harkamal Atwal (SS-37246), 13 Kumaon
27 Captain Vijay Kumar (MS-13250), Army Medical Corps, 1 Naga
28 Captain Vishal Vir Sharma (MS-13268). Army Medical Corps, 17 Jat
29 Captain Rajesh W Adhau (MS-13334), Army Medical Corps Jammu & Kashmir Rifles
30. Lieutenant Aditya Kumar (IC-57837), 5 Para
31 Lieutenant Sachidanand Pandey (IC-58064). 4 Field Regiment
32. Lieutenant Pradipta Dutta (IC-58495), Air Defence Artillery 130 Air Defence Regiment
33. Lieutenant Rajesh Vinod Kulkarni (SS-37215), 108 Engineers Regiment
34 JC-177421 Subedar D Chinnarayan, 2 Engineers Regiment
35. JC-183574 Subedar Chhering Phunchok, IW Ladkah Scouts
36 JC-190557, Subedar Udham Singh, Artillery, 244 Hy Mortar Regiment
37. JC-203567 Subedar Bhanwar Singh, Artillery, 1889 Light Regiment (Posthumous)
38. JC-256861 Subedar Padam Nabh, Artillery 15 Field Regiment
39. JC-256870 Subedar A Angamuthu, Artillery 108 MD Regiment
40. JC-568141 Subedar Satnam Singh, 9 Mahar
41. JC-348563 Naib Subedar Swarn Singh, 108 Engineers Regiment
42 JC-498686 Naib Subedar Ravail Singh, 8 Sikh (Posthumous)
43. JC-588016 Naib Subedar Tashi Namgial, KW Ladakh Scouts
44. JC-588031 Naib Subedar Angchok Dorje. KW Ladakh Scouts (Posthumous)
45. JC-680275 Naib Subedar Prem Singh, Army Service Corps, 899 AT Coy
46. 14378686 BHM Bhupender Prasad singh Air Defence Artillery 326 Light Air Defence Regiment
47. 14558045 HMT Mahabir, EME, 835 Field Workshop Coy
48 2874293 Havildar Kan Singh, 11 Rajputana Rifles (Posthumous)
49. 3170559 Havildar Mahavir Singh, 17 Jat (Posthumous)
50. 3381908 Havildar Sukhwant Singh, 8 Sikh
51. 3986617 Havildar Dola Ram, 1 Para (SF) (Posthumous)
52. 4257831 Havildar Ratan Kumar Singh, 1 Bihar (Posthumous)
53. 9418000 Havildar Gyan Bahadur Tamang, 1/11 Gorkha Rifles

54. 9084546 Havildar Gurwinder Singh, 12 Jammu & Kashmir Light Infantry
55. 13613757 Havildar Mohan Singh Rajput, 5 Para (Posthumous)
56. 13614629 Havildar Ravinder Kumar, 5 Para
57. 13615135 Havildar Yudhbir Singh, 5 Para
58. 14700666 Havildar Surat Singh Pawar, 2 Naga
59. 14701424 Havildar Rekhu Yimchunger, 2 Naga (Posthumous)
60. 9086338 Lance Havildar Sonavollah Khan, 12 Jammu & Kashmir Light Infantry
61. 2682993 Naik Abid Khan, 22 Grenadier (Posthumous)
62. 2683225 Naik Zakir Hussain, 22 Grenadier (Posthumous)
63. 3384443 Naik Raghbir Singh, 14 Sikh
64. 3992362 Naik Ashwani Kumar, 9 Para (SF) (Posthumous)
65. 4066198 Naik Shiv Singh, 17 Garhwal Rifles (Posthumous)
66. 9087158 Naik Chitan Parsad Dahal, 12 Jammu & Kashmir Light Infantry (Posthumous)
67. 9922588 Naik Phunchok Angdus, IW Ladakh Scouts (Posthumous)
68. 13616004 Naik Ganga Ram, 10 Para (SF)
69. 13620699 Naik Surendra Singh Shekhawat, 10 Para (SF) (Posthumous)
70. 13620980 Naik Vijay Pal Singh, 10 Para (SF) (Posthumous)
71. 13621169 Naik Anil Singh, 9 Para (SF) (Posthumous)
72. 14372787 Naik Yaswant Durgappa Kolkar, Artillery, 255 Field Regiment (Posthumous)
73. 14701222 Naik Hari Bahadur Ghale, 2 Naga (Posthumous)
74. 298864 Lance Naik Pahal Singh, 27 Rajput
75. 4070288 Lance Naik Devendra Prasad, 17 Garhwal Rifles (Posthumous)
76. 4264069 Lance Naik Bidya Nand Singh, 1 Bihar (Posthumous)
77. 6925194 Lance Naik Janbir Singh, AOC, 603 EME Bn
78. 6932439 Lance Naik Khairnar Eknath Chaitram, Signals, 8 MTN Division, Signals Regiment (Posthumous)
79. 14390387 Lance Naik Chandan Singh, Air Defence Artillery, 326 Lt Air Division, Artillery Regiment (Posthumous)
80. 14498846 Lance Naik PK Santosh Kumar, Artillery, 93 Field Regiment (Posthumous)
81. 14702709 Lance Naik Mohan Singh, 2 Naga (Posthumous)
82. 15116577 Lance Naik Mukesh Kumar, Artillery, 1389 Light Regiment (Posthumous).
83. 3399929 Sepoy Gurdeep Singh, 8 Sikh (Posthumous)
84. 4268338 Sepoy Hardeo Prasad, 1 Bihar (Posthumous)
85. 4274877 Sepoy Nimama Shailesh Kumar Kavaji, 1 Bihar (Posthumous)
86. 4275292 Sepoy Shiv Shankar Prasad Gupta 1 Bihar (Posthumous)
87. 4276334 Sepoy Pramod Kumar, 1 Bihar (Posthumous)
88. 9924028 Sepoy Sonam Dorjay, KW Ladakh Scouts (Posthumous)
89. 9924082 Sepoy Nawang Tundup, IW Ladhak Scouts (Posthumous)
90. 9924147 Sepoy Tundup Dorjay, KW Ladhak Scouts (Posthumous)
91. 9924732 Sepoy Lutos Zangbo, KW Ladakh Scouts (Posthumous)
92. 9924755 Sepoy Kunzang Rigin, KW Ladakh Scouts (Posthumous)
93. 9924757 Sepoy Tsering Angchok, KW Ladakh Scouts (Posthumous)
94. 14702973 Sepoy H Adahrini, 2 Naga
95. 14703089 Sepoy Himmat Singh(2 Naga (Posthumous)
96. 1487884 Sapper Satish Kumar, 236 Engineers Regiment (Posthumous)
97. 1585300 Sapper Hazi Bnsha, 110 Engineers Regiment (Posthumous)
98. 1587050 Sapper Laxman Kadnba Chate, 108 Engineers Regiment
99. 5246687 Rifleman Pirtha Bahadur Pun, 3/3 Gorkha Rifles (Posthumous)
100. 9096598 Rifleman Mohd Fareed, 12 Jammu & Kashmir Light Infantry (Posthumous)
101. 9422842 Rifleman Buddhi Raj Rai, 1/11 Gorkha Rifles
102. 2683671 Grenadier Yogendra Singh Yadav, 18 Grenadiers (Posthumous)
103. 15127625 Gunner I Nanda Chand Singha, Artillery, 315 Field Regiment (Posthumous)
104. 8034454 Pioneer Jayprakash Pandey, 1568 Pioneer Coy
105. 13621792 Paratrnnper Gnpal Singh, 7 Para (Posthumous)
106. 14584302 Craftsman Kamlesh Singh, 608 EME Batalian. (Posthumous)

BARUN MITRA
Dy. Secy. to the President

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 26th January 2000

No. 68-Pres/2000.—The President is pleased to approve the award of the Sena Medal to the undermentioned personnel for acts of exceptional devotion to duty during 'OP VIJAY' :—

1. Colonel Surinder Mohan Mehta (IC-31917) 41 EME Bn
2. Colonel Lakshmanan Shanmuga Sundram (IC-34442) Jammu & Kashmir Rifles, 126 Infantry Bn (TA)
3. Colonel Uttam Singh Chib (IC-34887) 5271 Army Service Corps Bn (MT)
4. Colonel Amit Sarin (IC-34954), AOC, 1 FOD
5. Colonel Clement Samuel Pereira (IC-36390) MLI
6. Lieutenant Colonel Sartaj Singh (IC-35260) AOC, 3 Infantry DOU
7. Lieutenant Colonel Kulbir Singh (IC-37195), AOC, OTG
8. Lieutenant Colonel Balwinder Singh (IC-39683), 874 AT Bn, ASC
9. Lieutenant Colonel Anil Kayastha (MR-03527), Army Medical Corps, Command Hospital, WC
10. Lieutenant Colonel Ram Kumar Singh (MR-04437), Army Medical Corps, Command Hospital WC
11. Lieutenant Colonel Hoshiar Singh Rawat (MR-04095), Army Medical Corps 153 GH
12. Major Rajesh Kumar Sharma (IC-46085) EME, 23 R&O Flt
13. Major Sanjay Dimri (IC-46108), Signals, 8 MTN Div Signals Regiment
14. Major Furnendu (MR-06084) Army Medical Corps, 308 Field Ambulance
15. Major Shashi Sangar (NR-18284), Military Nursing Service 92 Base Hospital
16. Surgeon Captain Saiil Kumar Mohanty VSM, (75171), Army Medical Corps, 92 Base Hnspital

BARUN MITRA
Dy. Secy. to the President

New Delhi, the 26th January 2000

No. 69-Pres/2000.—The President is pleased to give orders for publication in the Gazette of India of the names of the undermentioned officers/personnel "Mention-in Despatches" received by the Raksha Mantri from the "Chief of the Army Staff and the Chief of the Air Staff in connection with the "Operation Vijay and CI Operations".—

'OP VIJAY'

1. Colonel Dahat Shashank Sadashiv (IC-31344), Signals, 15 Corps Engineering Signals Regiment.
2. Colonel Gurbinder Singh Mann (IC-31366), Artillery, 41 field Regiment.
3. Colonel Ranbir Singh Bhadauria (IC-34010), 10 Para (SF).
4. Colonel Rajbir Singh (IC-35171), 3/3 Gorkha Rifles
5. Colonel Arvinder Pal Singh Cheema (IC-37238), 12 Mahar.
6. Colonel Shailendra Pratap Singh (IC-37429), 8 Sikh.
7. Lieutenant Colonel Kanwal Kumar (IC-39283), Army Aviation, 23 R&O Flt.
8. Lieutenant Colonel Anil Passi (IC-37740), Artillery, 212 Rocket Regiment.
9. Major Anil Singh (IC-41026), Artillery, 1889 Light Regiment.
10. Major Sanjeev Saini (IC-41235), 3/3 Gorkha Rifles
11. Major Deepak Dhingra (IC-42658), Artillery, 15 Field Regiment.
12. Major Vikram Singh Shivram (IC-43083), 12 Jammu and Kashmir Light Infantry.
13. Major Munish Kumar Singh (IC-43287), SM 6 Para
14. Major Sameer Bhadauria (IC-44574), 2 Naga.
15. Major Sameer Anukul (IC-44681), 5 Para.
16. Major Om Prakash Mishra (IC-44720), Artillery, 315 Field Regiment.
17. Major Deep Kumar Pathak (IC-44750), 12 Jammu and Kashmir Light Infantry.
18. Major Raghuvendra Pratap Singh (IC-46786), 1/11 Gorkha Rifles.
19. Major Rajib Ghose (IC-47173), SM Army Aviation, 23 R&O Flight.
20. Major Samir Rawat (IC-48365), Armoured, KW Ladakh Scouts.
21. Major Harinder Singh Jaggi (IC-48650), 5 Para.
22. Major Anupinder Singh Bevli (IC-48974) Artillery, 41 Field Regiment.
23. Major Abhay Tiwari (IC-54824), Artillery, 197 Field Regiment.
24. Major Vikas Mehta (IC-54938), 12 Jammu and Kashmir Light Infantry.
25. Major Sandeep Kumar (IC-55044), 2 Naga.
26. Major Devender Pal Singh (IC-57620), 7 Dogra
27. Major Dharmendra Singh Dahiya (SS-35197), Artillery, 307 Medium Regiment.
28. Major Jaidev Singh Rathore (SS-36049), 8, Sikh
29. Captain Rajeev Kumar Singh (IC-46434), Armoured, 56 Mtn. Bde.
30. Captain Charan Kanwal Siogh Ahluwalia (IC-48068), Army Aviation, 33 R&O Flight
31. Captain Kochukrishna Pillai Jaya Chandran (JC-48076), Army Aviation 3 R&O Flight.
32. Captain Kanwalit Singh Nurpuri (IC-48304), Army Aviation, 7 R&O Flight.
33. Captain Sudhish Kumar Jaini (IC-50713), Army Aviation, 23 R&O Flight.
34. Captain S. Pawan Kumar (I-52041) Army Aviation 32 R&O Flight.
35. Captain Anoop Natarajan (IC-52637), Army Aviation, 33 R&O Flight.
36. Captain Karnik Ashish Shrikant (IC-53433), Artillery, 286 Medium Regiment
37. Captain Sanjeev Dhiman (IC-54346), 12 Jammu and Kashmir Light Infantry.
38. Captain Ravinder Singh Dadhwal (IC-53715), Artillery, 305 Medium Regiment.
39. Captain S. Ashok (IC-54142), 1 Naga
40. Captain Birender Singh Rawat (IC-54801), Artillery, 244 Heavy Mortar Regiment.
41. Captain Vishal Dubey (IC-56675), 10 Para (SF).
42. Captain Anirban Chatterjee (IC-57042), AOC, 13 Jammu and Kashmir Rifles.
43. Captain Revety Bhandari (IC-57049), 1 Bihar
44. Captain Shamsher Singh (IC-57343), AOC, 17 Jat
45. Captain Venkatesan Viswanathan (MR-06792), Army Medical Corps, 1 Bihar.
46. Captain Akhilesh Rao (MR-06970), Army Medical Corps, 328 Field Ambulance
47. Captain Neeraj Kumar Dagour (MR-NYA), Army Medical Corps 1/11 Gorkha Rifles.
48. Captain Sanjey Singh Rautela (SS-37663), 2 Rajputana Rifles.
49. Lieutenant Ravinder Singh (IC-57739), Artillery, 305 Medium Regiment.
50. Lieutenant Satheesh Kumar (SC-00025), 1/11 Gorkha Rifles.
51. Lieutenant Samiran Roy (SS-37123), ACS, 1/11 Gorkha Rifles.
52. Lieutenant Rajendra Singh Rawat (SS-37644), 1/11 Gorkha Rifles.
53. Lieutenant Vijay Kumar Bakshi (SS-37666), 2 Naga
54. Lieutenant Shatrughan Singh (SS-37731), 1 Bihar
55. JC-163962 Subedar Tsering Paldan, KW Ladakh Scouts.
56. 3C-181839 Subedar Baldev Singh, 14 Sikh.
57. JC-183456 Subedar Harphool Singh (Posthumous), 17 Jat
58. JC-186523 Subedar Udaibir Singh, Artillery, 141 Field Regiment.
59. JC-200332 Subedar Jai Prakash, Artillery, 141 Field Regiment.
60. JC-218597 Subedar Kunga Samstan, Indus Wing Ladakh Scouts.
61. JC-488102 Subedar Om Parkash, 17 Jat.
62. JC-258912 Naib Subedar Marinal Kanti Singha Ray, Artillery, 255 Field Regiment.
63. JC-498242 Naib Subedar Satnam Singh, 8 Sigh.
64. JC-590068 Naib Subedar Balwant Singh (Posthumous), 2 Naga
65. 3168723 Havildar Bhagwan Singh (Posthumous), 17 Jat.
66. 3383507 Havildar Kulbir Singh (Posthumous), 8 Sikh.
67. 3384058 Havildar Ajaib Singh (Posthumous), 8 Sikh.
68. 3384541 Havildar Desa Singh (Posthumous), 8 Sikh.
69. 3386968 Havildar Bhagwan Singh, 8 Sikh
70. 3387049 Havildar Vikram Singh (Posthumous), 8 Sikh.
71. 9921673 Havildar Chhering Dorje, Indus Wing Ladakh Scouts.
72. 14701336 Havildar Mukheba Sangtam, 2 Naga.
73. 14367269 Lance Havildar Gurdas Singh (Posthumous) Artillery, 15 Field Regiment.
74. 2677936 Naik Rakesh Chand (Posthumous), 18 Grenadiers.

75 2678123 Naik Birender Singh (Posthumous), 18 Grenadiers.

76. 2678496 Naik Dev Raj (Posthumous), 18 Grenadier

77. 3173613 Naik Krishan Lal (Posthumous), 17 Jat

78. 3177220 Naik Rishipal Singh (Posthumous), 17 Jat

79 3179606 Naik Ram Swaroop Singh (Posthumous), 17 Jat.

80 3388464 Naik Nirmal Singh (Posthumous) 8 Sikh

81 4073558 Naik Harendra Singh (Posthumous), 10 Para (SF).

82 4179358 Naik Jal Singh, 13 Kumaon.

83. 4186705 Naik Ram Singh Bora (Posthumous) 10 Para (SF).

84 9923295 Naik Tundup Wangial, Indus Wing Ladakh Scouts.

85. 13890866 Naik Ramesh Chandra Pal, 5071 ASC Bn (MT).

86. 14477617 Naik Ashok Kumar, Artillery, 158 Medium Regiment.

87. 14571060 Naik Sheshnath Singh Yadav (Posthumous), 608 EME BN.

88. 3180612 Lance Naik Rajesh (Posthumous), 17 Jat

89. 3182134 Lance Naik Vijay Singh (Posthumous), 17 Jat

90 3391755 Lance Naik Devinder Singh (Posthumous), 8 Sikh.

91. 4262865 Lance Naik Ved Prakash Rai, 1 Bihar.

92 9088415 Lance Naik Yakir Hussain, 12 Jammu and Kashmir Light Infantry.

93 13752273 Lance Naik Krishan Mohan (Posthumous) 13 Jammu and Kashmir Rifles.

94. 3185510 Sepoy Dharamvir Singh (Posthumous), 17 Jat.

95. 3186596 Sepoy Raj Singh (Posthumous), 17 Jat

96. 3186959 Sep Karan Singh (Posthumous), 17 Jat

97 3187320 Sepoy Ranveer Singh (Posthumous), 17 Jat

98. 3187386 Sepoy Vijay Pal (Posthumous), 17 Jat.

99. 317414 Sepoy Vinod Kumar (Posthumous), 17 Jat

100 3188794 Sepoy Hawa Singh (Posthumous), 17 Jat.

101. 3189532 Sepoy Gajpal Singh (Posthumous), 17 Jat

102. 3190075 Sepoy Dharambeer Singh (Posthumous), 17 Jat.

103. 3190727 Sepoy Krishan Kumar (Posthumous), 17 Jat.

104. 3191179 Sepoy Virander Kumar (Posthumous), 17 Jat.

105. 3393208 Sepoy Devinder Singh, 8 Sikh

106 4276328 Sepoy Arvind Kumar Pandey (Posthumous), 1 Bihar.

107. 6484846 Sepoy Mastan Singh, 630 Tpt Coy ASC.

108. 9924769 Sepoy Sonam Angdus, Kw Ladakh Scouts

109. 14702436 Sepoy Goolber Singh, 2 Naga

110. 14703226 Sepoy Harish Singh Thapa, 2 Naga.

111. 14423478 Gunner Permjinder (Posthumous), Artillery 286 Medium Regiment.

112. 15119576 Gunner Shaikh Sulthan, Artillery, 244 Heavy Mortar Regiment

113. 15131644 Gunner Yugamber Dixit (Posthumous) Artillery, 286 Medium Regiment

114. 15132569 Gunner Gadi Govardhanmu, Artillery 4 Field Regiment.

115. 15133276 Gunner Shiju Kumar Mo (Posthumous), Artillery, 4 Field Regiment.

116. 2681831 Grenadier Rattan Chand (Posthumous), 18 Grenadiers.

117. 2690121 Grenadier Naresh Kumar (Posthumous), 18 Grenadiers.

118. 2690509 Grenadier Anant Ram (Posthumous), 18 Grenadiers.

119. 13759389 Rifleman Deep Chand (Posthumous), 13 Jammu and Kashmir Rifles.

120. 13760422 Rifleman Sanjay Kumar, 13 Jammu and Kashmir Rifles

121. 5246730 Rifleman Dhan Bahadur Thapa, 3/3 Gorkha Rifles.

122 9098037 Rifleman Ashiq Hussain Khan, 12 Jammu and Kashmir Light Infantry.

123 9099697 Rifleman Abdul Rashid Rather, 12 Jammu and Kashmir Light Infantry.

124 13620541 PTR Bhanwar Singh (Posthumous), 7 Para.

125. 15666968 Signalman Manas Ranjan Sahoo (Posthumous), Signals.

126 14587109 CFN Randhir Singh, EME 118 Field Workshop

127. 18499 Squadron Leader Niraj Kumar Sharan, Aeronautical Engineer (Mechanical).

128 232686 MWO Sukhdev Raj, Air Frame Fitter

OPERATION RAKSHAK

1. Brigadier Nasib Singh Rana (IC-32059), Head Quarter 17, Infantry Brigade.

2. Colonel Ravinder Singh Chopra (IC-31446), Artillery, 11 Field Regiment.

3. Colonel Kochuparampil Varkey Cherian, VSM** (IC-31159), 3 Assam.

4 Colonel Rajiv Kumar Nayar (IC-31647), Dogra Scouts.

5 Colonel Ryan Peter Lobo (IC-35164), 4/8 Gorkha Rifles.

6 Colonel Basant Narayan Singh (IC-38506), 22 Punjab.

7 Major Dipendra Sarin (IC-40837), 9 Gorkha Rifles, 32 Rashtriya Rifles.

8. Major Madan Lal Sharma (IC-42593), Artillery, 10 Rashtriya Rifles.

9 Major Naram Dutt Ganesh Dutt Joshi (IC-43352), Intelligence, 28 Division, Intelligence Unit.

10 Major Laxman Singh (IC-44123), Garhwal Rifles, 36 Rashtriya Rifles.

11. Major Robertson Bilavendran (IC-47614), 19 Mahar.

12. Major Praveen Kumar Airy (IC-48118), Grenadier, 12 Rashtriya Rifles.

13. Captain Vikram Singh Dhayal, Jat (IC-52511), 5 Rashtriya Rifles

14. Captain Amandeep Singh (IC-52582), Air Defence Artillery, 15 Rashtriya Rifles.

15 Captain Vikram Chandel (SS-36745), 10 Dogra.

16. Captain Servesh Dhadwal (SS-36806), Intelligence, 192 MTN BDE

17. Captain Sharanjeet Singh (SS-36847), 4 Grenadiers.

18. Lieutenant Yallanagonda Doddanaik Mallur (IC-56979), 27 Madras

19. Lieutenant Rajneesh Wadhwa (IC-58299), 20 Punjab.

20. JC-211188 Subedar Gian Chand, 16 Dogra.

21 JC-538280 Subedar Rajpal Singh, Kushwaha, 15 Kumaon.

22. JC-468164 Naib Subedar Malam Singh, 5 Rajputana Rifles.

23 JC-568665 Naib Subedar Ram Singh, 12 Mahar.

24. 2677776 Havildar Puran Mal, 4 Grenadiers
25. 3171052 Havildar Ved Pal Sangwan, 12 Jat.
26. 9084227 Havildar Dharam Chand, 4 Jammu and Kashmir Light Infantry.
27. 2474806 Lance Havildar Durga Dass Sharma, 20 Punjab.
28. 14908201 Naik Puran Chandra Lohani, Mechanical Infantry, 12 Rashtriya Rifles.
29. 2681935 Naik Ravi Karan Singh, 18 Grenadiers.
30. 13697404 Lance Naik Balraj Singh, Guards, 21 Rashtriya Rifles
31. 2482449 Lance Naik Harnek Singh, 20 Punjab
32. 14702890 Sepoy Anil Kumar Negi, 1 Naga
33. 4365221 Sepoy T Pumliankap Zou, 15 Assam
34. 2487619 Sepoy Sandeep Kumar, 20 Punjab.
35. 2487656 Sepoy Naresh Kumar, Punjab, 22 Rashtriya Rifles.
36. 4070793 Rifleman Girish Chandra, Garhwal Rifles 14 Rashtriya Rifles
37. 4073066 Rifleman Minendra Singh, Garhwal Rifles, 14 Rashtriya Rifles.
38. 5849430 Rifleman Guru Prasad Pandey, 2/9 Gorkha Rifles.
39. 13620307 Paratropper Shamsher Singh, 6 Para.
40. 2686258 Grenadiers Raj Pal, 18 Grenadiers
41. 13694623 Guardsman Man Singh (Posthumous) Guards, 21 Rashtriya Rifles

OPERATION MEGHDOOT

01. Colonel Mahender Singh Hada, (IC-36010), 13 Kumaon.
02. Major Vijay Khanna (IC-45774), 13 Kumaon.
03. Major Vishwasrao Sanjay Pratap Singh, SM (IC-48621), 11 Rajputana Rifles.
04. Major Benjamin David Adiappa (IC-49616), Signals, 102 Infantry Brigade.
05. Captain Rakesh Tiwari (IC-53200), Artillery, 170 Field Regiment.
06. Captain Mukesh Singh Bist (IC-57188), 13 Kumaon
07. Captain Ashish Bhalla (IC-57908), 11 Rajputana Rifles.
08. JC-538320 Subedar Priyatam Singh, 13 Kumaon
09. JC-538362 Naib Subedar Rohitashva Yadav, 13 Kumaon.
01. Colonel Thomas George (IC-35655), 14 Assam.
11. 4177764 Naik Bijender Singh, 13 Kumaon.
12. 2794662 Sepoy S. K. Aoiff, 26 Maratha Light Infantry
13. 4187860 Sepoy Ravinder Kumar, 13 Kumaon

OPERATION RHINO

01. Colonel Thomas George (IC-35655), 14 Assam
02. Major Ravi Pratap Singh (IC-46343), Artillery, 1872 Light Regiment.
03. Major Anil Bose S (IC-53858), 26 Madras
04. Major Jagminder Singh Mann (IC-53251), 11 Sikh
05. Major Ravi (IC-54220), 15 Dogra.
06. Captain Abhishek Das (SS-36875), 15 Sikh.
07. Lieutenant Ashish Whig (IC-57768), EME, 26 Madras
08. Assistant Commandant Narendra Dan (IRLA-70656), BSF, 15 Sikh Light Infantry.
09. JC-199297 Subedar Nandan Singh, 6 Kumaon
10. JC-592426 Subedar Omkar Nath, 5 Jammu and Kashmir Light Infantry.
11. 65426 Havildar Dalbir Singh, 6 Assam Rifles.
12. 4471133 Sepoy Manjit Singh, 15 Sikh Light Infantry

OPERATION HIFAZAT

01. Major Anindya Sengupta (IC-44545), 14 Punjab.
02. Captain Anil Kumar Jain (IC-46555), Engineers, 12 Assam Rifles.
03. 2477557 Havildar Hari Singh, 14 Punjab.

BARUN MITRA
Dy. Secy to the President

No. 70-Pres/2000.—The President is pleased to approve the award of Kirti Chakra to the undermentioned persons for the acts of conspicuous gallantry :—

1. JC-518184 SUBEDAR DALJIT SINGH, DOGRA 31, RASHTRIYA RIFLES. (Posthumous)

(Effective date of the award 26th April, 1999)

Subedar Daljit Singh was the leader of a troop launched to carry out seek and destroy mission in area Rupwala, Tehsil Saurankot, District Poonch, Jammu and Kashmir.

At about 1845 hours, on 26 April 1999 the Junior Commissioned Officer noticed movement of four militants in the nallah. He immediately deployed the Light Machine Gun and ran towards the militants in an endeavour to outflank them. Displaying unparalled courage and scant regard to personal safety the Junior Commissioned Officer charged through a barrage of accurate militants small arms and sniper fire, crawled 50 meters and shot dead two militants himself. The third militant lobbed a grenade and injured the Junior Commissioned Officer grievously but he refused to be evacuated and continued to fire Rocket launcher on the remaining militants. In a swift, precise and gallant action, the Junior Commissioned Officer wrested the initiative and injured the third militant later confirmed killed by intercepts

The Junior Commissioned Officer suffered grevious wounds during the operation but continued to fight till the succumbed to injuries.

Subedar Daljit Singh, displayed conspicuous gallantry in the face of militants fire and made the supreme sacrifice.

2. 5849569 LANCE NAIK RAM CHANDER BHATT 2/9 GORKHA RIFLES. (Posthumous)

(Effective date of the award 01st May, 1999)

On 01 May 1999, at 2230 hours, Lance Naik Ram Chander Bhatt, was performing the duties of scout of a patrol following the trail of a group of infiltrating militants in the snow clad ridges of the Shamshabari Range, in Batanwala, Kupwara District of Jammu & Kashmir. After nearly 15 hours, the patrol sighted the group of militants in the thick forest.

Lance Naik Chander Bhatt alongwith two others charged on the militants. Seeing a militant in the act of lobbing a grenade at the patrol leader, Lance Naik Ram Chander Bhatt rushed forward and shot him at point blank range. The other militants armed to the teeth rolled down the slope and took cover bringing down heavy fire, leaving behind ruck-sacks filled to the brim with arms, explosives and war like stores

Lance Naik Ram Chander Bhatt and three others, with scant regard to personal safety, stealthily crept forward through heavy fire to a position right above the militants. At 2330 hours, six militants, in a desperate attempt to escape, under a heavy volume of covering fire, charged upslope towards Lance Naik Ram Chander Bhatt and the others though outnumbered held their ground and in the ensuing fire fight killed one militant. However, a member of the team sustained bullet injuries causing him to roll down the steep slope to a precarious position just below the militants. Realising the adverse situation, Unpaid/Lance Naik Ram Chander Bhatt in a rare act of date devilry and camaraderie,

putting his own life at stake came out of cover and charged at the militants and in a fierce fire fight killed one of them, thus saving life of his comrade

At this stage, a grenade lobbed by a militant exploded near Lance Naik Ram Chander Bhatt injuring him grievously and causing him to drop his weapon. Despite being severely wounded and unarmed, this daring young Non Commissioned Officer whipped out his khukri, fell on the militant who had lobbed the grenade and slashed his throat, forcing others to retreat. Bleeding profusely, he continued battling on and held the militants at bay preventing their escape.

Unpaid/Lance Naik Ram Chander Bhatt displayed conspicuous act of gallantry, in the face of effective militaot fire despite grievous injuries and made the supreme sacrifice

3. IC-48212 Major Sushil Aima, (Posthumous)

Air Defence Artillery

17 Rashtriya Rifles

(Effective date of the award 01st August, 1999)

On 01 August 1999 Major Sushil Aima was leading an operatioa in village Kopra, Tehsil Mandi District Poonch, Jammu and Kashmir.

Major Sushil Aima who was to proceed on leave for his marriage anniversary on 02 Aug 99 refused to go on leave and volunteered to lead the operations against militants in extremely bad weather and heavy rains. Coming under heavy fire he challenged the militant hiding in dense forest. Militants lobbed grenade at buddy.

Pouncing like a tiger Maj Sushil Aima pushed a team member to safety, and charged at the militant, killing him instantly. A second militant fired at the officer's legs seriously injuring him

Undeterred the officer shot dead the second militant. Refusing evacuation he insisted on leading the assault. A third militant emerged from behind a tree. Both fired at each other, the third militant died and the officer also succumbed due to a burst in head.

Major Sushil Aima exhibited exceptional bravery, exemplary leadershio and made the supreme sacrifice.

4. IC-47194 Major Joginder Singh Tanwar

3 Gorkha Rifles,

32 Rashtriya Rifles

(Effective date of the award 08th September, 1999)

Major Joginder Singh Tanwar commanding a Rifle Company deployed in militant infested Kalaruch Valley in Kupwara District in Jammu & Kashmir and deployed a very effective intelligence network in his area. On 12 Aug 99 based on information a seek and destroy mission was launched in Rangat forest.

At about 0930 hours on 13 August 99 while carrying out search he noticed a group of militants Major Joginder Singh Tanwar immediately opened fire on the militants killing one militant on the spot. The panic stricken militants sensing danger started fleeing with Major Joginder Singh Tanwar and his LMG group in hot pursuit of them Braving the rain of bullets and at the same time encouraging his men, he kept firing and advancing killing one more militant during a fire fight which lasted for 1 hour 05 minutes. Arms and ammunition were recovered from militants in this action

Keeping track of militants in his area, on 20 Aug 99 he killed one more foreign militant at 0815 hours, who was later identified as the group leader of the two other foreign militants killed by Major Tanwar on 13 August 99. The operation, was once again planned and co-ordinated so well that own troops did not suffer any casualty. Arms and ammunition were also recovered.

As part of Battalion operations, on 08 September 99, on Rangat Top Major Joginder Singh Tanwar was tasked to lead a small team to seek and destroy militants likely to be hiding in BUINAR It was a difficult task since the nala was steep and narrow with dense undergrowth. At approximately 1100 hours, four foreign militants opened heavy fire from a dominating position at a close range injuring Major Joginder Singh Tanwar's left hand. Unmindful of his grievous injury he encouraged and instructed his team to bring suppressive fire, while he himself closed in from the flank and using excellent field craft he took position behind a boulder. Inspite of his left hand being partially incapacitated he, alongwith his buddy, opened heavy and accurate fire with his right hand killing three militants on the spot. The officer refused to get evacuated till the completion of operation at 1730 hours resulting in operation success but losing his left hand's index finger permanently.

Major Joginder Singh Tanwar, thus, displayed conspicuous gallantry, outstanding courage, dogged determination and exceptional leadership in fighting the militants.

BARUN MITRA
Dy. Secy. to the President

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 26th January 2000

No 71-Pres/2000.—The President is pleased to aprove the award of VIR CHAKRA to the undermentioned person for the acts of gallantry in the face of enemy :—

CAPTAIN KUL BHUSHAN UPRETI (IC-57684)

ARMY SERVICE CORPS

19 MAHAR

(Effective date of the award 05th August, 1999)

Captain Kul Bhushan Upreti consistently displayed a high degree of courage and gallantry a series of operations against the enemy.

On the night of 10 June 99 as Second-in-Command of a team, he displayed great courage and initiative in spearheading the attack on enemy post from one flank on the Line of Control wherein he led his subgroup within 50 meters of enemy posts regardless of personal safety and fired his rocket launcher accurately into the loophole of enemy's sangar and destroyed the same alongwith the occupants. This helped in successful destruction of the enemy post.

Later as post Commander of Protective Patrol, Captain Kul Bhushan Upreti led the hot pursuit of an enemy patrol found lurking on our side of the Line of Control, into a neighbouring enemy post, in spite of being wounded in the firefight. Using a rocket launcher the officer destroyed two sangar and personally shot dead four enemy soldiers at the enemy post

At the Post, around first light of 05 Aug 99, Captain Kul Bhushan Upreti heard sounds of firing of a nearby patrol clash. Without delay he swung into action with a rocket launcher detachment and outflanked the enemy patrol The enemy fled while own patrol was pinned down by effective fire from sangars of neighbouring enemy Post. Captain Upreti was wounded during the ensuring firefight by shrapnel from a grenade thrown by the disengaging enemy patrol.

With utter disregard to his safety, the wounded officer crawled forward, closed in with the offending enemy post and handling the rocket launcher he personally destroyed one Sangar. Capt Upreti continued to pursue the fleeing enemy patrol by fearlessly jumping into the communication trench of the enemy patrol. He dauntlessly charged along the trench, entered the enemy Sangar and single handedly shot dead four surviving enemy soldiers, at point blank range. He then provided effective covering fire for his party to withdraw and was the last to leave the post, alongwith his buddy

Captain Kul Bhushan Upreti displayed outstanding valour, dogged determination and rare agressiveness in the face of enemy fire.

BARUN MITRA
Dy. Secy. to the President

No. 72-Pres/2000.—The President is pleased to aprove the award of SHAURYA CHAKRA to the undermentioned person for the acts of gallantry :—

1. SHRI RAM AWADH TIWARI, BIHAR

(Effective date of the award 29th November, 1997)

On 29th November, 1997 at 11 00 A.M., Shri Ram Awadh Tiwari, Armed Guard was on duty at Gyaspur Branch Central Bank of India under Patna region.

At that time, three culprits armed with country made revolver entered, the Gyaspur Branch. One of them took out his pistol and pointed at the Armed Guard. Since Shri Tiwari could not use his gun being close to the culprit, he gave a sweep of hand by jerk at the robber who fell down on the ground He caught hold of the robber's neck on the ground. Meanwhile, the second dacoit took out his revolver and fired at the Guard from close range. The bullet pierced into Armed Guard's flesh at the back side of his body below his neck The guard fell down but he did not leave his gun. This first resistance of Shri Tiwari delayed the dacoits in looting the Branch.

The culprits then approached the Branch Manager, Shri H. C. Prasad and, at the gun point, asked for the keys of the safe/strong room. Meanwhile, the manager had kept the keys in his Tiffin Box. The Branch Manager did not loose his courage though slaped by robbers and gave clever reply that the cashier had taken away the keys. The robber could not trace out the keys of the strong room/safe Thus, the Bank was saved from looting For his act of bravery and active resistance he was sanctioned a monetary reward of Rs 50,000/- by the bank.

Shri Tiwari showed exemplary courage and presence of mind and foiled the attempt to loot the bank's cash of more than Rs. 1 lakh without caring for risk involved to his own life

SHRI BASAVARAJ, KARNATAKA
(POSTHUMOUS)

(Effective date of the award 30th March, 1998)

On 30th March, 1998, at about 10 30 hours Shri Nagayya, resident of HUDCO Colony, Mulagund Road, Gadag on return to his house found that four unknown persons were robbing the valuables from his bedroom. Shri Nagayya started shouting for help. On hearing his shouts, the culprits started running towards the Zakeer Husain Colony, threatening the public gathered there. One Shri Basavaraj, a milk vendor, who also heard the shouts of Shri Nagayya, rushed towards the house of Nagayya and found the accused persons running towards Zakeer Husain Colony He chased the culprits and during his efforts to catch the culprits, he sustained serious injuries over his abdomen, as one of the culprits attacked him with knife. Injured Basavaraj was taken to K.M.C. Hospital, Hubli for treatment where he succumbed to the injuries.

Shri Basavaraj showed exemplary courage in an attempt to aprehend the robbers and in the process made the supreme sacrifice of his own life.

3. SHRI YOGESHWAR PRASAD SAH BIHAR

(Effective date of the award 22nd September, 1998)

On 22nd September, 1998, Shri Yogeshwar Prasad Sah, Armed Guard of the Central Bank of India, Khagaria Branch was escorting the cash remittance of Rs. 20 lakhs, which was being taken by train to currency chest, Katihar Branch. Suddenly, about seven-eight dacoits entered the compartment and assaulted the Guard Shri Sah, not giving him any chance to defend/react. One of them fired at him with the revolver from close quarters and the bullet pierced the guard's left temple and severly damaged his left eye.

Despite bleeding profusely, Shri Sah defended himself and misguided the robbers to a different location/compartment to find the cash box, although the cash box was lying just under his seat itself. Not finding the cash box there, the miscreants returned back, dragged the guard to show them the box, beating him continuously He not only resisted them but also did not give out the correct location of the box and the other staff (Cashier and Peon) who were sitting by the side with the cash box

The dacoits then exploded a bomb to create terror. In this commotion, the train was brought to a halt and the Railway Protection Force (RPF) from the neighbouring compartment and some of the passengers chased the culprits and caught one of them and the other was killed in firing from RPF. The bank sanctioned him a cash reward of Rs. 50,000/- and three advance increments on permanent basis.

Shri Yogeshwar Prasad, inspite of serious injury to his eye and profuse bleeding, displayed conspicuous bravery and exemplary presence of mind resulting in saving of public money of Rs 20 lakhs and also prevented assault on his colleagues.

4 JC-155660 SUBEDAR OM PRAKASH, 16 RAJPUTANA RIFLES

(POSTHUMOUS)

(Effective date of the award 25th December, 1998)

On 25th December 1998 an operation was launched on information of four militants hiding in village Mala in District Rajauri (Jammu and Kashmir).

Subedar Om Prakash was deployed in the cordon. He saw two militants trying to escape towards the forest. He quickly readjusted his platoon. His quick presence of mind resulted in the militants getting trapped. Subedar Om prakash leading from the front injured one militant but in the process he was greviously wounded Wounded and bleeding profusely Sub Om Prakash displayed raw courage, he chased the second militant and killed him in a closer quarter battle before succumbing to his injuries The action resulted in elimination of hardcore mercenaries and recovery of large quantity of arms and ammunitions.

Subedar Om Prakash displayed conspicuous bravery and exemplary courage. He fought valiantly and sacrificed his life in the highest traditions of the Indian Army.

5 2488120 SEPOY SURJIT SINGH, 20 PUNJAB (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award 05th Feb, 1999)

Sepoy Surjit Singh was part of a party which had cordoned off a group of four militants in a house in Sonchal village in Jammu and Kashmir on 05 Feb 1999

Sepoy Surjit Singh with other comrades fired at the house to draw the militants out A fierce encounter commenced and militants realising being traped ran out of the house. Sepoy Surjit Singh saw one militant running towards the village and began chasing him Realising that the militant was hiding behind a house, Sepoy Surjit Singh climbed on the roof of the house and began engaging the militant by AK 47 and grenade; at the sametime he saw the militant firing at his party who were chasing the other three militants Without caring for his personal safety Sepoy Surjit Singh moved closer to the edge of the roof top in order to prevent this militant from firing at his comrades. In the fierce exchange of fire at close quarters Sepoy Surjit Singh received a burst of fire. Despite being seriously wounded Sepoy Surjit Singh kept firing at the militant, and killed him, before laying down his life during the encounter His sacrifice was a motivation for other resulting in eliminatin of three other militants later in the day, and recovery of a large quantity of arms and ammunition and sensitive documents.

Sepoy Surjit Singh displayed gallantry of exceptional order exemplary courage and killing of a hard core militant despite being fatally wounded

6 5452662 RIFLEMAN RAM BAHADUR THAPA, 5/5 GORKHA RIFLES (FRONTIER FORCES) (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award 02nd March, 1999)

On 02 Mar 99 based on the information of a source regarding presence of insurgents in village Khoirung Mul, a raid was carried out In this operation Rifleman Ram Bahadur Thapa was a member of the team

At approximately 1015 hours approaching a group of suspected houses, the section came under heavy fire. The fire was immediately returned Riflemen Ram Bahadur, unmindful of his personal safety moved forward and shot one insurgent dead. During the intense fire fight three more insurgents were killed in the village. Thereafter it was decided to search the adjacent forest area to locate any insurgent hiding. Rifleman Ram Bahadur once again led his section. During the search one insurgent hiding in the thick undergrowth saw Rifleman Ram Bahadur approach him Sensing that he will be spotted, he fired at Rifleman Ram Bahadur and injured him critically.

Rifleman Ram Bahadur immediately returned the fire and unmindful of his personal safety, charged at the insurgent, shouting AYO GORKHALI, and shot him dead. He thereafter lay bleeding profusely. He was immediately evacuated to the Advance Dressing Station, where he succumbed to his injuries

Rifleman Ram Bahadur Thapa showed exemplary courage and made the supreme sacrifice while upholding the traditions of the army

7. ASSISTANT COMMANDANT KARTAR SINGH (AR-180), 19 ASSAM RIFLES

(Effective date of the award 09th March, 1999)

On 09 March 1999, Assistant Commandant Kartar Singh laid and ambush based on information about militant movement at Dogougbari in Tripura Along with twenty men he reached the proposed ambush site bamboo bridge at 1930 hrs Detailed orders were given to each individual Banana tree trunks were used to increase the defence potential of the site He permitted two groups of civilians to pass through in order to maintain surprise. At 2230 hrs, a column of 60 heavily armed militants walked into the ambush Assistant Commandant Kartar sprung the ambush using all his weapons thereby inflicting heavy casualties on the militants.

The militants retaliated with heavy volume of fire. With utter disregard to personal safety, Assistant Commandant Kartar Singh crawled and lobbed grenades onto the militants His undaunting courage in the face of sustained and effective hostile fire motivated his men to assault the militant, thus forcing the militants to abandon their position, leaving behind a large quantity of arms, ammunition and dead bodies of colleagues In the operation eight militants were killed, three apprehended and eleven sophisticated weapons were recovered

Assistant Commandant Kartar Singh, thus, displayed unmatched feat of gallantry and devotion to duty beyond the call of duty

8. 193499 RIFLEMAN JAYANTA KUMAR RABHA 19 ASSAM RIFLES

(Effective date of the award 09th March, 1999)

On 09 March 1999, Rifleman Jayanta Kumar Rabha chosen as stop of an ambush was located behind a tree, couple of feet from the track on which the militants were expected.

At about 2230 hours, Rifleman Jayanta Kumar Rabha observed a column of 60 armed militants moving into ambush The ambush was sprung Identifying the position of the stop, the militants retaliated with heavy volume of fire Rifleman Rabha sustained a bullet injury in the left arm during the exchange of fire. Three militants charged at his position. With utter disregard to personal safety and undeterred by the injury he dropped dead two on the spot while one managed to pounce on him He struck the militant on the head with the butt of his weapon Inspite of being grievously wounded and bleeding profusely Rifleman Jayanta Kumar Rabha continued to engage the militants until he was evacuated at about 0020 hours on 10 March 99

Throughout, Rifleman Jayanta Kumar Rabha displayed gallantry and devotion beyond the call of duty The operation resulted in eight militants killed, three apprehended and recovery of eleven sophisticated weapons

Rifleman Jayanta Rabha displayed [illegible] and devotion beyond the call of duty

09 MAJOR SANGRAM SINGH (IC-26034) 10 PARA (SPECIAL FORCE)

(Effective date of the award 16th March, 1999)

Major Sangram Singh was leader of the team which raided the militant hideout in forests of Boban Wastar

On 16 Mar 99 at approximately 1530 hours a paratrooper saw a militant and killed him by [illegible] Hearing this fire, four militant rushed out of the hideout firing indiscriminately. Hearing gun shots Maj Sangram Singh, still in process of occupying stop position rushed towards the hideout. Suddenly he encountered militants at a range of [illegible] and they charged towards him

In an unparalled display of courage and complete disregard to personal safety Maj Sangram Singh charged towards the militants firing his rifle from battle [illegible] position which resulted in killing of three militants including fourth who took up position behind a tree

Undterred Maj Sangram Singh rushed towards the injured militant In a bid to die fighting the militant pounced upon Maj Sangram Singh shouting Allah-o-Akbar Major Sangram Singh rolled over the hill side. Grappling with the mercenary, he drew out his dagger and killed the militant in a hand to hand combat

Major Sangram Singh displayed exemplary act of unflinching courage, with complete disregard to personal safety

10 LIEUTENANT DEEPAK SINGH PATHANIA (04004-Z)

(Effective date of the award 16th March 1999)

On 16th March, 1999, Lieutenant Deepak Singh Pathania as Team Commander of the Marine Commando detachment combined with 10 Para (SF) was deployed for OP Rakshak in Kupwara district of Jammu and Kashmir during a night raid on a militant's hide out in the dense forest of Boban Wastar. The raiding Team was split into Assault and Support Groups and the officer had personally led the Assault Group of flushing out the militants from their hideouts

As the Assault Group moved to [illegible] the militant's hideout, it came under heavy fire from the militants Lieutenant Pathania immediately directed his team to drop on the ground for cover and in a rare display of raw courage and dazzling speed he engaged the militants with burst of AK-47 fire. Astounded by the officer's instant [illegible] offensive, the militants were taken aback and in that [illegible] of the moment, the LMG operator of the militants was shot dead by Lieutenant Pathania's volley of bullets Another militant was also killed by this Assault Group

Appreciating that the Assault Group was still vulnerable to enemy's fire, the officer directed the Support Group to open up another flank [illegible] the militants. This apt and timely tactical move, not only [illegible] the Assault Group of any casualties but also, forced the militants to retreat into the adjoining nallah To prevent their escape, he directed his Assault Group to keep the militant engaged with high volume of fire. Undeterred by the intense exchange of fire above him, he then stealthily crawled towards the nallah to personally engage the militants

On reaching the nallah in a rare display of indomitable courage and dazzling speed he [illegible] Afghani militants in a dare devil close quarter [illegible] Immediately thereafter, the third militant [illegible] towards Lt Pathania to avenge the killing of his comrades Displaying commendable presence of mind and unparalleled tenacity the officer killed the approaching militant at a point blank range with an [illegible]

Thus, during the encounter Lieutenant Deepak Singh Pathania not only saved the Assault Group by displaying sheer grit, indomitable courage and [illegible] bravery, but also killed five hardcore Afghani militants

11 Major Sanjeev Bhatty (IC-40640), SM

4 Grenadiers, 12 Rashtriya Rifles

(Effective date of the award 21st April, 1999)

Major Sanjeev Bhatty, was performing the duties of Company Commander with a Rashtriya Rifles unit.

On 21 April 1999 at 0800 hrs on information of presence of foreign militants at upper Chapriali. He immediately led a group through extremely mountainous heights. During search of area, suddenly a foreign militant burst out firing and lobbed a grenade at Maj Sanjeev Bhatty, narrowly missing him. Despite the acute danger the officer realised that the militant would kill a Grenadier. Unmindful of personal safety and despite a barrage of fire, the officer shouted at the foreign mercenary, diverting his attention and charged at him firing, thus killing him at point blank range. Meanwhile, the second militant ran and took a dominating position, firing intensly. The officer single handedly gave chase and despite grave threat to personal safety lobbed grenades and closed in to the militant shooting him at close range. The third militant escaped to a nallah, the brave officer pinned him down with accurate fire, thus assisting in killing of third militant also.

Major Sanjeev Bhatty, SM, displayed exceptional raw courage, ensuring safety of a comrade and exhibiting exemplary leadership in the best traditions of Army.

12. 5243388 Lance Havildar Dev Bahadur Thapa
1/3 Gorkha Rifles

(Posthumous)

(Effective date of the award 21st April, 1999)

A search party led by Havildar Dev Bahadur Thapa was fired upon by a group of militants during search operation in Fatusha, Jungle on 21 April 1999. The party Commander immediately ordered return of fire. The militants armed with automatic pinned his party down with heavy and accurate fire from three directions.

Realising the gravness of the situation Lance Havildar Dev Bahadur Thapa spotting two militants on the Western flank, picked up a loaded 84mm Rocket launcher and crawled 200 meters West to outflank them. As he prepared to fire he was wounded by a burst of PIKA gun in the right thigh and his rocket launcher got thrown about 15 yards away from him. Bleeding profusely and loosing consciousness at times, with the last ounce super human effort retrieved the 84mm Rocket Launcher, got into sitting position and fired, blowing the two militants to pieces. This gallant soldier succumbed to his injuries while being evacuated.

Lance Havildar Dev Bahadur Thapa, displayed gallantry of the highest order, in the face of hardcore foreign militants.

13 Major Vimey Chaudhary (IC-50228),
13 Punjab

(Posthumous)

(Effective date of the award 29th April, 1999)

Major Vimey Chaudhary had developed intricate intelligence network in Kulgama (JAMMU AND KASHMIR). On 29th April 1999 he received hard intelligence about presence of militants in village Takia. Immediately the officer led his soldiers and established tight cordon around cluster of houses by 1500 hrs. Contact with militants was established and at 1535 hrs officer spotted one militant bringing down effective fire on cordon. Displaying excellent marksmanship, Major Vimey shot dead the first militant. In the ensuing fire fight the officer crawled to a position of advantage under covering fire and shot dead the second militant. The officer while inching forward for the third militant received Gun Shot Wound in right thigh. Disregarding his injury, sensing threat to his comrades and displaying exemplary courage and conspicuous bravery the officer charged towards the house and shot dead the third militant at point blank range. Later he succumbed to his injury.

Maj Vimey Chaudhary displayed exemplary initiative, tremendous sense of urgency, zeal and unparalleled courage beyond the call of duty making supreme sacrifice and saving life of the comrades.

14. 9088192 Naik Pardeep Singh
8 Jammu and Kashmir Light Infantry

(Effective date of the award 07th May, 1999)

Naik Pardeep Singh volunteered to participate in an operation launched on 07 May 1999 at Sillaunsyan, Poonch in Jammu and Kashmir.

As troops neared the target house, militants opened fire and soon the area was engulfed by a heavy exchange of fire. A shaped charged was exploded on the roof of the house in which militants were hiding, forcing all the six militants out. Two of them ran through the dense tree cover, spraying bullets indiscriminately from their AK rifles. Having spotted them, Naik Pardeep Singh sprinted, with utter disregard to his own safety, to another position to intercept them. Now alone in that position, he acted with calm precision and allowed the militants to get closer. When they were approximately 5—10 meters away, and still firing wildly, he displayed steady nerves and rare courage to break cover and shot both the militants dead. The Non Commissioned Officer displayed rare presence of mind and courage beyond the call of duty, resulting in elimination of two militants.

Naik Pardeep Singh displayed conspicuous and unflinching courage in fighting the militants.

15. 3986604 Lance Naik Maluk Chand,
16 Dogra

(Posthumous)

(Effectve date of the award 10th May, 1999)

On 10 May 1999 Lance Naik Maluk Chand formed part of search and destroy mission launched with handful of men in general area Swari in Jammu and Kashmir.

Cornered but determined militants, brought intense fire on the column. All ranks dangerously exposed in open bullet swept area were gravely endangered. Lance Naik Maluk Chand with exceptional vision and alertness retaliated immediately with LMG thereby preventing a catastrophic situation. With no time to move himself to safety, he unmindful of personal danger continued firing. Thus, he drew militant's attention who expectedly unleashed their fury on him. He held firm to face hail of bullets enabling time for others to deploy. His position became untenable, yet, he refused to give up. A bullet hit him on the throat. Grievously wounded, in acute pain and profusely bleeding, he had assured safety of his colleagues. Thereafter, he charged on the militants. Unnerved, they tried to escape. Despite fading strength and blurred vision, he shot dead one militant in close combat. This brave soldier even in dying moments indicated direction of escape of last militant, before making supreme sacrifice.

Lance Naik Maluk Chand displayed unmatched feat of gallantry and devotion to duty beyond the call of duty.

16 Major Manish Mishra IC-51280
5 Jammu and Kashmir Light Infantry

(Effective date of the awrad 06th June, 1999)

Major Manish Mishra painstakingly and meticulously identified the move pattern of ULFA militants in the extremely hostile terrain near Indo-Bhutan border. The officer planned and executed meticulous and daring operations in Daodhara on 04 June 99 lasting for 72 hours.

After patiently lying in wait for 48 hours at about 1000 hours on 06 June 99 four militants appeared. When challenged the militants opened fire indiscriminately. In the encounter one militant was killed while the others tried to escape. One jumped in to a fast flowing river

Acting instinctly and with utter disregard to personal safety and undaunted by the hail of bullets the officer ton jumped A hand to hand fight ensued. Displaying unparalleled bravery the officer grapled with the militant and ultimately shot him. In the hugely successful operation three top militants were killed and 26 round of ammunition recovered.

Major Manish Mishra displayed unparalleled courage and conspicuous gallantry in the face of militant's fire.

17. Lieutenant Colonel Natraj Vijay Raghavan (IC-40300), SM, 15 Kumaon, (Posthumous).

(Effective date of the award 24th June, 1999)

On 24 June 1999 at 1330 hours Lieutenant Colonel Natraj Vijay Raghavan, received information regarding movement of two militants. Accompanied by a small party, he immediately left for the designated area.

Enroute, his party came under intense fire from militants. After quickly deploying his men to prevent their escape, he alongwith only three jawans manoeuvred behind an eight meter high cliff overlooking a cluster of boulders where militants were hiding. One of the militants started indiscriminate firing at his party which was in blocking position. Sensing grave danger to his subordinates Lt Col Natraj Vijay Raghavan in a dare devil act, with total disregard to own safety rolled down from the cliff and single handedly charged at the militant killing him on the spot. The second militant who as hiding behind a boulder fired at him injuring him in the chest. Despite being seriously wounded, he kept firing and advancing towards him. In a fierce close quarter battle, the militant shot him again which proved fatal. Before collapsing, he killed the second militant also.

Lieutenant Colonel Natraj Vijay Raghavan, SM, thus, displayed extraordinary gallantry, rare courage exemplary leadership and made the supreme sacrifice.

18. 2600934 Sepoy J Veerabhadrudu, 28 Madras

(Effective date of the award 22nd July, 1999)

Sepoy J Veerabhadrudu was part of a team tasked to carry out search and destroy operation in utmost hostile and inhospitable operation terrain in Uri Sector, Jammu and Kashmir.

At about 0430 hrs on 22 July 1999 the team established contact with the militants. The militans opened effective fire on the team and fled. Sep Veerabhadrudu charged towards the fleeing militants alongwith his Company Commander. The desperate militants realising that their escape routes were closing, took shelter in a cave and brought down effective fire on the approaching column. Sep J Veerabhadrudu crawled towards the militants hideout and effectively engaged them by fire.

Sep J Veerabhadrudu on observing that a militant was trying to lob a grenade at them, immediately fired at the militant and killed him instantaneously. The other militant in a desperate action started firing at the officer and Sep Veerabhadrudu. Displaying quick presence of mind, he took cover behind a tree and pinned down the militant. Sep J Veerabhadrudu while trying to crawl forward to get a better observation was injured by a bullet fired by the militants. Unmindful of the injury, the jawan continued firing at the militants and refused to vacate his position. He lobbed a grenade and brought down effective fire on to the second militant killing him also.

Sep J Veerabhardrudu proved effective fire and pinned down a third militant who was firing at his Company Commander. The company Commander got opportunity and crawled nearer to the hideout and killed one militant by lobbing a grenade inside.

Sepoy J Veerabhadrudu displayed raw courage, combat initiative and conspicuous bravery of a very high order.

19. JC-224169 Subedar Mohan Singh Rawat Guards, 21 Rashtria Rifles.

(Effective date of the award 06th August, 1999)

Subedar Mohan Singh Rawat took part in an operation on 6th August 1999 in Shopth in Jammu and Kashmir.

At the troops assaulted a hideout, the militants made a determined attempt to escape through a stop commanded by the Junior Commissioned Officer, under heavy fire of automatics, rocket propelled grenades and rocket launchers. Fiercely determined that none could escape through his stop and completely unmindful of his own saftty the individual left cover to rally his men when two bullets hits his right arm.

Despite his critical injury and showing indomitable courage, Subedar Mohan Singh Rawat located the source of fire and launched a direct assault on it. In this gallant action the individual killed two militants but two bullets now hit his left leg. Undaunted and determined not to risk the lives of his own troops, the brave individual then threw a hand grenade killing the third militant also. The individual then kept rallying his men and firing until he was hit on the chest.

Subedar Mohan Singh Rawat displayed indomitable courage and inspiring leadership under fire and his steadfast determination to complete the task given to him despite being repeatedly wounded.

BARUN MITRA,
Dy. Secy. to the President

No. 73-Pres/2000.—The President is pleased to approve the award of the "Param Vishisht Seva Medal" to the undermentioned personnel for the distinguished service of the most exceptional order :—

1. Lieutenant General Shailendra Kumar Bhatnagar (IC-12405) AVSM Army Ordnance Corps.
2. Lieutenant General Malik Ram Sharma (IC-12508), VSM, Infantry.
3. Lieutenant General Dharambir Singh (IC-12552), AVSM Electrical and Mechanical Engineers.
4. Lieutenant General Yuvraj Kumar Mehta (IC-12803) AVSM Engineers.
5. Lieutenant General Hind Ravi Singh Mann (IC-12813) AVSM, Infantry.
6. Lieutenant General Sudhir Kumar (IC-12850), Signals.
7. Lieutenant General Prakash Gokarn (IC-12855), AVSM Signals
8. Lieutenant General Jitendra Swarup Bhatnagar (IC-13021), AVSM, VSM Army Service Corps.
9. Lieutenant General Mal Vindar Singh Shergill (IC-13152), AVSM, VrC Armoured Corps.
10. Lieutenant General Surrinder Bir Singh Kuchar (IC-13247) AVSM Infantry.
11. Lieutenant General Satish Chandra Chopra (IC-13963), AVSM, VSM Infantry.
12. Lieutenant General Harjinder Singh Bagga (IC-13969) VSM, Infantry.
13. Lieutenant General Amarjit Singh (IC-12827), Electrical and Mechanical Engineers.
14. Lieutenant General Ramanand Jayaswal (MR-01515), AVSM Army Medical Corps.
15. Lieutenant General Satish Chandra Verma (MR-02482), Army Medical Corps
16. Vice Admiral Ravindra Nath Ganesh, AVSM, NM (00523-N).
17. Surgeon Vice Admiral Jagdish Chandra Sharma, VSM (75524-W).
18. Vice Admiral Pramod Chander Bhasin, AVSM VSM (50155-N).
19. Air Marshal Pran Nath Bajaj, AVSM (6392), Aeronautical Engineering (Mechanical).
20. Air Marshal Philip Rajkumar AVSM, VM (6748), Flying (Pilot)
21. Air Marshal Satish Govind Inamdar, VSM (7189) Flying (Pilot)
22. Air Marshal Sahab Prasad Varma, VSM (6466), Medical.
23. Air Marshal Sayed Shahid Hussain Naqvi AVSM, VrC (7193) Flying (Pilot).
24. Air Marshal Thirunillayi Ramaswamy Janakiraman, AVSM (7058) Aeronautical Engineering (Mechanical).

BARUN MITRA Dy. Secy.

New Delhi the 26th January 2000

No. 74-Pres/2000—The President is leased to approve the award of the "Uttam Yuddh Seva Medal" to Major General Krishnamurthy Nagraj (IC-16620), Infantry for the distinguished service of an exceptional order during hostilities.

BARUN MITRA, Dy. Secy.

New Delhi, the 26th January 2000

No 75-Pres/2000—The President is pleased to approve the award of the "Par to Ati Vishisht Seva Medal" to the undermentioned personnel for the distinguished service of an exceptional order:—

1. Major General Deepak Varma (IC-12809), AVSM Artillery
2. Brigadier Mohan Chandra Bhandari (IC-17615), AVSM Infantry

BARUN MITRA, Dy Secy

New Delhi, the 26th January 2000

No. 76-Pres/2000—The President is pleased to approve the award of the "Ati Vishisht Seva Medal" to the undermentioned personnel for the distinguished service of an exceptional order:—

1. Lieutenant General Shankar Prasad Datta (MR-01815) Army Medical Corps
2. Major General Ravindra Mohan Chadha (IC-13529), Engineers.
3. Major General Anil Sawhny (IC-13888), Engineers
4. Major General Mathew Mammen (IC-15792), VSM*, Engineers.
5. Major General Sudesh Kumar Kaushal (IC-15947), VSM Artillery
6. Major General Joginder Jaswant Singh (IC-16078) VSM Infantry.
7. Major General Rajinder Bir Singh (IC-16618), VSM, Infantry.
8. Major General Bhupender Singh Thakur (IC-16234) Armourd Corps
9. Major General Sarvjit Singh Chahal (IC-16240), VSM, Infantry
10. Major General Varinder Singh Yadav (IC-16241), Engineers.
11. Major General Charanjit Singh Brar (IC-16261) Armoured Corps.
12. Major General Bhopinder Singh (IC-16272), Infantry.
13. Major General Tej Swaroop Pathak (IC-16844), VSM* Infantry.
14. Major General Parinder Paul Sinh Bindra (IC-18964), VSM, Infantry
15. Major General Bittanda Karriappa Bopanna (IC-22834) VSM Infantry
16. Major General Vijay Joshi (MR-02033), Army Medical Corps.
17. Brigadier Vijai Pal Singh (IC-17131), Military Farms.
17. Brigadier Avinash Walter Ranbhise (IC-17265), SM, Infantry.
19. Brigadier Arun Kumar Chopra (IC-17624) Infantry.
20. Brigadier Rama Krushna Sahoo (IC-17930), Engineers.
21. Brigadier Kuldip Singh Jamwal (IC-19001), VSM*, Artillery.
22. Brigadier Jagtar Singh (IC-26292), Infantry.
23. Brigadier Gaganjit Singh (IC-26878), Armourd Corps.
24. Brigadier Dinesh Prasad (MR-42349), Army Medical Corps.
25. Colonel Sikdar Jyotirmoy (MR-02967), VSM Army Medical Corps
26. Rear Admiral Sampath Pillai (00615-Y).
27. Rear Admiral Rajeev Paralikar, VSM (40210-K).
28. Rear Admiral Arun Saxena, VSM (50180-W)
29. Rear Admiral Ajit Tewari, NM (00904-B).
30. Surgeon Rear Admiral Hara Prasad Mukherjee, VSM (75091-K).
31. Rear Admiral Ravindra Mohan Kshetrapal 40292-Y)
32. Rear Admiral Krishnan Narayanan, VSM (50245-T).
33. Air Marshal Pradeep Kumar Ghosh, VSM (7106) Aeronautical Engineering (Electronics).
34. Air Vice Marshal Krishna Chandra Varma (7583) Meteorological.
35. Air Vice Marshal Suresh Chandra Vohra, VSM (6713) Logistics
36. Air Vice Marshal Manmohan Sehgal, VSM (8390) Flying (Pilot) (Retired).
37. Air Vice Marshal Arunachalam Saibaba (9996) Administration.
38. Air Commodore Puzhankara Ambalavattam Hari Mohan VM (9723) Flying (Pilot).
39. Air Commodore Prakash Chandra Khandubhai Desai VSM (10078) Aeronautical Engineering (Mechanical).
40. Air Commodore Avdesh Kumar Singh, VM, VSM (11005) Flying (Pilot)
41. Air Commodore Bhushan Nilkanth Kokhale, VM (11630) Flying (Pilot).
42. Air Commodore Kanwar Dalinderjit Singh (12403) Flying (Pilot).
43. Group Captain Birender Singh Siwach, VM (12413) (Flying (Pilot).
44. Group Captain Ajay Shriniwas Karnik, VM (13140) Flying (Pilot).
45. GO-0459M Chief Engineer (Civil) Harbhajan Singh, VSM, BRO.

BARUN MITRA, Dy. Secy.

New Delhi, the 26th January 2000

No. 77-Pres/2000.—The President is pleased to approve the award of the "Yuddh Seva Medal" to the undermentioned personnel for the distinguished service of a high order during hostilities:—

1. Brigadier Mohinder Partap Singh Bajwa (IC-28758), Infantry.
2. Colonel Samuel Victor Emmanual David (IC-32022), Bihar.
3. Colonel Satyapal Singh Sahrawat (IC-37247), 16 Garhwal Rifles
4. Colonel Uttam Singh (IC-37220), 6 Maratha Light Infantry
5. Colonel Govind Singh Chandel (IC-37247), 12 Bihar

BARUN MITRA
Dy. Secy to the President

New Delhi, the 26th January, 2000

No. 78-Pres./2000.—The President is pleased to approve the award of "Bar to Vishisht Seva Medal" to the undermentioned personnel for distinguished service of a high order :—

1. Brigadier Avinash Chander Chopra (IC-23807), VSM Infantry
2. Colonel Om Prakash Nehra (IC-33267), VSM Madras

BARUN MITRA
Dy. Secy. to the President

New Delhi, the 26th January, 2000

No. 79-Pres./2000.—The President is pleased to approve the award of the "Vishisht Seva Medal" to the undermentioned personnel for the distinguished service of a high order :—

1. Major General Jagtar Singh Kang (IC-14060) Intelligence Corps
2. Major General Gulsharan Singh Bajwa (IC-16047) Artillery.
3. Major General Arvind Sharma (IC-16900) Infantry
4. Brigadier Pushpinder Singh Mann (IC-26549), SM, Infantry CIW School
5. Brigadier Dilip N Desai (IC-19845) Armoured Corps
6. Brigadier Sudershan Kumar Bali (IC-15513) Artillery
7. Brigadier Jameel Iqbal Shah (IC-19429), Artillery
8. Brigadier Parameswaran Pillai Rajagopal (IC-23872) Infantry.
9. Brigadier Jaidayan Singh Pathania (IC-17266) Infantry
10. Brigadier Vasant Balkrishna Patil (IC-28844) Air Defence, Artillery
11. Brigadier Avtar Singh Sandhu (IC-17648), Artillery
12. Brigadier Nilkanta Pillai Krishna Kumar (IC-24344), Infantry
13. Brigadier Devinder Singh (IC-24635), Artillery
14. Brigadier Sham Chander (IC-28300), Mechanised Infantry.
15. Brigadier Rajendra Singh Mehta (IC-28733) Armoured Corps 1 Rashtriya Rifles.
16. Brigadier Mahendra Singh Dalawat (IC-28776), SM, Infantry.
17. Brigadier Prakash Singh Chaudhary (IC-23030), SM, Infantry.
18. Brigadier Rajender Singh Rawat (IC-19385) Infantry.
19. Brigadier Satish Chandra Sharma (IC-24745), Infantry
20. Colonel Vijay Kumar Sharma (IC-33233) 8 Gorkha Head Quarter, 8 Mtn Division.
21. Colonel Rakesh Chowdhary (IC-34610) Garhwal Rifles 14 Rashtriya Rifles.
22. Colonel Murlidhar Nedumuvel (IC-34766), 2/5 Gorkha Rifles
23. Colonel Gopi Shankar Misra (MR-02658) Army Medical Corps
24. Colonel Radha Gobinda Dash (MR-03202) Army Medical Corps
25. Colonel Bikram Singh (IC-25910), Sikh Light Infantry.
26. Colonel Gurukal Kandi Balkrishnan Nair (IC-25973), Intelligence Corps.
27. Colonel Ranendra Narayan Chakraharty (IC-36719), Signals.
28. Colonel Melachevai Srinivasan Santhana Krishnan (IC-36905) Army Ordnance Corps
29. Colonel Rajesh Pant (IC-27969), Signals
30. Colonel Vijay Kumar (IC-36741) 1,6 Dogra.
31. Colonel Darshan Lal Chowdhary (IC-33450), Jat.
32. Colonel Tallamraju Prabhakar (MR-03819), Army Medical Corps
33. Colonel Beant Parmar (IC-35587) 14 Maratha Light Infantry.
34. Colonel Vijay Yashvant Gidh (IC-31809), 14 Punjab.
35. Colonel Rupender Singh Parmar (IC-34075), Kumaon 12 Assam Rifles.
36. Colonel Amulya Mohan (IC-34066), 17 Assam Rifles
37. Colonel Girish Kumar Gujjala (IC-35584), 21 Grenadiers.
38. Lieutenant Colonel Vijoy Kumar Sinha (MR-04598), Army Medical Corps
39. Lieutenant Colonel Biman Saha (IC-39023), SM, Sqn, MCTE (Posthumous).
40. Lieutenant Colonel Yogesh Sharma (MR-05513), Army Medical Corps
41. Major Yogesh Taragi (IC-37367), Rajput
42. JC 402206 Naib Subedar Bhanwar Lal Dhaka, Guards
43. Commodore Vinod Kumar Thakur (60173-F).
44. Commodore Satish Sadashiv Godbole (40349-A).
45. Commodore Subhash Chander Mann (01102-B)
46. Commodore Ganesh Mahadevan (50344-T).
47. Commodore Sunil Krishanji Damle, NM (01168-B).
48. Captain Niranjan Kumar Nadella (50445-Y).
49. Captain Rajinder Singh (01427-T)
50. Captain Anthony [illegible] Anand (50458-A).
51. Captain Gopal Hari Saxena (01556-K)
52. Captain Bijal Bir Singh Grewal (01529-Z)
53. Commander Pravesh Chandra Mishra (40261-A)
54. Surgeon Commander Tajinder Singh Uberoi (75190-K).
55. Lieutenant Commander (Sdae) B Sasidharan Pillai (86033-B)
56. Jai Narayan Yadav, MCME I, Hony SLT, (089647-W)
57. Subedar Bhosale, MCPOR (TAC) 1, 092983-A).
58. Shishupal Singh, MCWMI, (200848-Z.
59. Air Commodore Thekkekara Thomas Job (11507) Aeronautical Engineering (Mechanical).
60. Group Captain Manovinder Shamsher Bahadur Singh Bajwa (12201) Flying (Pilot).
61. Group Captain Naresery Sekharan Raveendran (12614) Aeronautical Engineering (Electronics).
62. Group Captain Vijay Shanker Kapani (12766) Flying (Pilot)
63. Group Captain Randhir Pratap (13146) Flying (Pilot)
64. Group Captain Virender Nath Kalia (13568) Flying (Pilot)
65. Group Captain Janakiramiah Arunachalam (13725) Aeronautical Engineering (Electronics).
66. Group Captain Pramod Kumar Roy, VM (14100) Flying (Pilot).

67. Wing Commander Naresh Kumar Kapila (13638) Administration/Fighter Controller.

68. Wing Commander Venkitaraman Subramanian (13673), Logistics

69. Wing Commander Navin Rattan (14242), Medical.

70. Wing Commander Davinder Pal Singh (14475) Administration.

71. Wing Commander Chittranjan Mohanty (15084) Aeronautical Engineering (Electronics).

72. Wing Commander Gokul Nath (15156) Medical

73. Wing Commander Vireshwar Dundappa Gulagali (15272), Aeronautical Engineering (Electronics)

74. Wing Commander Harbhajan Singh (15504), Aeronautical Engineering (Mechanical).

75. Squadron Leader Kuldeep Sharma (16541), Aeronautical Engineering (Mechanical)

76. Squadron Leader Shaji Jacob (16552) Administration.

77. Squadron Leader Praveen Kumar S Patil (16981) Logistics

78. Squadron Leader Krishna Iyengar Ravi (17674), Aeronautical Engineering (Mechanical).

79. Squadron Leader Dharam Apuram Pathan (18454) Aeronautical Engineering (Mechanical)

80. Squadron Leader Ramesh Jotirao Oulkar (18630), ADM/ATC.

81. Squadron Leader Rajesh Purohit (19170), Flying (Pilot)

82. 265157 Warrant Officer Govind Singh Rana, Weapon Fitter

83. 271228 Warrant Officer Gurdev Singh Parhar, Weapon Fitter.

84. 287698 Warrant Officer Gopalakrishnan Nair Musician.

85. 765828 Corporal Sanwar Mal, Engine Fitter.

86. 766642 Corporal Sarvesh Kumar Engine Fitter

87. GO-0705M Chief Engineer Binay Kumar Basu, SC BRO

88. GO-0939W, Director Raj Kumar Sawhney, BRO

BARUN MITRA
Dy. Secy. to the President

New Delhi, the 26th January 2000

No. 80-Pres/2000.—The President is pleased to approve the award of the "Bar to Sena Medal" to Colonel M Shrikumar Nair (IC-38154), SM, 28 Madras, for his acts of exceptional courage.

BARUN MITRA
Dy. Secy to the President

New Delhi, the 26th January 2000

No. 81-Pres/2000.—The President is pleased to approve the award of the "Sena Medal" to the undermentioned persons for the acts of exceptional courage :—

1. Colonel Aiyyala Savita Kumaraswamy (IC-34571), 9 Gorkha Rifles.

2. Colonel Prabhakaran Nair Kanathilarayanan (IC-35261), 3 Bihar.

3. Colonel Rajinder Singh Chauhan (IC-35159) Guards, 21 Rashtriya Rifles.

4. Colonel Ajaey Sem (IC-31077), Mechanical Infantry, 30 Rashtriya Rifles

5. Lieutenant Colonel Vijay Singh (IC-39675), 2/9 Gorkha Rifles.

6. Major Sanjiv Robilla (IC-48772), 20 Punjab

7. Major Vijay Pal Singh (IC-47225), 3 Assam

8. Major Ranbir Singh (IC-45332), Armoured Corps, 22 Rashtriya Rifles

9. Major Dinesh Kumar Bishnoi (IC-50564), Garhwal Rifles 36 Rashtriya Rifles.

10. Major Devi Arvind Chaturvedi (IC-40792), 1/3 Gorkha Rifles

11. Major Narender Pal Singh (IC-43476) Air Defence Artillery 11 Rashtriya Rifles

12. Major Aditya Negi (SS-36027) 3/9 Gorkha Rifles.

13. Major Ranbir Katoch (IC-52576), Air Defence Artillery 7 Rashtriya Rifles (Posthumous).

14. Major Neil John (IC-51325), Armoured Corps, 1 Rashtriya Rifles

15. Major Anil Kumar Jaggi (IC-40365), Mechanized Infantry 21 Rashtriya Rifles

16. Major Balwan Singh Thapa (IC-50463), Maratha Light Infantry 27 Rashtriya Rifles

17. Major Virendra Singh Rathore (IC-50411), Air Defence Artillery

18. Major Paramvir Singh Sehrawat (IC-44729), Guards, 52 SAG.

19. Major Sandeep Mohla (IC-49074), 14 Punjab.

20. Major Paramvir Singh Punia (IC-51948), 26 Madras

21. Major Jasprit Singh Gujral (IC-41636), Artillery, 110 Medium Regiment.

22. Major Gopal Mitra (IC 53836) 15 Mahar

23. Captain Rajesh Singh (SS-36561) 12 Rajputana Rifles

24. Captain Tejpal Singh (IC-54219) Engineers 10 Rashtriya Rifles

25. Captain Arun Kumar Rai (IC-54808) Armoured Corps, CIF Delta

26. Captain Shri Kumar (IC-46728) Air Defence Artillery, 36 Rashtriya Rifles.

27. Captain Deepak Guleria (IC-54625), Army Service Corps, HQ 3 Sector Rashtriya Rifles (Posthumous).

28. Captain Sukhbir Singh (SS-36816), 5 Jammu and Kashmir Light Infantry

29. Captain Amitabh Singh (SS-36505) Artillery 110 Medium Regiment

30. Captain Gaurav Partap Singh Uppal (SS-36677), 25 Punjab.

31. Lieutenant Sumeet Abrol (IC-56995) 6 Kumaon.

32. Lieutenant Nair Prashant Chandrasekhar (SS-37224), 2 Madras.

33. Lieutenant Vincent Aloysius Savio Johar (IC-57281), Army Ordnance Corps, 5/5 Gorkha Rifles (FF)

34. JC-166704 Subedar Major Ram Pal Singh, Jat, 34 Rashtriya Rifles (Posthumous)

35. JC-212824 Subedar Naunihal Singh Bhullar, 20 Punjab (Posthumous)

36. JC-255888 Subedar Mohinder Pani,
Air Defence Artillery
10 Rashtriya Rifles

37. JC-173837 Subedar Surve Manohar Ramchandra,
17 Maratha Light Infantry

38 JC-428111 Subedar Amarjit Singh
Punjab, 7 Rashtriya Rifles

39 JC-296078 Subedar Ram Kumar,
Air Defence Artillery
15 Rashtriya Rifles

40 JC-212815 Subedar Tarlok Singh,
Punjab, 7 Rashtriya Rifles (Posthumous).

41 JC-35943 Subedar Chandra Singh Rana,
3 Assam Rifles

42. JC-448625 Naib Subedar Ved Prakash,
4, Grenadiers.

43 JC-592439 Naib Subedar Karnail Singh,
8 Jammu and Kashmir Light Infantry.

44 JC-402298 Naib Subedar Parkash Chand,
Guards, 21 Rashtriya Rifles

45. JC-623171 Naib Subedar Prem Bahadur Ghale,
4/8, Gorkha Rifles

46. JC-412315 Naib Subedar Khaba Ram,
9 Para (SF), 5t SAG.

47. JC (NYA)-9083220 Naib Subedar Farooq Ahmed,
5 Jammu and Kashmir Light Infantry

48. 2467415 Havildar Gurmeet Singh
20 Punjab (Posthumous)

49. 2472248 Havildar Tarsem Singh,
20 Punjab (Posthumous)

50. 397334 Company Havildar Major Lekh Raj,
16 Dogra.

51. 2879067 Havildar Dharam Pal
5 Rajputana Rifles

52. 3381913 Havildar Gian Singh,
2 Sikh (Posthumous).

53. 14905950 Havildar Chandra Churh Prasad
13 Mechanised Infantry (Posthumous).

54 2977496 Havildar Jagdamba Prasad,
13 Mechanised Infantry (Posthumous)

55. 3387498 Havildar Hira Singh,
INT, 31 Comp INT Unit,

56. 4467062 Havildar Amarjit Singh,
1 Sikh Light Infantry, (Posthumous)

57. 3171951 Havildar Ompal Singh,
6 Jat.

58. 7239428 Lance Dafadar Meletary Singh,
RVC, 14 Army Dog Unit (Posthumous)

59. 5750966 Lance Havildar Min Bahadur Gurung,
4/8 Gorkha Rifles

60. 2779285 Naik Mane Adhikrao Baburao,
17 Rashtriya Rifles

61. 13688503 Naik Shatrughan Singh
Guards, 21 Rashtriya Rifles.

62. 4066491 Naik Rai Singh,
Garhwal Rifles,
36 Rashtriya Rifles

63 14468395 Naik Kallu Prasad,
Artillery, 57 Field Regiment (Posthumous)

64. 4178201 Naik Gopal Singh Ana,
Kumaon, 13 Rashtriya Rifles (Posthumous)

65. 5043930 Naik Chitra Bahadur Rana
2/1 Gorkha Rifles
15 Rashtriya Rifles

66 13616847 Naik Sukhbir Singh
9 Para (SF)

67 4178938 Naik Suresh Chandra Punera,
4 Kumaon, 51 SAG

68 3179480 Naik Bijender Singh,
6 Jat.

69 9094456 Naik Kasturi Lal,
5 Jammu and Kashmir, Light Infantry

70. 3983892 Lance Naik Balbir Singh,
8 Dogra

71. 2682096 Lance Naik Paras Ram Dhatwalia,
14 Grenadiers

72. 2483928 Lance Naik Salwinder Singh,
20 Punjab (Posthumous),

73. 9094187 Lance Naik Mohd Sharief,
4 Jammu and Kashmir Light Infantry
(Posthumous)

74 15308768 Lance Naik Karaku Balaiah,
14 Engineers Regiment (Posthumous)

75 4561775 Lance Naik Subey Singh,
19 Mahar

76 4182464 Lance Naik Kheem Singh,
9 Para (SF) (Posthumous)

77. 14386434 Lance Naik Garad Vasant Pandurang,
Artillery 7 Rashtriya Rifles (Posthumous)

78 3181852 Lance Naik Azad Singh,
8 Jat (Posthumous)

79. 3180920 Lance Naik Khadag Singh
12 Jat (Posthumous)

80 13690701 Lance Naik Kedar Singh,
21 Rashtriya Rifles (Guards) (Posthumous).

81 5846811 Lance Naik Jitendra Bahadur Thapa,
2/9 Gorkha Rifles (Posthumous)

82 2596845 Lance Naik D Umapati Naidu,
26 Madras

83 9094430 Lance Naik Bhupinder Singh,
5 Jammu and Kashmir Light Infantry.

84 3995684 Sepoy Virender Singh,
10 Dogra

85. 4466268 Sepoy Pargat Singh
1 Sikh Light Infantry

86 2993891 Sepoy Sharwan Singh Shekhawat,
Rajput 10 Rashtriya Rifles (Posthumous)

87 2995311 Sepoy Kazi Kamal Naimuddin,
24, Rajput (Posthumous).

88. 3393231 Sepoy Kanwalbir Singh,
20 Sikh

89 2599006 Sepoy Senthil Thangaraj,
Madras 25 Rashtriya Rifles (Posthumous).

90 4183542 Sepoy Kewala Nand
15 Kumaon (Posthumous)

91. 14812092 Sepoy Gopinath Maharana,
Army Service Corps
528 ASC BN (Posthumous)

92 2486130 Sepoy Jagtar Singh,
Punjab, 7 Rashtriya Rifles

93 3991656 Sepoy Roshan Lal,
Dogra, 52 SAG (Posthumous)

94 2602115 Sepoy Ramanjanevulu Nakka,
26 Madras

95. 2481255 Sepoy Kashmir Singh, 25 Punjab.

96 5348697 Rifleman Netra Bahadur Garbuja. 3/4 Gorkha Rifles (Posthumnus)

97 4075164 Rifleman Umesh Chandel, Garhwal Rifles, 36 Rashtriya Rifles (Posthumous).

98 4075783 Rifleman Karmendra Singh, Garhwal Rifles, 36 Rashtriya Rifles (Posthumous)

99 4076036 Rifleman Manoj Kumar, Garhwal Rifles. 36 Rashtriya Rifles

100. 9099163 Rifleman Md Fayaz Sheikh, Jammu and Kashmir Light Infantry, 36 Rashtriya Rifles

101. 4071137 Rifleman Kishan Singh, Garhwal Rifles, 36 Rashtriya Rifles

102 5247638 Rifleman Amar Bahadur Magar, 1/3 Gorkha Rifles.

103. 4074019 Rifleman Goverdhan Lal, Garhwal Rifles, 14 Rashtriya Rifles

104. 4072897 Rifleman Sunil Kumar Kotnala, 18 Garhwal Rifles (Posthumous)

105. 5246951 Rifleman OB Bahadur Thapa, 3/3 Gorkha Rifles

106. 5045298 Rifleman Ghana Shyam Ale, 1 Gorkha Rifles, 15 Rashtriya Rifles.

107. 13757107 Rifleman Subhash Chand Sharma, Jammu and Kashmir Rifles, 52 SAG (Posthumous).

108 192948 Rifleman Kishnanda Bhatt, 19 Assam Rifles.

109. 15134110 Gunner Manoj Kumar, Artillery, 57 Field Regiment (Posthumous).

110 15100582 Gunner Avtar Singh, Artillery, 1889 Light Regiment (Posthumous).

111. 14412229 Gunner Dilbag Singh, Artillery, 34 Rashtriya Rifles (Posthumous).

112. 14409837 Gunner Bijoy Chutia, Artillery, 110 Medium Regiment

113 15661983 Signalman Shivthare Shashikant Abaso, Signals, 7 Rashtriya Rifles (Posthumous).

BARUN MITRA
Dy. Secy. to the President

No. 82-Pres/2000.—The President is pleased to approve the award of the "Sena Medal" to the undermentioned persons for the acts of exceptional devotion to duty :—

1. Brigadier Ashok Kumar Saini (IC-24465). Signals, Hq 1 Sig GP.
2. Brigadier Rana Sudhir Kumar Kapur (IC-16782), VSM, Engineers.
3. Colonel Vinod Kumar Bhatt (IC-30337), VSM, 102 Engineer, Regt.
4. Colonel Alan Deepak Gardner (IC-31757), VrC 5/5 Gorkha Rifles (FF)
5. Colonel Thodge Ravindra Vasantrao (IC-34775), VSM, 5/1 Gorkha Rifles.
6. Colonel Shashi Bhushan Asthana (IC-35731), 1 Assam.
7. Colonel Devinder Singh Dadwal (IC-37211), Sikh 22 Rashtriya Rifles.
8. Lieutenant Colonel Ranjit Borthakur (IC-34371), INT 739 INT & FS Unit.
9. Lieutenant Colonel Santosh Kumar Upadhya (IC-39871), 13 Garhwal Rifles.
10. Lieutenant Colonel Rai Kumud Mohan (MR-03977), Army Medical Corps, 92 Base Hospital
11. Major Ashok Kinth (IC-45544), 16 Guards.
12. Major Suresh Mangain (IC 38761), INT, 357 INT & FS Unit
13. Captain Anil Kothiyal (IC-50897), 2 Engineers.
14. Captain Mareila Vijay Shekar (IC-53417), Signals, 28 Infantry Division Signals Regiment.
15. JC-225421 Subedar Surat Singh, Air Defence Artillery, 27 Air Defence Regiment.
16. JC-205548 Subedar Shiv Kumar Singh, 3 Rajput.
17. 7430778 Havildar Nirmal Singh Dhadwal, INT, 739 INT & FS Unit
18. 15376207 Signalman Dibakara Panigrahi, Signals, MCTE, (Posthumous).

BARUN MITRA
Dy. Secy. to the President

No. 83-Pres/2000.—The President is pleased to approve the award of the "Nao Sena Medal" to the undermentioned persons for the acts of exceptional courage :

1. Lieutenant Ravindra Kothiyal (04033-R).
2. Kiran Kisan Shinde, Seal CD II, (177214-K),
3. Dalel Singh, Lemr (SD), (174333-N).

BARUN MITRA
Dy. Secy. to the President

No. 84-Pres/2000.—The President is pleased to approve the award of the "Nan Sena Medal" to the undermentioned persons for the acts of exceptional devotion to duty :—

1. Commander Santosh Kumar Namboori (01654-H).
2. Commander Kartik Subramaniam (40756-A).
3. Commander Monty Khanna (02543-B).
4. Commander Alok Bhagwat (50780-H).
5. Commander Moochikal Damodaran Suresh (02701-N).
6. Lieutenant Commander Jaspreet Singh Shergill (02983-B).
7. Lieutenant Commander Anian George (41204-W).
8. Rajender Kumar, Mech-3 (112330-Y).

BARUN MITRA
Dy. Secy. to the President

No. 85-Pres/2000.—The President is pleased to approve the award of the "Vayu Sena Medal" to the undermentioned persons for the acts of exceptional courage :

1. Wing Commander Vijay Suman Sharma (14490), Administration/Fighter Controller.
2. Squadron Leader Pankaj Vishnoi (17347), Flying (Pilot).
3. Squadron Leader Prasnant Kumar Bundela (21540), Flying (Pilot).

BARUN MITRA
Dy. Secy. to the President

No 86-Pres/2000.—The President is pleased to approve the award of the "Bar to Vayu Sena Medal" to Squadron Leader Kandarpa Venketa Surya Narasima Murthy, VM (20136) Flying (Pilot) for the acts of exceptional devotion to duty.

BARUN MITRA
Dy. Secy to the President

No 87-Pres/2000.—The President is pleased to approve the award of "Vayu Sena Medal" to the undermentioned personnel for the acts of exceptional devotion to duty :—

1. Group Captain James Sebastian (13385), Flying (Pilot).
2. Group Captain Trikandiyur Kollath Venugopal (13598), Flying (Pilot)
3. Group Captain Devinder Singh, VSM (14284), Flying (Pilot).
4. Wing Commander Peruinpillabil Narayanan Radha Govind (15019), Flying (Pilot)
5. Wing Commander Adiyeri Chevidichi Rajeev (15215) Flying (Pilot)
6. Wing Commander Jashir Walia (15684)), Flying (Pilot)
7. Wing Commander Sanjib Kumar Bhattacharya (15702), Flying (Pilot)
8. Wing Commander Sunil Bijlani (16087), Flying (Pilot).
9. Wing Commander Vidya Sagar Bharati YSM (16611) Flying (Pilot)
10. Squardron Leader Rajiv Kumar Narang (20456), Flying (Pilot)
11. Squadron Leader Chandan Sharda (21026), Flying (Pilot)
12. Flight Lieutenant Sandeep Soti (22343), Flying (Pilot).
13. 613179 Warrant Officer Narain Chandra Ghosh GTI/PII.

BARUN MITRA
Dy. Secy. to the President

MINISTRY OF TEXTILES

New Delhi, the 14th June 2000

RESOLUTION

No. E-11011/1/97-Hindi.—The Government of India has decided to reconstitute Hindi Salahakar Samiti of the Ministry of Textiles Its composition, functions etc will be as under :—

1. Minister of Textiles — Chairman

Members nominated by Committee of Parliament on Official Language

2. Shri Rashid Alvi M P. (Lok Sabha) — Member
3. Dr Sushil Kumar Indora M P (Lok Sabha) — Member

Members nominated by the Ministry of Parliamentary Affairs

4. Shri Ashok Namdeorao M P (Lok Sabha) — Member
5. Shri Chandresh Patel M P (Lok Sabha) — Member
6. Shri Lajpat Rai, M.P (Rajya Sabha) — Member
7. Shri Santosh Bagrodia M P. (Rajya Sabha) — Member

Non-official Members nominated by the Deptt of Official Language

8. Dr Poli Vijayraghav Reddy,
   Vijayvilasam, 3-13-1/10, Shri Niwaspuram,
   Ramnathpur, Hyderabad-500013 — Member
9. Shri Devraj,
   Via-Manipur Hindi Council,
   Vidhansabha Marg, Imphal-795001 (Manipur). — Member
10. Dr. Suresh Dutt Mishra,
    "Bagdevi Nilyam", Agarsen Colony,
    Ambala Road, Kaithal, Haryana. — Member

Non-official Members nominated by the Akhil Bhartiya Hindi Sanstha Sangh

11. Shri M. K Velayudhan Nair
    Principal Secretary, Keral
    Hindi Parchar Sabha,
    Tiruvantpuram-695014 (Kerala) — Member

Non-official Members nominated by the Kendriya Sachivalaya Hindi Parishad

12. Shri Krishan Kumar Grover,
    FB-16, Tagore Garden, New Delhi-110027. — Member

Other Non-Official Members

13. Shri Thakor Lal Makanji Naik
    2, Green Park Society,
    Near Jeevan Vikas Society,
    Athava Line, Surat-395001 — Member
14. Shri Ghanshyam Prasad Sanadhay,
    Paracharya Niwas, MTB Arts College Complex
    Athava Line, Surat. — Member
15. Shri Hari Nirmohi,
    Pandav Nagar (Manas Nagar),
    Post Shahganj, Agra. — Member
16. Shri Sadhu Sharan Singh "Suman",
    Village-Post Moria Bhaya Taraiya,
    Distt Chhapra (Saran) Bihar. — Member

Officials (Department of Official Language)

17. Secretary,
    Deptt of Official Language and
    Hindi Adviser to the Govt. of India — Member
18. Joint Secretary,
    Department of Official Language — Member

Officials (Ministry of Textiles)

19. Secretary (Textiles) — Member
20. Development Commissioner (Handloom),
    New Delhi — Member

21. Development Commissioner (Handicrafts), New Delhi. — Member

22. Textile Commissioner, Mumbai. — Member

23. Jute Commissioner, Calcutta. — Member

24. Chairman-cum-Managing Director, NTC, New Delhi — Member

25. Chairman-cum-Managing Director, British India Corporation, Kanpur — Member

26. Member Secretary, Central Silk Board, Bangalore — Member

27. Chairman-cum-Managing Director, Cotton Corporation of India, Mumbai. — Member

28. Chairman-cum-Managing Director, Handicrafts & Handloom & Export Corporation, New Delhi. — Member

29. Managing Director, Central Cottage Industries Corporation, New Delhi. — Member

30. Chairman-cum-Managing Director, Jute Corporation of India Ltd., Calcutta. — Member

31. Chairman-cum-Managing Director, National Jute Manufactures Corporation, Calcutta — Member

32. Chairman-cum-Managing Director, North Eastern Handicrafts and Handlooms Development Corporation, Shillong.

33. Chairman-cum-Managing Director, National Handloom Development Corporation, Lucknow. — Member

34. Director General, National Institute of Fashion Technology, New Delhi. — Member-Secretary

35. Joint Secretary, Ministry of Textiles.

(2) Functions

The functions of the Samiti will be to advise the Ministry on matters relating to the progressive use of Hindi for official purposes.

(3) Tenure

The term of the Samiti will be three years from the date of formation provided that :

1. A Member of Parliament nominated to the Samiti shall cease to be a Member of the Samiti as soon as he ceases to be a Member of Parliament.

2. Any mid-term vacancy shall be filled up by the concerned Member's successor in Office, who shall be a Member for the residue of the term of three years.

(4) General

1. Headquarters of the Samiti will be at New Delhi but it may hold its meetings at any other station also.

2. The Non-Official Members will be paid travelling allowance by shortest route from their resident to the place of meeting as per their entitlement. They will also be paid daily allowance as admissible to Members of High Powered Committee for attending the meetings of the Samiti.

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all State Governments and Union Territory Administrations, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, President's Secretariat, Comptroller and Auditor General of India, A.G.C.R. and all Ministries and Departments of the Government of India.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

KIRAN DHINGRA
Jt. Secy

MINISTRY OF CHEMICALS & FERTILIZERS

(DEPARTMENT OF FERTILIZERS)

New Delhi, the 8th June 2000

RESOLUTION

No. E.11014/1/98-Hindi.—In partial modification of this Ministry's Resolution No. E. 11014/1/98-Hindi dated the 4th August, 1999 the following entries are hereby in the composition of the Hindi Salahakar Samiti of the Ministry of Chemicals & Fertilizers :—

(1) Following entries may be made against Sl. No. 3
3. Shree Ram Raghu Nath Chowdhary, Member (Lok Sabha)

(2) Following entries may be made against Sl. No. 4.
4 Shree Pawan Singh Ghatowar, Member (Lok Sabha)

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all the members of the Samiti, all Ministries/Departments of the Government of India, all State Government and Union Territory Admn., Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, President's Secretariat, Parliamentary Committee on Official Language, Comptroller and Auditor General of India and Pay & Accounts Offices as well as Public Sector Undertakings under the control of the Department of Fertilizers.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

D. K. SIKRI
Jt. Secy.

MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS & PUBLIC DISTRIBUTION

(DEPARTMENT OF FOOD & PUBLIC DISTRIBUTION)

New Delhi, the 16th June 2000

RESOLUTION

No. E-11015/9/95-Hindi.—In continuation of Resolution No. E-11015/9/95-Hindi, dated the 2nd April 1999 issued by the Ministry of Food & Consumer Affairs, the Government of India have decided to re-constitute the Hindi Salahkar Samiti for the Ministry of Consumer Affairs & Public Distribution. The composition and the functions of the Samiti will be as follows :—

Chairman

1. Minister of Consumer Affairs & Public Distribution

Vice Chairman

2. Minister of State for Consumer Affairs & Public Distribution (Food & Public Distribution)

3. Minister of State for Consumer Affairs & Public Distribution (Consumer Affairs)

Members of Lok Sabha

4. Shri Ram Naresh Tripathi

5. Shri A. Venktesh Naik

Members of Rajya Sabha

6. Shri Sangh Priya Gautam

7. Shri Bal Kavi Bairagi

Representatives of the Committee of Parliament on Official Language

8. Shri Pawan Singh Ghatewar, M.P. (Lok Sabha)

9. Smt. Krishna Bose, M.P. (Lok Sabha)

Non-Official Members

10. Dr. Indu Bali
1541, Sector 18-D
Chandigarh

11. Dr. Gautam Vyathit
Village Nerati
Shahpur, Kangra (H.P.)

12. Dr. Ram Dal Pandey
Head of Deptt. of P.G. in Hindi
Shivharsh Kisan P.G. College
Basti (U.P.)-272001

13. Shri B. R. Narayana
1691, Anjaneya Temple Street,
Kengeri Satellite Town, Bangalore-560060

14. Shri A. Sharma 'Pandiji', 8, First Cross street
Kasturi Ba Nagar, Adyar, Chennai-600020

15. Dr. Bal Krishan Sharma, R-718,
Katla (Behind Bus Stand), Panipat (Haryana)

16. Shri Radha Kant Bharti N-525,
Sector-9, R. K. Puram, New Delhi-110022

Representative from voluntary Organisation

17. Chairman, Nagri Pracharini Sabha,
1-A, Sunehari Bagh Road
New Delhi-110011

18. Representative of Kendriya Sachivalaya Hindi Parishad, New Delhi

Officials

Members

19. Secretary, Deptt. of Official Language, New Delhi

20. Joint Secretary, Deptt. of Official Language, New Delhi

21. Secretary, Deptt. of Food & Public Distribution

22. Secretary, Deptt. of Consumer Affairs, New Delhi

23. Additional Secretary & Financial Adviser
Ministry of Consumer Affairs & Public Distribution

24. Additional Secretary, Deptt. of Consumer Affairs, New Delhi

25. Economic Adviser, Deptt. of Consumer Affairs, New Delhi

26. All Joint Secretaries of Ministry of Consumer Affairs and Public Distribution

27. Managing Director, Food Corporation of India, New Delhi

28. Managing Director, Central Warehousing Corporation, New Delhi

29. Chief Director, Directorate of Sugar, New Delhi

30. Chief Director, Directorate of Vanaspati, Vanaspati Oils & Fats, New Delhi

31. Chief Director, National Institute of Sugarcane & Sugar Technology, New Delhi/Mau

32. Chairman-Cum-Managing Director
Hindustan Vegetable Oils Corporation, New Delhi

33. Director General, Bureau of Indian Standard, New Delhi

34. Managing Director, Super Bazar, New Delhi

35. Managing Director, National Consumer Cooperative Federation, New Delhi

Member-Secretary

36. Joint Secretary (Incharge of Hindi), Deptt. of Food & Public Distribution

II. Fonctions of Samiti

The Samiti would render advice to the Ministry of Consumer Affairs and Public Distribution and its attached and subordinate offices on matters relating to the progressive use of Hindi for official purposes and on allied issues falling within the framework of the policy laid down by the Ministry of Home Affairs (Deptt. of Official Language).

III. Tenure

The term of the Samiti will be three years from the date of its reconstitution provided that :—

(a) a member who is a Member of Parliament ceases to be a member of the Samiti as soon as he ceases to be a Member of Parliament.

(b) ex-officio members of the Samiti shall continue as members as long as they hold office by virtue of which they are members of the Samiti;

(c) if a vacancy arises on the Samiti due to resignation, death, etc. of a member, the member appointed in that capacity shall hold office for the residual term of three years.

IV. General

The Headquarters of the Samiti shall be in New Delhi but it may hold its meetings at any other station also.

TRAVELLING AND OTHER ALLOWANCES

The non-official members will be paid travelling and daily allowances, for attending the meetings of the Samiti as contained in the guidelines issued by the Department of Official Language vide their O.M. No. 11/20034/4/86-OL(A-2) dated 22-1-1987 and as per prescribed rates and rules as amended by Government of India from time to time.

ORDER

Ordered that copy of this Resolution be communicated to all the State Governments Union Territory Administrations, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Ministry of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Planning Commission, President's Secretariat, Comptroller & Auditor General of India, Controller of Accounts, Min[illegible] of Consumer Affairs and Public Distribution [illegible] Ministries and Departments of Government of India

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information

B. K. BAL
Jt Secy.

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

DEPARTMENT OF POSTS

DIRECTORATE OF PLI

New Delhi-21, the 3rd April 2000

No. 29-22/99-LI —The President is pleased to add a new sub Rule (4) below sub Rule (3) of Rule 14 of POIF Rules as under :—

Rule 14 (4) EXEMPTION OF DEFENCE PERSONNEL FROM MEDICAL EXAMINATION

The Defence Personnel who are in Medical Category 'AYE' (for JCOs/NCOs/OR) or 'Shape'-I (for Officers), while submitting proposal for taking a Postal Life Insurance Policy will be exempted from Medical Examinations for the purpose.

Note 1. Full claim for sum assured alongwith the vested bonus will be admissible to the claimant(s) if a policy becomes claim after its acceptance Suicidal cases will however be governed by the existing Rules of POIF

Note 2. Revised proposal forms will be used for taking a policy by the Defence Personnel.

These orders will come into force with immediate effect

SUNEETA TRIVEDI
General Manager (PLI)

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi-110001, the 9th May 2000

RESOLUTION

No. E-11016/8/96-R.B.N.—In this Ministry's Resolution of even No. dated 23-3-1999 regarding reconstitution of Hindi Salahkar Samiti of the Ministry of Labour, under the heading "Non-Official Members", the following entries shall be substituted in place of entries made against S. No 15, 16 & 23 —

15. Shri Pradeep Rawat M.P. Lok Sabha : Nominated by the Ministry of Parliamentary Affairs

16 Shri Sukdev Paswan M.P., Lok Sabha Nominated by the Ministry of Parliamentary Affairs.

23. Shri Chandra Mani Tripathi

Nominated by Ministry of Labour

Ordered that a copy of this resolution be communicated to all State Government's and Union Territory administrations, Prime Minister's Secretariat, Cabinet Secretariat, Ministry of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, President's Secretariat, Comptroller and Auditor General of India, Accountant General, Central Revenues and all Ministries and Departments of the Government of India and all offices of the Ministry of Labour including autonomous and Semi-autonomous Bodies

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for General information

CHITRA CHOPRA
Jt. Secy.

RESOLUTION

The 19th May 2000

No. E-1116/9/96-R.B.N —In this Ministry's Resolution of even No. dated 23-3-99 and 9-5-2000 regarding reconstitution of Hindi Salahkar Samiti of the Ministry of Labour, under the heading "Non-Official Members", the following entries shall be substituted in place of entries made against S. No. 18, 19 and 20 :—

18 Shri Dara Singh Chauhan M P. (Rajys Sabha)

: Nominated by the Ministry of Parliamentary Affairs

19 Kunwar Sarvraj Singh M. P. (Lok Sabha)

: Nominated by the Committee of Parliament on Official Language.

20. Shri Anil Basu

: Nominated by the Committee af Parliament on Official Language.

Ordered that a copy of this resolution be communicated to all State Governments and Union Territory Administrations, Prime Minister's Secretariat, Cabinet Secretariat, Ministry of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, President's Secretariat, Comptroller and Auditor General of India, Accountant General, Central Revenues and all Ministries and Departments of the Government of India and all offices of the Ministry of Labour including autonomous and Semi-autonomous Bodies.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for General information

CHITRA CHOPRA
Jt Secy.

प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, फरीदाबाद द्वारा मुद्रित तथा नियन्त्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित—2000
Printed by the Manager, Govt. of India Press, Faridabad & Published by the Controller of Publications, DELHI— 2000